वर्ष 69 ▸ अंक 193 ▸ पृष्ठ 12
भोपाल, रविवार 12 अप्रैल, 2026
वैशाख कृष्ण पक्ष 10, विक्रम संवत् 2083
महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण Sunday

www.dainikjagranmpcg.com

5वां सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार: पश्चिम एशिया संकट में भारत की इकॉनामी को 700 अरब डॉलर के फॉरेक्स रिजर्व ने बचाया

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम एशिया संकट के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में भारत के लगभग 700 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) देश के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच बनकर उभरे हैं। भारत के पास इस समय दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार हैं। भारत से अधिक विदेशी मुद्रा केवल चीन, जापान, स्विट्जरलैंड और रूस के पास है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी, वैश्विक संकट या पूंजी के अचानक बाहर जाने जैसी स्थितियों में यही भंडार अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने में मदद करते हैं।

जागरण Sunday स्पेशल

क्या होते हैं फॉरेक्स रिजर्व

फॉरेक्स रिजर्व वे संपत्तियां होती हैं जिन्हें देश का केंद्रीय बैंक अपने पास रखता है। इसमें विदेशी मुद्रा (डॉलर आदि), सोना और सरकारी प्रतिभूतियां शामिल होती हैं।

भारत की स्थिति कितनी मजबूत

- भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा फॉरेक्स रिजर्व है। यह करीब 700 अरब डॉलर के आसपास पहुंच गया है।

रिजर्व का बदला स्वरूप

- भारत के पास इतना भंडार है कि वह 10 से 11 महीने के आयात को कवर कर सकता है। आमतौर पर 4-6 महीने का आयात कवर सुरक्षित माना जाता है।
- यह भंडार देश के कुल बाहरी कर्ज का लगभग 94 पीसदी तक कवर करता है, जो आर्थिक स्थिरता का बड़ा संकेत है।
- भारत के फॉरेक्स रिजर्व में विविधता भी बढ़ी है। करीब 80 फीसदी हिस्सा विदेशी मुद्रा संपत्तियों का है। सोने का भंडार लगभग 115 अरब डॉलर है।

1991 से लगातार बढ़ा मुद्रा भंडार

1991 में भारत गंभीर भुगतान संकट से जूझ रहा था और केवल दो हफ्ते के आयात के बराबर ही रिजर्व बचा था। तब देश को सोना गिरवी रखना पड़ा था। इसके बाद आर्थिक सुधार शुरू हुए।

- 2000 के दशक में विदेशी निवेश बढ़ने से फॉरेन रिजर्व तेजी से बढ़ा।
- 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट में गिरावट आई, लेकिन भारत ने तेजी से रिकवरी की।
- 2013 के 'टैपर टैंट्रम' संकट में भी नीतिगत उपायों से स्थिति संभाली।
- कोविड-19 के दौरान बड़ा उछाल आया।
- पिछले 15 सालों में रिजर्व दोगुना से अधिक हुआ और 300 से 700 अरब डॉलर पहुंचा।

आरआर सुपरस्टार वैभव सूर्यवंशी कर रहे हैं रनों की बौछार!

TATA IPL आईपीएल में आज

गुजरात बनाम लखनऊ
समय : अपराह्न 3.30 बजे से

मुंबई बनाम बेंगलुरु
समय : शाम 7.30 बजे से

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स जियोहॉटस्टार पर

परिणाम: पंजाब ने हैदराबाद को 6 विकेट से हराया।
चेन्नई ने दिल्ली को 23 रनों से हराया।

आशा भोसले की तबियत बिगड़ी, आईसीयू में भर्ती

मुंबई, जेएनएन। दिग्गज गायिका आशा भोसले की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के

मुताबिक उन्हें दिल और फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं के चलते अस्पताल में भर्ती किया गया है और फिलहाल उनका इलाज आईसीयू में चल रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उनका उपचार डॉक्टर प्रतीत समदानी की देखरेख में किया जा रहा है। आशा भोसले की पोती जनाई भोसले ने सोशल मीडिया के जरिए उनकी सेहत को लेकर अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि दादी को अत्यधिक कमजोरी और सीने में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जनाई ने अपने संदेश में परिवार की निजता बनाए रखने की अपील भी की है। उन्होंने लिखा कि इलाज जारी है और उम्मीद है कि उनकी तबीयत जल्द ठीक हो जाएगी। खबर सामने आने के बाद फैंस और फिल्म इंडस्ट्री के लोग उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके लिए शुभकामनाओं का सिलसिला जारी है। आशा संगीत की सबसे प्रतिष्ठित आवाजों में से एक हैं।

संघर्ष विराम वार्ता: शनिवार को हुई दो दौर की बातचीत

ईरान की मांग- लेबनान पर हमले तुरंत रोके जाएं

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष विराम वार्ता में शनिवार को दो दौर की बातचीत हुई। पहले दौर की बैठक करीब दो घंटे चली। इस दौरान दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से बातचीत की। शनिवार रात 10 बजे के बाद शुरू हुए दूसरे दौर में दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल ने आमने-सामने बातचीत शुरू की। दूसरे दौर में अहम मुद्दों पर देर रात खबर लिखे जाने तक चर्चा जारी रही। वार्ता रविवार को भी जारी रहेगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने वार्ता के दौरान लेबनान में इजराइली हमलों को तुरंत रोकने की मांग दोहराई है। यह मुद्दा बातचीत की सबसे बड़े अड़चनों में शामिल है। इस वार्ता में अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि ईरान की तरफ से संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। बैठक में सुरक्षा, सैन्य, राजनीतिक, आर्थिक और कानूनी पहलुओं पर चर्चा हो रही है। वार्ता में पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। वार्ता से पहले ईरान ने साफ कहा था कि बातचीत सफल नहीं होती, तो इसकी जिम्मेदारी केवल इजराइल पर नहीं डाली जा सकती। ईरान का मानना है कि इस पूरे संघर्ष में अमेरिका और इजराइल के फैसले आपस में जुड़े हैं। हॉर्मुज पर ईरान ने कहा कि वहां से अब तक कोई अमेरिकी जहाज नहीं गुजरा और अगर कोई जहाज आगे बढ़ता, तो उस पर कार्रवाई की जाती।

(संबंधित खबरें पेज-11 पर)

होर्मुज पर पेंच

- **ईरान** होर्मुज पर पूरे नियंत्रण के साथ गुजरने वाले जहाजों से फीस की मांग कर रहा है।
- **अमेरिका** चाहता है कि होर्मुज से पूरी दुनिया के जहाज बिना किसी रोकटोक के गुजरें।

इस्लामाबाद में शनिवार को वार्ता के दौरान ईरान के स्पीकर गालिबाफ और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ।

47 साल बाद आमने सामने की बातचीत

1979 की ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद पहली बार अमेरिका और ईरान के शीर्ष नेता इस स्तर पर सीधे आमने-सामने बातचीत कर रहे हैं। लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बीच यह एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल मानी जा रही है। इसकी सफलता दोनों पक्षों की सहमति पर निर्भर है और पूरी दुनिया को प्रभावित करेगी।

होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे 2 अमेरिकी युद्धपोत

अमेरिकी सेना ने बताया है कि उसके दो युद्धपोत होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे हैं। युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली बार है जब अमेरिकी युद्धपोत इस अहम समुद्री रास्ते से निकले हैं। हालांकि ईरान ने कहा कि एक जहाज को चेतावनी देकर लौटा दिया है। इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका हॉर्मुज को 'खोलने' की दिशा में काम कर रहा है।

ईरान के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी: नेतन्याहू

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल ईरान और उसके सहयोगी समूहों के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखेगा। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि उनकी सरकार ईरान के आतंकी नेटवर्क और उसके प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी।

रायसेन में उन्नत कृषि मेला: राजनाथ बोले- जैविक फल-सब्जी और श्री अन्न बना रहे सैनिकों की सेहत

जागरण, रायसेन। आमतौर पर रक्षामंत्री को सेनाओं और देश की रक्षा से जोड़कर देखा जाता है, कृषि से उसका क्या नाता। मगर रक्षा मंत्री रहते हुए भी मेरे भीतर का किसान जीवित है। इसलिए हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि देश भर में सेना की जितनी भी छावनी हैं, उनमें आसपास के किसानों द्वारा उगाए फल-सब्जी और अनाज ही खरीदे जाते हैं। अनाज में भी श्री अन्न यानी ज्वार, बाजरा और रागी के आटे को सेना की कैंटीन में रखना शुरू कर दिया है। इस पहल ने सच्चे अर्थों में जय जवान-जय किसान के नारे को सार्थक किया है। किसानों के जैविक फल-सब्जी व अनाज से सैनिकों की सेहत बन रही है तो दूसरी तरफ इस पहल से किसानों को भी आर्थिक मजबूती मिल रही है।

यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को रायसेन में उन्नत कृषि मेला का शुभारंभ करते हुए यह बात कही। देशभर से आए किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, ड्रोन और उन्नत पशुपालन की जानकारी और प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से आयोजित इस मेले के दूसरे दिन रविवार को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा प्रदेश के चार जिलों रायसेन, विदिशा, सीहोर और देवास का रोडमैप प्रस्तुत किया जाएगा। कृषि मंत्रालय हर राज्य का अलग-अलग रोड मैप बना रहा है। इस रोड मैप में हर राज्य और उसके हर जिले की मिट्टी में कौन सी फसल हो सकती है, कितना पानी-खाद चाहिए, यह सब किसानों को बताया जाएगा। यहां तक कि बाग के लिए कौन से पौधे किस जिले की मिट्टी के लिए हैं, यह भी बताया जाएगा।

47 देश को बासमती निर्यात कर रहा रायसेन: सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृषि मेला के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि हमें गर्व है कि अकेला रायसेन ही 47 देशों में बासमती चावल का निर्यात कर रहा है। किसानों की मेहनत से अब देश दोगुना खाद्यान्न निर्यात कर रहा है। हमारी सरकारों में प्रदेश के किसानों को गेहूं और धान का समुचित मूल्य मिला है। इस वर्ष किसानों से 2625 रुपए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद रहे हैं। साथ ही 40 रुपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस भी हम किसानों को दे रहे हैं। सिंचित रकबा बढ़कर 55 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है। रायसेन को बागवानी हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को स्टेट हैंगर, भोपाल से विदाई दी।

किसानों की आय बढ़ाएगा यह मेला : शिवराज

इस मौके पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खेती को आय का साधन बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। एक-दो एकड़ में खेती कर रहे किसानों की आय कैसे बढ़ा सकते हैं, यह भी इस मेले में बताया जाएगा। कौन सी मिट्टी में कौन सी फसल अधिक होगी और कितनी खाद डालना चाहिए, यह सब बताया जाएगा। चौहान ने कहा कि किसानों की जिंदगी बदल पाऊं तो ही कृषि मंत्री रहने का फायदा है।

हाईकोर्ट: दिव्यांग दुष्कर्म पीड़िता को मिली गर्भपात की अनुमति

टिप्पणी: जबरन गर्भ रखने के लिए नहीं कर सकते मजबूर

जागरण, ग्वालियर। मप्र हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने एक अहम फैसले में 30 साल की दिव्यांग दुष्कर्म पीड़िता को गर्भपात की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि किसी भी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भ जारी रखने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। पीड़िता को 19 सप्ताह का गर्भ है।

कोर्ट ने कहा कि महिला की शारीरिक और मानसिक सेहत सर्वोपरि है। ऐसे मामलों में उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भ जारी रखना उसके अधिकारों का उल्लंघन होगा। पीड़िता दिव्यांग है और सुनने व बोलने में असमर्थ है, जिससे उसकी स्थिति और अधिक संवेदनशील हो गई है। मामले में पीड़िता के भाई ने याचिका में बताया कि गर्भावस्था यौन शोषण का परिणाम है, जिससे महिला को गंभीर मानसिक आघात और शारीरिक पीड़ा झेलनी पड़ रही है। हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने मेडिकल रिपोर्ट और पीड़िता की स्थिति को ध्यान में रखते हुए गर्भपात की अनुमति दे दी है।

वोटिंग, चुनाव लड़ना मौलिक अधिकार नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वोट देने और चुनाव लड़ने का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं हैं, बल्कि ये कानून से मिलने वाले अधिकार हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी राजस्थान के जिला दुग्ध संघों से जुड़े एक चुनावी विवाद की सुनवाई के दौरान की। कोर्ट ने कहा कि वोटिंग और चुनाव लड़ने का अधिकार दो अलग-अलग चीजें हैं। वोट देना नागरिक को चुनाव में भाग लेने का मौका देता है, जबकि चुनाव लड़ने का अधिकार अतिरिक्त है। इस पर योग्यता, पात्रता और अयोग्यता जैसी शर्तें लागू होती हैं। राजस्थान जिला दुग्ध संघों के चुनाव में कुछ उप-नियमों को हाईकोर्ट ने अवैध ठहराया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को गलत बताते हुए रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने वोट देने और चुनाव लड़ने के अधिकार को एक जैसा मान लिया, जो कानून की नजर में सही नहीं है।

नई रिसर्च नींद की समस्या स्क्रीन की रोशनी नहीं, पूरी जीवनशैली

फोन की नीली रोशनी से नहीं बिगड़ती नींद

नई दिल्ली, जेएनएन। पिछले एक दशक से धारणा बनी हुई है कि मोबाइल, टीवी और लैपटॉप से निकलने वाली नीली रोशनी हमारी नींद खराब कर देती है। लेकिन हालिया शोध और विशेषज्ञों की राय इस धारणा को पूरी तरह सही नहीं मानते। उनका कहना है कि असल समस्या केवल स्क्रीन की रोशनी नहीं, बल्कि हमारी पूरी जीवनशैली और रोशनी के संपर्क का तरीका है। एक पत्रकार ने इस विषय को समझने के लिए खुद पर प्रयोग किया। उन्होंने सोने से तीन घंटे पहले खास नारंगी रंग के चश्मे पहने, घर की लाइट बंद कर दी और केवल मोमबत्ती की रोशनी में समय बिताया, ताकि पूरी तरह ब्लू लाइट से बचा जा सके। इस प्रयोग का मकसद यह जानना था कि क्या वाकई ब्लू लाइट नींद को इतना प्रभावित करती है।

ब्लू लाइट का असर कितना

हमारी आंखों में 'मेलानोप्सिन' नाम का एक प्रोटीन होता है, जो रोशनी के प्रति संवेदनशील होता है और नींद-जागने के चक्र को नियंत्रित करता है। यह ब्लू लाइट पर ज्यादा प्रतिक्रिया देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि फोन की हल्की रोशनी से ही नींद खराब हो जाएगी। एक समीक्षा में 11 अध्ययनों का विश्लेषण किया गया, जिसमें पाया गया कि स्क्रीन की रोशनी से नींद पर अधिकतम असर केवल करीब 9 मिनट की देरी के रूप में देखा गया। यानी असर है, लेकिन बहुत बड़ा नहीं।

क्या कहता है विज्ञान

2014 में एक अध्ययन में पाया गया था कि जो लोग सोने से पहले टैबलेट का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें सोने में ज्यादा समय लगता है और उनकी नींद की गुणवत्ता भी खराब होती है। इसका कारण स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट को बताया गया था, जो शरीर की 'सर्केडियन रिद्म' यानी जैविक घड़ी को प्रभावित करती है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इस अध्ययन को जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर समझा गया। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जेमी जाइटजर के अनुसार, स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी इतनी तेज नहीं होती कि वह नींद पर बड़ा असर डाल सके।

असली समस्या

- देर रात तक जागना
- सोने से पहले स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताना
- अनियमित सोने का समय
- कृत्रिम रोशनी में ज्यादा रहना

वंदे मातरम के अपमान पर कांग्रेस में चुप्पी, सीएम नाराज, राजनीति गरमाई

इंदौर की पार्षदों ने भरी बैठक में किया था इंकार, पार्टी लाइन के बहाने बचा रही कांग्रेस

जागरण, भोपाल। इंदौर नगर निगम की बजट बैठक में कांग्रेस की महिला पार्षदों द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के अपमान अब प्रदेश स्तर पर तनातनी की वजह बन गया है। जिलाध्यक्ष के प्रस्ताव के बाद भी दो दिन से मामले में चुप्पी साधकर बैठी प्रदेश कांग्रेस निशाने पर आ गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसे कांग्रेस का दोहरा चरित्र बताकर कठघरे में खड़ा कर दिया है। वहीं प्रदेश कांग्रेस अब भी इतिहास के सहारे अपने ऊपर लगे दाग को मिटाने की कोशिश में है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को मामले पर कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पर नाराजगी जताई। सुबह-सुबह आए सीएम के बयान से पूरे सूबे की राजनीति अचानक गरमा गई। दो दिन से अपने ही पाले में खेल रही कांग्रेस के नेता इतिहास के पन्ने पलटने में जुट गए। प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी एक बार फिर कार्रवाई को लेकर अगल-बगल की बातें करने लगे तो संगठन भी सौ साल पुरानी तस्वीर के सहार वंदे मातरम के अपमान से पल्ला झाड़ते नजर आए। बैठक के तत्काल बाद इंदौर शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे द्वारा भेजे गए कार्रवाई के प्रस्ताव पर भी प्रदेश संगठन दो दिन बाद भी कार्रवाई के सवालों के जवाब ही ढूंढ रहा है। इससे इंदौर से लेकर भोपाल तक कांग्रेस में ही खींचतान की स्थिति बन गई है। सूत्रों की मानें तो प्रदेश नेतृत्व ने अपने प्रवक्ताओं और मीडिया से जुड़े नेताओं को भी कुछ न बोलने की हिदायत दे डाली है। इस मुद्दे पर इलेक्ट्रानिक चैनलों पर होने वाली डिबेट से भी सभी को दूर रहने कहा है। इतना ही नहीं, किसी तरह की बाइट देने से भी रोक दिया गया है। प्रदेश नेतृत्व के इस रवैये से मची खींचतान के बीच राष्ट्रीय गीत और कांग्रेस का अपमान करने वाली महिला पार्षद आज भी बात पर कायम हैं और पार्टी की रीति-नीति को खुलकर कोस रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बताई बेशर्मी की हद

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस को इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस दोहरे चरित्र से बाहर नहीं निकल पा रही। महिला पार्षदों ने बेशर्मी की हद पार कर दी। कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ये लोग देश को कहां ले जाएंगे? देशभक्तों का और कितना अपमान करेंगे। हजारों देशभक्तों ने भारत माता की जय बोलते-बोलते प्राण त्याग दिए। मुझे इस बात का दुख और ग्लानि हो रही है।सीएम ने कहाकि प्रदेशाध्यक्ष पटवारी जो हर मामले पर बोलते हैं, वो अब इस पर क्यों नहीं बोल रहे। कांग्रेस की पार्षद की टिप्पणी पर उनका क्या कहना है?। अगर इस पर पटवारी और कांग्रेस नेता कोई कार्रवाई नहीं कर पाते, तो सभी को इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस नेताओं पर दोहरे चरित्र का आरोप लगाते हुए सीएम ने कहा, जब देखो तब कांग्रेसी भगवान राम की निंदा करते हैं, हिंदुओं का अपमान करते हैं।

हमें न बताएं राष्ट्र गान व गीत का महत्व -पटवारी: पीसीसी चीफ पटवारी का कहना है कि देश के संविधान में और कांग्रेस के संविधान में देश की आजादी की यात्रा में राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के महत्व को किसी को बताने या छिपाने की आवश्यकता नहीं हैं। कांग्रेस पार्टी के हर अधिवेशन में राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान का अपना महत्व है, हमें किसी से सर्टिफिकेट नहीं चाहिए। इस दौरान पटवारी कांग्रेस के अल्प संख्यक नेताओं का बचाव करने में भी पीछे नहीं रहे। कांग्रेस के किसी पार्षद ने कोई बात कही है तो वह बात भी पार्टी के संज्ञान में है, पार्टी जब निर्णय लेगी सबको बता देगी।

संगठन मान रहा अक्षम्य भाषा: इस मामले में संगठन ही प्रदेशाध्यक्ष से अलग भाषा बोल रहा है। प्रदेश के संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले दोनों पार्षदों की भाषा को दुर्भाग्यपूर्ण अक्षम्य मान रहे हैं। मगर कार्रवाई दिल्ली से होना है। इसलिए प्रदेश नेतृत्व दिल्ली दरबार की ओर देख रहा है। ऐसे में इंदौर के नेताओं की हालत सबसे ज्यादा खराब है। पार्टी को दुविधा में डालने वालीं पार्षद रुबीना खान और फौजिया शेख अभी भी पार्टी विरोध बयान से पीछे नहीं हैं।

बीजेपी एफआईआर की तैयारी में : भाजपा ने राष्ट्रीय गीत का अपमान करने वाली दोनों कांग्रेस पार्षदों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी शुरू कर दी है। वहीं भाजपा इंदौर शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पटवारी को पत्र लिखकर दोनों पार्षदों के निष्कासन की मांग की है। इंदौर के भाजपा विधायकों के अलावा हिंदू जागरण मंच भी मैदान में आ चुका है। मंच के संयोजक सुमित हार्डिया ने वंदे मातरम का अपमान करने वाली पार्षदों का मुंह काला करने वाले को 51 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। इससे मामले में गर्मागर्मी लगातार बढ़ती जा रही है।

यूसीसी से आदिवासियों की पहचान पर गंभीर खतरा

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने उठाए सवाल, मांगी संरक्षण की गारंटी

जागरण, भोपाल। समान नागरिक संहिता यूसीसी को लेकर मप्र में सुगबुगाहट बढ़ते ही कांग्रेस के नेता खुलकर सामने आ गए हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसे आदिवासियों की पहचान पर गहरा संकट बताया है। नेता प्रपिक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार यूसीसी को लेकर प्रदेश में भय फैलाया जा रहा है। इसे लागू करने से पहले सरकार को साफ करना चाहिए कि यह आदिवासियों पर लागू होगी या नहीं? नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने यूसीसी को देश और प्रदेश पर थोपने का आरोप लगाते हुए कहाकि संविधान के अनुच्छेद 44 में यूसीसी को 'राज्य के नीति निदेशक तत्व' में रखा गया था। इसके पीछे संविधान सभा की सोच यह थी कि विविधताओं वाले देश में इस विषय पर व्यापक सहमति जरूरी होगी। यह मार्गदर्शक सिद्धांत था, लेकिन बीजेपी सरकार इसे जल्दबाजी में बिना संवाद और बिना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के थोपना चाहती है। सिंघार का कहना है कि यूसीसी प्रदेश में आदिवासी समाज की पहचान, परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। सरकार को बताना चाहिए कि यूसीसी आदिवासियों पर लागू होगी? यदि नहीं, तो इसे लागू करने के पहले सरकार को इसके संरक्षण की गारंटी देना चाहिए? सदन में चर्चा के अलावा सभी धर्म, जनजातियों और अल्पसंख्यकों को साथ लेकर ही अगला कदम उठाना चाहिए। उन्होंने इसके संभावित खतरे बताते हुए मांग की है कि आदिवासी समाज को इस संहिता से बाहर रखा जाए और उनकी परंपराओं व अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। क्योंकि आदिवासी समाज की अपनी सामाजिक व्यवस्था, विवाह, उत्तराधिकार और भूमि से जुड़े रीति-रिवाज सदियों पुराने हैं। उन्होंने कहाकि यदि यूसीसी बिना छूट के लागू हुई, तो यह संविधान की भावना के खिलाफ होगा।

बीजेपी पर उठाए सीधे सवाल

नेता प्रतिपक्ष ने बीजेपी पर सीधा हमला करते हुए आरोप लगाया कि बिना विचार-विमर्श के कानून बनाना भाजपा में नया ट्रेंड बन गया है। यूसीसी पर भाजपा और उसकी सरकारों का यह तरीका अलोकतांत्रिक, असांप्रदायिक और असंवैधानिक है। यह जानबूझकर फैलाया गया भय है। मध्यप्रदेश में दिवाली तक यूसीसी लागू करने की घोषणा ने अलगाव का माहौल बना दिया है। जो अच्छा नहीं है। यह देश व प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता के लिए घातक साबित होगी।

कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के अधिकारों का विरोध किया

विसं, भोपाल। प्रदेश सरकार में मंत्री रहीं अर्चना चिटनीस ने आरोप लगाया है कि जब भी भाजपा की सरकारों ने महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें अधिकार देने का प्रयास किया, कांग्रेस ने उसका विरोध किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चाहे तीन तलाक कानून हो या अब नारी शक्ति वंदन अधिनियम हो, महिलाओं के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए चिटनीस ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश का भाग्य बदलने वाला कानून बनेगा। यह अधिनियम महिला सशक्तिकरण का स्वर्णिम अध्याय लिखेगा। आजादी के बाद से महिलाओं को देश की संसद और राच्यों की विधानसभाओं में आरक्षण दिए जाने की मांग समय-समय पर की जाती रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने कभी उन्हें हक दिलाने का वास्तविक प्रयास नहीं किया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में महिलाओं को संसद और राच्यों की विधानसभाओं में आरक्षण दिलाने का प्रयास किया गया, लेकिन तब विपक्षी दलों के विरोध के कारण बिल पास नहीं हो सका। अटल जी के समय महिला आरक्षण बिल का विरोध करने वाले सभी दल आज भी कांग्रेस के साथ खड़े हैं। कांग्रेस पार्टी की नीतियां कितनी महिला विरोधी हैं, इसका प्रमाण यह है कि शाहबानो मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय को कांग्रेस की तत्कालीन केंद्र सरकार ने संसद में कानून बनाकर पलट दिया था। चिटनीस ने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का कानून बनाकर भाजपा ने देश की आधी आबादी के प्रति अपने सम्मान और दृढ़ इच्छा शक्ति को प्रदर्शित किया है।

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त, पटवारी ने लगाए गंभीर आरोप

विसं, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। बड़े अस्पतालों में घूम रहे चूहे मरीजों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। प्रदेश में लापरवाही का खतरनाक सिलसिला चल रहा है, जिसकी कीमत आम जनता अपनी जान देकर चुका रही है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए पटवारी ने आरोप लगाया कि एक ओर जहरीले कफ सिरप के सेवन से करीब 25 लोगों की मौत ने दवा नियंत्रण व्यवस्था की पोल खोल दी है, वहीं दूसरी ओर हज़ारों करोड़ के बजट वाली इंदौर नगर निगम ने 35 लोगों को पानी में जहर देकर सरकारी हत्या कर दी और जिम्मेदारी से भागने के लिए पूरी भाजपा आज सांप्रदायिक रंग देकर प्रदेश की फिजा बिगाड़ने का काम कर रही है। इन दोनों घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार बुनियादी स्वास्थ्य सुरक्षा करने में विफल रही है। प्रदेश की जनता लगातार परेशान हो रही है। पटवारी ने कहा कि इन घटनाओं के बाद भी सरकार ने कोई सबक नहीं लिया, और अब भोपाल स्थित एम्स के नवजात गहन चिकित्सा इकाई में चूहों की मौजूदगी ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक कोई बड़ी दुर्घटना नहीं होती, तब तक प्रशासन हरकत में नहीं आता। पटवारी ने सरकार से सवाल किया, क्या मध्यप्रदेश की जनता की जान इतनी सस्ती हो गई है कि बार-बार की लापरवाही के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे?

आदेश कोर्ट की फटकार के बाद पीएचक्यू का फरमान, असंज्ञेय अपराधों में जारी होगा एनसीआर

जांच के नाम पर केस लटकाया तो अफसरों पर गिरेगी गाज, 14 दिन की डेडलाइन तय

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के पुलिस थानों में अब संज्ञेय (गंभीर) अपराध की शिकायतों को जांच के नाम पर लटकाना पुलिस अधिकारियों को भारी पड़ेगा। पुलिस मुख्यालय के अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने इस संबंध में नए आदेश जारी करते हुए साफ कर दिया है कि गंभीर अपराध की सूचना मिलते ही तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। हाल ही में एक मामले में पुलिस द्वारा बिना अपराध दर्ज किए लंबी विवेचना करने पर हाईकोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताते हुए पुलिस को जमकर फटकार लगाई थी। इसके साथ ही पीएचक्यू तक यह जानकारियां भी पहुंच रही थीं कि कई शिकायतों की जांच महीनों और वर्षों तक चलती रहती है और इसे निपटाने के नाम पर रिश्वत मांगी जाती है।

फैसला बना नजीर, 14 दिन की डेडलाइन तय

भोपाल और इंदौर के पुलिस कमिश्नरों के साथ सभी जिलों एवं जीआरपी यूनिट्स के एसपी को जारी आदेश में सुप्रीम कोर्ट के ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश मामले का हवाला दिया गया है। इस के मुताबिक हर गंभीर अपराध की सूचना मिलने पर एफआईआर तत्काल दर्ज करनी ही होगी, केवल अपवाद के तौर पर यह तय करने के लिए प्रारंभिक जांच की जा सकती है कि मामला संज्ञेय है या नहीं। इस जांच को भी अब हर हाल में 14 दिनों के भीतर पूरा करना ही होगा। इसके लिए भी थाने के स्टाफ को डीएसपी स्तर के अफसर से अनुमति लेनी होगी। आदेश में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए निर्देश जारी किए गए हैं कि केवल भ्रष्टाचार, पारिवारिक या वैवाहिक विवाद, वाणिज्यिक धोखाधड़ी और फर्जी जाति प्रमाण पत्र के जरिए लाभ लेने के मामलों में ही प्रारंभिक जांच की जा सकेगी।

हत्या, डकैती में बगैर जांच होगी एफआईआर

बीएनएसएस के तहत अपराधों को संज्ञेय (गंभीर) और असंज्ञेय (कम गंभीर) में बांटा गया है। संज्ञेय अपराध में हत्या, बलात्कार, अपहरण, डकैती, दहेज मृत्यु, मानव तस्करी और आतंकवादी कृत्य आते हैं और इन मामलों में पुलिस मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति या अदालती आदेश के बिना एफआईआर दर्ज कर अपराधी को बिना वारंट गिरफ्तार कर सकती है। वहीं, असंज्ञेय अपराध में मानहानि, चोट, अतिक्रमण, उपद्रव जैसे मामले शामिल हैं। इनमें पुलिस अदालत के निर्देश के बिना न तो एफआईआर दर्ज कर सकती है और न ही मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना जांच शुरू की जा सकती है। इन मामलों में गिरफ्तारी भी वारंट जारी होने के बाद ही की जा सकती है। पीएचक्यू ने साफ कर दिया है कि महिलाओं के खिलाफ लैंगिक अपराधों की सूचना पर पुलिस अधिकारी अगर तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं करता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

राजधानी का तापमान/मौसम

अधिकतम 34.0°c न्यूनतम 19.2°c

राजधानी में सर्दी का मौसम खत्म हो रहा है। तापमान बढ़ने की संभावना है

•11• राज्य •31• संस्करण मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित www.dainikjagranmpcg.com

नगर में आज

युवा संवाद
- स्थान: मैनिट
- समय: सुबह 10 बजे

एग्जिबिशन 2
- स्थान: ललित आर्ट गैलरी, रवीन्द्र भवन
- समय: 4 बजे से रात 9 बजे तक

पुस्तक चर्चा
- स्थान: दुष्यंत संग्रहालय
- समय: शाम 5:30 बजे से

चित्र प्रर्दशनी
- स्थान: लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
- समय: दोपहर 12 बजे से

दस नंबर मार्केट में नींबू पानी का ठेला हटाने के विरोध में व्यापारी ने खुद को लगाई आग

लोगों ने पानी डालकर बुझाई आग, हाथ, गर्दन व पेट झुलसा

अतिक्रमण हटाने पहुंचा था निगम का अमला, मची अफरा-तफरी

व्यापारी बोला-मुझे बच्चियां पालनी हैं, चोरी थोड़ी करूंगा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। दस नंबर मार्केट में अतिक्रमण हटाने के विरोध में एक व्यापारी ने खुद को आग लगा ली। इससे अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले आग उसे पूरी तरह से चपेट में लेती, आसपास के लोगों ने पानी डालकर उसे बुझा दिया। इससे युवक के दोनों हाथ, गर्दन और पेट झुलस गया। व्यापारी नींबू का ठेला लगाता है। उसका कहना है कि मुझे दो बच्ची पालनी हैं, चोरी थोड़ी करूंगा। नगर निगम का अमला यहां कार्रवाई करने पहुंचा था। इसके बाद अमला यहां से लौट गया। जानकारी के मुताबिक शनिवार शाम को नगर निगम का अमला अतिक्रमण हटाने के लिए 10 नंबर मार्केट पहुंचा था। टीम ने कार्रवाई शुरू की। एक-एक करके टीम अतिक्रमण हटा रही थी। टीम में अतिक्रमण प्रभारी श्रृष्टि भदौरिया भी मौजूद थीं। वे पार्किंग एरिया में पहुंचीं। जहां दुकानदार नींबू पानी का ठेला लगा रहा था। टीम ने उसके खिलाफ कार्रवाई की तो उसने नाराजगी जताई। इसके बाद खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। आग लगते ही भगदड़ मच गई। अफरा-तफरी के बीच स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग बुझाई। आग की वजह से व्यापारी के कपड़े जल गए। साथी उसे पास स्थित अस्पताल ले गए। जहां उसकी हालत ठीक बताई गई है।

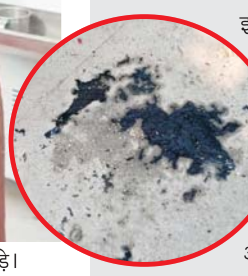

आग से झुलसा व्यापारी, इनसेट में जले कपड़े।

ननि की टीम पर दुकानदारों ने लगाए पक्षपात के आरोप

नगर निगम की टीम का कहना है कि पार्किंग एरिया में ठेला लगाकर नींबू पानी बेचा जा रहा था। दुकानदार को दस दिनों से बोला जा रहा था कि ठेला हटा लो, लेकिन वह बात नहीं सुन रहा था। शनिवार को टीम कार्रवाई करने पहुंची तो दुकानदार भड़क उठा। टीम पर दबाव बनाने के लिए उसने यह कदम उठाया। इधर, स्थानीय दुकानदारों ने पक्षपात के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि टीम कुछ ही दुकानों को चिन्हित कर कार्रवाई करती है। इससे नगर निगम की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।

न मोबाइल रिसीव, न शिकायत पहुंची

इस संबंध में अतिक्रमण प्रभारी श्रृष्टि भदौरिया से बात करना चाही, तो उन्होंने मोबाइल रिसीव नहीं किया। इधर, हबीबगंज थाना प्रभारी संजीव चौकसे का कहना है कि इस संबंध में किसी की ओर से कोई शिकायत नहीं की गई और न ही अस्पताल से सूचना आई।

नगर निगम से नहीं मिला अतिक्रमण अमला

हलालपुर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई थमी

जागरण संवाददाता, भोपाल। बड़े तालाब के कैचमेंट एरिया में मौजूद अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई लगातार नहीं चल पा रही है। शुक्रवार को हलालपुर क्षेत्र में चार अतिक्रमण हटाने के बाद शनिवार को शहर में कहीं भी कार्रवाई नहीं हुई। जिससे प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं कि प्रशासन कैचमेंट एरिया में अवैध निर्माण करने वाले रसूखदारों को बचा रहा है। शनिवार को बैरागढ नजूल अंतर्गत हलालपुर में में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होना थी। मामले में बैरागढ़ तहसीलदार हर्ष विक्रम सिंह का तर्क है कि शनिवार को निजी जमीनों पर चिन्हित अतिक्रमण हटाए जाने थे। लेकिन नगर निगम से अतिक्रमण अमला न मिलने के कारण कार्रवाई नहीं हो सकी। हालांकि जो भी अतिक्रमण तालाब के दायरे में चिन्हित किए गए हैं। उन सभी को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि बैरागढ़ नजूल में चिन्हित रसूखदारों के अतिक्रमण हटाए जाने हैं। इसे लेकर कार्रवाई की जाना है।

सोमवार को होगी अगली कार्रवाई

रविवार को भी बड़ी झील से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं होगी। एसडीएम अंकुर मेश्राम द्वारा जारी प्लान के अनुसार 12 और 13 अप्रैल को सेवनिया गोंड इलाके में अतिक्रमण हटाए जाने हैं, लेकिन तहसीलदार कुणाल राऊत के अनुसार सोमवार को टीटी नगर क्षेत्र में सेवनियां गोंड इलाके में चिन्हित अतिक्रमण हटाए जाएंगे। इसके लिए प्रशासन द्वारा पुलिस बल और नगर निगम का अतिक्रमण अमला मांगा गया है।

इन इलाकों में होनी है अतिक्रमण की कार्रवाई

13 अप्रैल :	सेवनियां गोंड (टीटी नगर)
15-16 अप्रैल :	बैरागढ़
17 अप्रैल :	हुजूर
18-19 :	टीटी नगर
20 अप्रैल :	बैरागढ़
21 अप्रैल :	हुजूर तहसील

संक्षिप्त खबरें

स्कूटी सवार युवक की सड़क हादसे में मौत

जागरण,भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में स्कूटी सवार युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 28 आरीफ खान कोलुआ कला गांव में रहता था। वह औद्योगिक क्षेत्र में स्थित फैक्ट्री में काम करता था। बीते रविवार रात को वह अपनी स्कूटी से घर जा रहा था। जहां बिजली कॉलोनी के पास स्कूटी से अनियंत्रित होकर गिर जाने से उसके सिर में गंभीर चोटें आई। सूचना पर परिजनों तुरंत उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। जहां शनिवार को युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

दान पेटी चोरी करने वाले चार गिरफ्तार

जागरण,भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र में मंदिरों का ताला तोड़कर चोरी करने वाले चार नाबालिगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी नशे की लत को पूरी करने के लिए मंदिरों में चोरी करते थे। उन्होंने दो अलग-अलग मंदिरों की दान पेटी चोरी कर घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने अनुसार तीन दिन पहले आनंद नगर स्थित दुर्गा मंदिर और गुप्ता कॉलोनी के राम मंदिर में रखी दान पेटी चोरी हो गई थी। जिसमें करीब 8 से 10 हजार रूपए रखे हुए थे। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज के जरिए पुलिस ने चार संदिग्ध नाबालिकों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उन्होंने उक्त चोरी की घटना को अंजाम देना कबूल किया। इस पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर बाल संप्रेषण गृह भेज दिया है। जबकि उनका एक साथी बंसी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस की उसकी तलाश कर रही है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर नाबालिग से की छेड़छाड़

जागरण, भोपाल। छोला मंदिर इलाके में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद युवक ने नाबालिग से छेड़छाड़ की। पुलिस के

अनुसार 17 वर्षीय आयशा यादव विद्या सागर धाम में रहती है। उसने हाल ही 12 वीं की परीक्षा दी है। चार महीने पहले इंस्टाग्राम के जरिए उसकी पहचान कुणाल लोखंडे नामक से युवक से हुई। दोनों के बीच हुई बातचीत जल्द ही दोस्ती में बदल गई। इस दौरान बुधवार को शाम 7 बजे युवक ने उसे भानपुर मल्टी के पास मिलने के लिए बुलाया। जहां उसने नाबालिग का हाथ पकड़कर उसके साथ छेड़छाड़ की। जिसके बाद युवक ने उसकी फोटो को वायरल करने की धमकी देकर डराने धमकाने लगा। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर नोटिस देकर छोड़ दिया है।

कारोबारी ने बड़े तालाब में कूदकर की खुदकुशी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बड़े तालाब में कूदकर एक कारोबारी ने खुदकुशी कर ली। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि लड़का गुस्सैल प्रवृत्ति का था। श्यामला हिल्स पुलिस के मुताबिक 32 वर्षीय राहुल पराडकर पिता नीलकंठ पराडकर शिखर एवेन्यू एयरपोर्ट रोड पर रहता था। वह अपने पिता के साथ हमीदिया रोड पर इलेक्ट्रानिक्स की दुकान पर बैठता था। दो साल पहले उसकी शादी हुई थी। शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे राहुल घर में मोबाइल छोड़कर गुस्से में एक्टिवा से निकला था। उसने दुकान पर जाने की बात कही थी। वह सीधे बोट क्लब होटल रंजीत के सामने पहुंचा और बड़े तालाब में छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उसके पिता भी पीछे-पीछे आ गए थे। कुछ देर बाद उसका शव मिला। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिलेंडरों से गैस चोरी मामला, लाइसेंस हो सकता है रद्द

जांच के घेरे में सैनी गैस एजेंसी संचालक और बालाजी ट्रांसपोर्ट

जागरण संवाददाता, भोपाल। आईओसीएल के बकानिया डिपो से मालीखेड़ी स्थित सैनी इंडेन गैस एजेंसी तक गैस का ट्रांसपोर्ट करने वाले बालाजी ट्रांसपोर्ट और सैनी इंडेन गैस एजेंसी के संचालक की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बता दें कि दो दिन पूर्व इमलिया इलाके से 342 गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक को खाद्य अमले ने पकड़ा था और 5 घंटे तक चली नापतौल विभाग की रेंडम जांच में 50 में से 27 गैस सिलेंडरों में एलपीजी कम निकली थी। साथ ही 5 सिलेंडर भी बिना सील के मिले थे। अब इस मामले में खाद्य विभाग ने डिपो से एजेंसी तक सिलेंडरों की सप्लाई कर रहे वाहन का रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और जीपीएस लोकेशन मांगी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ट्रांसपोर्टर ने किस स्थान पर वाहन को रोककर एलपीजी सिलेंडरों से गैस निकाली है। साथ ही विभाग ने सिलेंडरों का वजन होने वाली पर्ची की भी जांच करने की तैयारी की है, ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके। साथ ही इस पूरे मामले में सैनी गैस एजेंसी के संचालक की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। जांच में यदि गैस एजेंसी संचालक की भूमिका भी पता चलती है, तो उसका लाइसेंस भी निरस्त हो सकता है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अनुसार पूरे मामले की जांच के बाद संबंधित लोगों पर एफआईआर कराई जाएगी।

पहले भी एजेंसी संचालक पर हो चुकी है कार्रवाई

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को कहना है कि सैनी गैस एजेंसी के वाहन में पूर्व में भी एक बार जांच के दौरान एलपीजी सिलेंडरों से गैस कम निकलने पर प्रकरण बनाया गया था। मामले का प्रकरण बनाकर कलेक्टर न्यायालय में भी प्रस्तुत किया गया था। गैस एजेंसी संचालक को भी नोटिस जारी किया गया था। इस बार फिर से इसी तरह का मामला सामने आया है। इस आधार पर गैस एजेंसी संचालक का लाइसेंस निरस्त किया जा सकता है। यह अधिकार गैस वितरण करने वाली कंपनियों के पास सुरक्षित है।

13 घंटे तक कहां था ट्रक, इसी को लेकर चल रही जांच

बकानिया डिपो से मालीखेड़ी तक 342 सिलेंडरों का ट्रांसपोर्टेशन करने वाले बालाजी ट्रांसपोर्टर के ट्रक ड्राइवर मोहम्मद सिराज को 20 किमी का सफर तय करने में 13 घंटे का समय क्यों लगा? मुख्य जांच इसी को लेकर की जा रही है। साथ ही पूछताछ में यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह हेराफेरी कितनों दिनों से चल रही थी, क्योंकि बालाजी ट्रांसपोर्टर के पास ही शहर की विभिन्न गैस एजेंसियों तक सिलेंडरों की डिलीवरी करने का ठेका है। विभाग ने ट्रांसपोर्टर का रिकॉर्ड और इस पूरे रैकेट में शामिल लोगों की संलिप्तता पता करने के लिए भी जांच शुरू कर दी है।

> पूरे मामले में ऑयल कंपनी के डिपो से वाहन और ट्रांसपोर्टर का रिकॉर्ड मांगा गया है। ट्रक के जीपीएस लोकेशन की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इसके अलावा ट्रांसपोर्टर कहां कहां गैस की सप्लाई करता था। इसका भी रिकॉर्ड मांगा गया है।
>
> ■ **चंद्रभान सिंह जादौन**, फूड कंट्रोलर

हमीदिया में पीपीपी मोड पर चलेगी पेट सीटी स्कैन मशीन, कमला नेहरू की बिल्डिंग में होगी संचालित

प्रदेश में पांच मेडिकल कॉलेजों में एक साथ शुरू हो रही सर्विस, प्रदेश के डेढ़ लाख कैंसर मरीजों को मिलेगा इलाज

नगर संवाददाता, भोपाल। हमीदिया अस्पताल में जल्द ही कैंसर मरीजों की प्रारंभिक जांच का पता लगाने वाली पेट सीटी स्कैन मशीन की सुविधा शुरू होने वाली है। मप्र पब्लिक हेल्थ कॉरपोरेशन द्वारा इसके लिए टेंडर किए गए हैं। यह सुविधा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप यानि पीपीपी मोड पर रहेगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग से मिली जानकारी अनुसार सिर्फ हमीदिया ही नहीं बल्कि प्रदेश के पांच मेडिकल कॉलेजों में यह सुविधा आने वाली है। इसमें भोपाल के साथ इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और रीवा का नाम भी शामिल है। विभागीय स्तर पर टेंडर हो गए हैं, बताया जा रहा है कि साल के अंत तक सभी जगह पेट सीटी मशीन शुरू हो जाएगी।

बंकर के पास कमला नेहरू में होगी स्थापित: गांधी मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि हमीदिया अस्पताल परिसर में बंकर का निर्माण भी हो गया है। इस बंकर में लीनियर एस्केलेरेटर स्थापित किया जाएगा। यह बंकर 13 मंजिला नई

बिल्डिंग जिसमें सुलतानिया अस्पताल संचालित है उसके पास बनाया गया है। इसी बंकर से लगा हुआ कमला नेहरू अस्पताल है। इसलिए पेट सीटी मशीन को कमला नेहरू के बेसमेंट में संचालित किया जाएगा। क्योंकि दोनों जगह कैंसर मरीजों का आना जाना रहेगा, इसलिए मरीजों की सहूलियत को देखते हुए यह व्यवस्था की जा रही है। बंकर व पेट सीटी के स्थान को आपस में एक सेपरेट मार्ग के माध्यम से जोड़ा जाएगा।

इन पांच मेडिकल कॉलेजों में मिलेगी सुविधा

1. **भोपाल, गांधी मेडिकल कॉलेज:** हमीदिया अस्पताल के नए सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में पेट सीटी स्थापित करने के लिए हाल ही में टेंडर निकाला गया है। यहां मध्य प्रदेश का सबसे आधुनिक सरकारी कैंसर सेटअप तैयार किया जा रहा है।
2. **इंदौर, एमजीएम मेडिकल कॉलेज:** इंदौर के महाराजा यशवंतराव अस्पताल और उससे संबद्ध सुपर स्पेशियलिटी यूनिट के लिए भी प्रक्रिया पाइपलाइन में है। बड़ी संख्या में कैंसर मरीज आते हैं, जिसे देखते हुए प्राथमिकता पर रखा है।
3. **ग्वालियर, स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट:** ग्वालियर का स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट प्रदेश के उन चुनिंदा केंद्रों में से एक है जहाँ पेट सीटी के साथ-साथ लीनियर एक्सेलरेटर जैसी मशीनों के लिए भी टेंडर किए गए हैं। यहाँ न केवल मध्य प्रदेश, बल्कि उत्तर प्रदेश और राजस्थान के सीमावर्ती मरीज भी लाभान्वित होंगे।
4. **जबलपुर मेडिकल कॉलेज:** जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में भी कैंसर विंग और सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं के विस्तार के तहत मशीन को लगाने का प्रस्ताव है।
5. **रीवा, मेडिकल कॉलेज:** विंध्य क्षेत्र के मरीजों के लिए रीवा मेडिकल कॉलेज में भी उन्नत डायग्नोस्टिक सुविधाओं के लिए टेंडर प्रक्रिया की समीक्षा की गई है।

मरीजों को लाभ

आयुष्मान भारत योजना के पात्र मरीजों के लिए ये जांच पूरी तरह निशुल्क होगी, जबकि अन्य मरीजों के लिए बाजार से काफी कम दरों (सरकारी रेट) पर उपलब्ध होगी।

मशीन की क्षमता

ज्यादातर जगहों पर 128 स्लाइस या उससे अधिक क्षमता की मशीनों की मांग की गई है ताकि जांच की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की हो।

एसडीएम ने बैंक मैनेजर से की छेड़छाड़, केस दर्ज

जागरण,भोपाल। एमपीनगर थाना क्षेत्र में एसडीएम ने बैंक मैनेजर से छेड़छाड़ की। पुलिस के अनुसार 39 वर्षीय सीतू दुबे रुचि लाईफ जाटखेड़ी में रहती है। वह अरेरा हिल्स स्थित सेंट्रल बैंक में मैनेजर हैं। दिसंबर 2020 में शाहपुरा स्थित मकान में वह अपनी सहेली के साथ रहती थी। जहां उसके सहेली के रिश्तेदार संजय उपाध्याय से पहचान हुई। जो खुद को एसडीएम बताता है। आरोपी पिछले पांच सालों से उसे परेशान कर रहा था। हाल ही आरोपी कार से पीछा कर उसके ऑफिस तक पहुंचकर महिला की निजी जानकारी हासिल की। वहीं उसका बेटा सजल भी घर और अन्य जगहों पर पीछा कर उसके साथ गाली - गलौज कर भोपाल छोड़कर जाने की धमकी देने लगा। परेशान होकर महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

भोपाल में 2 डिग्री चढ़ा पारा, रतलाम में 40 पार

दिन के साथ रातों में भी गर्मी शुरू, 15 को नया सिस्टम

नगर संवाददाता, भोपाल। एमपी में आंधी-बारिश का दौर थमते ही गर्मी असर दिखाने लग गई है। शनिवार को ज्यादातर शहरों में दिन के पारे में 1 से 2.4 डिग्री तक की बढ़ोतरी हुई। इंदौर, ग्वालियर-उज्जैन में भी पारा चढ़ा, जबकि भोपाल, रतलाम में भी तापमान बढ़ गया। प्रदेश की राजधानी भोपाल में दिन का तापमान 2 डिग्री चढ़कर 36.8 पर पहुंच गया। जबकि रतलाम मप्र में सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां दिन का अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री दर्ज किया गया। इसके बाद नर्मदापुरम में 39 डिग्री पारा रहा। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, 15 अप्रैल को नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है, लेकिन यह कमजोर रहेगा। यानी, अब प्रदेश में तेज गर्मी वाला दौर ही रहेगा। गर्मी बढ़ने से लोग उससे बचने के तरीके भी तलाश रहे हैं। कोई मुंह पर कपड़ा बांधकर घर से बाहर निकल रहा है तो कोई गन्ने का ज्यूस, कोल्डिड्रंक्स, आइस्क्रीम का लुत्फ उठा रहा है। गर्मी का असर बढ़ते ही मौसम विभाग ने बचाव की एडवायजरी भी जारी की है। लोगों से कहा गया है कि वे दिनभर पर्याप्त पानी पिएं और शरीर को हाइड्रेट रखें। दोपहर के समय लंबे समय तक धूप में न रहे। हल्के वजन और रंग के सूती कपड़े पहनें। बच्चे और बुजुर्ग खासतौर पर ध्यान रखें।

बदलाव खरीदार रंग महल चौराहे से विशाल टेंट हाउस तक खड़े कर सकेंगे वाहन

न्यू मार्केट के बाहर फिर शुरू होगी पार्किंग

जागरण संवाददाता, भोपाल। रंगमहल चौराहे से विशाल टेंट हाउस तक दो साल से बंद पड़ी सराउंडिंग पार्किंग जल्दी ही शुरू की जाएगी। लेकिन व्यापारियों को अपने वाहन अभी भी मल्टी लेवल पार्किंग में ही खड़े करने होंगे। बता दें कि दो साल पहले पूर्व कलेक्टर आशीष सिंह ने शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए रंग महल चौराहे से विशाल टेंट हाउस तक की सराउंडिंग पार्किंग को बंद करवा दिया था, ताकि भीड़भाड़ के दौरान आम लोगों को बाजार तक पहुंचने में परेशानी का सामना न करना पड़े, लेकिन व्यापारियों का तर्क है कि इससे बाजार में खरीदारी करने के लिए आने वाले ग्राहकों को दो पहिया वाहन खड़े करने में परेशानी होती है, क्योंकि त्योहार के दिनों में रोजाना 25 से 30 हजार लोग खरीदारी करने के लिए न्यू मार्केट पहुंचते हैं। ऐसे में मल्टी लेवल पार्किंग भर जाने के बाद लोग वाहन खड़े करने के लिए परेशान होते हैं। जिसके कारण न्यू मार्केट व्यापारी संघ ने बैठक कर विधायक भगवानदास सबनानी को समस्या से अवगत कराया था। सबनानी ने पहल कर महापौर मालती राय को फिर से पार्किंग शुरू कराने के लिए कहा था, जिसके बाद फिर से पार्किंग शुरू कराई जा रही है।

मल्टीलेवल पार्किंग में 1 हजार दो पहिया की ही जगह

न्यू मार्केट ड्डिस्थत मल्टीलेवल पार्किंग में एक बार में केवल 1 हजार मोटर साइकिल ही खड़ी हो सकती हैं। त्योहार के दिनों में एक समय में दो से तीन हजार दो पहिया वाहन बाजार के आसपास मौजूद होते हैं। यह स्थिति सारा दिन बनी रहती है। इन्हें खड़े करने में लोगों को परेशानी होती है। ऐसे में सराउंडिंग पार्किंग से लोगों को दो पहिया वाहन खड़े करने के लिए जगह मिलेगी ओर लोगों के लिए खरीदारी आसान होगी।

न्यू मार्केट के पास चरमरा सकती है ट्रैफिक व्यवस्था

सराउंडिंग पार्किंग से भले ही ग्राहकों को लाभ हो, लेकिन इससे न्यू मार्केट के आसपास ट्रैफिक जाम की समस्या शुरू हो जाएगी। इसी समस्या के निदान के लिए 2023 में सर्वे के बाद कलेक्टर ने पार्किंग को बंद कराते हुए सड़क से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे, लेकिन लोगों की मांग के बाद एक बार फिर से इसी जगह पर पार्किंग शुरू कराई जा रही है। लेकिन सराउंडिंग पार्किंग शुरू हो जाने से सड़क पर ठेले और अवैध कब्जे बढ़ सकते हैं, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ सकता है। कई बार वाहनों की संख्या बढ़ने पर सड़क तक दो पहिया वाहन खड़े हो जाते हैं। इससे ट्रैफिक जाम होता है और चार पहिया वाहनों को मल्टी लेवल पार्किंग तक पहुंचने में परेशानी होती है।

> व्यापारियों की मांग पर न्यू मार्केट को आइडियल कमर्शियल जोन बनाने के लिए दो पहिया वाहनों के लिए सराउंडिंग पार्किंग शुरू की जा रही है। इससे बाजार आने वाले ग्राहकों को वाहन खड़े करने के लिए पर्याप्त स्थान मिल सकेगा।
>
> ■ **भगवानदास सबनानी,** विधायक, दक्षिण पश्चिम

गार्ड की नौकरी दिलाने के नाम पर दर्जनभर लोगों से धोखाधड़ी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। एमपी नगर इलाके में सिक्यूरिटी गार्ड की नौकरी दिलाने के नाम पर दर्जनभर लोगों से ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पीड़ित से हजारों रुपए ऐंठ लिए। बाद में न तो उन्हें नौकरी मिली और न ही उनकी रकम लौटाई। पुलिस ने जांच के बाद महिला समेत अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकी है। एमपी नगर थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा के मुताबिक, धोखाधड़ी के संबंध में गौरीशंकर परिसर कटारा हिल्स निवासी नेहा यादव समेत दर्जनभर लोगों ने फरवरी माह में शिकायत की थी। आवेदन में बताया कि एमपी नगर जोन-वन स्थित एएनएसईसी सिक्यूरिटी सर्विसेस प्रालि का दफ्तर है। कंपनी में संचालक रीतू एवं आलोक श्रीवास्तव हैं। यहां अन्य लोग भी काम करते थे। जनवरी 2026 में कंपनी ने सिक्टूरिटी गार्ड की नौकरी के लिए आवेदन बुलवाए थे। नेहा समेत अन्य लोगों ने फार्म भरे। उनसे रजिस्ट्रेशन फीस के बाद ट्रेनिंग के नाम पर पैसे लिए गए। लेकिन बाद में उनकी नौकरी नहीं लगी। जब पीड़ितों ने विरोध कर अपने पैसे मांगे तो आरोपी आनाकानी करते रहे। बाद में मोबाइल बंद कर भाग गए। थक-हारकर पीड़िता समेत अन्य ने फरवरी माह में इसकी शिकायत पुलिस से की थी। पुलिस ने आवेदन की जांच के बाद शुक्रवार को आरोपी रीतू, आलोक श्रीवास्तव समेत अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

हजारों रुपए वसूलने का आरोप, आवेदन की जांच के बाद एफआईआर

संक्षिप्त खबरें

भावी वधुओं को पाल समाज ने मांगलिक सामग्री का किया वितरण

भोपाल। अखिल भारतीय पाल महासभा के तत्वावधान में 45वें वर्ष सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन अक्षय तृतीया पर 19 अप्रैल को राजधानी स्थित बिट्टन मार्केट दशहरा मैदान में किया जाएगा। इसी सिलसिले में राजधानी में पाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैतान सिंह पाल ने सम्मेलन में हिस्सा लेने वाली 51 भावी वधुओं को लहंगा, चुनरी एवं श्रृंगार की अन्य सामग्री का शगुन वितरित किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय पाल महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारी गेंदालाल पाल, फूल सिंह धनगर, भारत सिंह पाल, धर्मेंद्र सिंह पाल, जितेन्द्र सिंह पाल, मलखान सिंह पाल एवं अवधनारायण पाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। आयोजकों ने अभिभावकों से अनुरोध किया है कि वे बारात लेकर दोपहर तीन बजे तक शाहपुरा स्थित शैतान सिंह पाल मार्केट में अवश्य पहुंच जाएं।

भानपुर, भदभदा और रायसेन रोड सहित कई इलाकों में आज बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। रविवार को शहर के कई इलाकों में बिजली कटौती की जाएगी। मंजीत इंडस्ट्री, स्वास्तिक रबर, फिटवेल कारपोरेशन, विश्वकर्मा फेब्रीकेशन, बीएल इंटरप्राइजेस व आसपास के इलाकों में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक कंडक्टर शिफ्टिंग कार्य के चलते बिजली सप्लाई बंद रहेगी। वहीं एनएचएआई लाइन शिफ्टिंग कार्य के चलते ईरानी बस्ती, भानपुर, भानपुर चौराहा, लीलाधर कालोनी, जवाहर कालोनी, शिव नगर फेस-3 और फेस-4, पुराना हिंदुस्तान पेट्रोलियम डिपो व आसपास के रहवासी इलाके, मालीखेड़ी, शबरी नगर, पिपलिया बाज खा, विजय नगर, पटेल नगर व आसपास के अन्य इलाकों में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। चंबल, गोविंदपुरा बिजली कार्यालय, बिजली नगर कैंपस, न्यू सुभाष नगर, अर्जुन नगर, वरेण्यम मोटर्स, चंबल कालोनी, यलगार प्रेस, बागदिलकुशा, पुल बोगदा व आसपास के इलाकों में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। स्मार्ट रोड स्थित स्काउट एंड गाइड बिल्डिंग, रंगश्री लिटिल बैले ट्रुप, टीटीटीआई कैंपस, प्रोफेसर कालोनी, सर्किट हाउस, एमएलबी गर्ल्स हास्टल, एमएलबी सीवेज हाउस व आसपास के इलाकों में दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी।

एनएसई ने शुरू किया नैनोसेकंड स्तर पर ऑर्डर एक्नॉलेजमेंट

भोपाल। वॉल्यूम के आधार पर दुनिया के सबसे बड़े डेरिवेटिव्स एक्सचेंज, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने 11 अप्रैल, 2026 से करंसी डेरिवेटिव्स, कमोडिटी डेरिवेटिव्स, कैश (कैपिटल मार्केट) और इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में अपना इमीडिएट एक्नॉलेजमेंट फीचर लागू कर दिया है। इसके जरिए अब ऑर्डर का एक्नॉलेजमेंट नैनोसेकंड में मिल रहा है, जो पहले के लगभग 100 माइक्रोसेकंड के सिस्टम रिस्पॉन्स टाइम से काफी तेज है। यह उपलब्धि एनएसई के ट्रेडिंग सिस्टम में एक बड़ा और अहम् सुधार दर्शाती है, जो भारत को ग्लोबल एक्सचेंज टेक्नोलॉजी में और मजबूत बनाती है। साथ ही, यह एक्सचेंज की पारदर्शी, तेज और विश्वस्तरीय कैपिटल मार्केट सिस्टम बनाने की प्रतिबद्धता को भी आगे बढ़ाती है।

रानी दुल्लैया स्मृति होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज में मना होम्यो सप्ताह

भोपाल। राष्ट्रीय होम्योपैथिक आयोग नई दिल्ली के द्वारा दिए गए निर्देशानुसार रानी दुल्लैया स्मृति होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में होम्यो सप्ताह दिनांक 1 से 7 अप्रैल 2026 तक मनाया गया एवं इसका समापन 10 अप्रैल 2026 को विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर डॉक्टर सैमुअल हैनीमैन की 271 वी जयंती के रूप में किया गया। 1 से 7 अप्रैल तक आयोजित किए गए कार्यक्रम विषय जैसे वाद-विवाद प्रतियोगिता, चार्ट मॉडल प्रदर्शनी, शहरी स्वास्थ्य शिविर, स्थानीय क्षेत्र में होम्योपैथी की जन जागरूकता हेतु पदयात्रा, लघु व्याख्यान, विशेषज्ञ वार्ता, केस हाइलाइट्स, वैज्ञानिक पत्र प्रस्तुति, होमियोपैथी के इतिहास पर सेलिब्रेटिंग लीजेंड्स ऑफ होमियोपैथी का नाटकीय मंचन, होम्यो हिस्ट्री टेकिंग एवं मैटेरिया मेडिका लाइव अभिनय कार्यक्रम विभिन्न विद्यार्थियों द्वारा किए गए। समापन 10 अप्रैल को महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित होम्यो धारा मैगजीन एवं यूट्यूब चैनल को लॉन्च कर किया गया।

एलएनसीटी कॉलेज में अहेड. एआई प्लेटफॉर्म का किया गया शुभारंभ

भोपाल। एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस और एलएनसीटी यूनिवर्सिटी द्वारा आज एक भव्य कार्यक्रम में अहेड.एआई प्लेटफॉर्म का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के आर्यभट्ट ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। AHEAD' (Aheadd.ai) को प्रत्येक भारतीय के लिए एक करियर कंपैनियन के रूप में पेश किया गया है। यह क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का उपयोग कर छात्रों और पेशेवरों को उनके करियर संबंधी निर्णय लेने में मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

राशिद नूर कांग्रेस वन एवं पर्यावरण प्रकोष्ठ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

जागरण संवाददाता, भोपाल। जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा को लेकर आवाज उठाने वाले पर्यावरणविद् राशिद नूर खान को मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा कांग्रेस वन एवं पर्यावरण प्रकोष्ठ का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राशिद की नियुक्ति संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले द्वारा की गई है। राशिद एनएसयूआई से जुड़कर छात्र राजनीति में सक्रिय हो गए थे। उन्होंने भोपाल के बड़े तालाब में निर्माणाधीन फ्लोटिंग रेस्टोरेंट, केरवा और कलियासोत में बाघों के आवास को उजाड़ने, कलियासोत नदी में किए जा रहे जल प्रदूषण, केरवा डैम के कैचमेंट में हो रहे अवैध निर्माण सहित अन्य कई मामलों में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में याचिकाएं दायर कर अनियमितताएं उजागर कीं और पर्यावरण का संरक्षण किया।

एम्स में नैनोथैरेपी की खोज, कैंसर का पता लगाने में कारगर

कैंसर मरीजों को मिलेगी राहत: ब्रेस्ट व लिवर कैंसर का चलेगा आसानी से पता, साइड इफेक्ट की संभावना न के बराबर

नगर संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल के चिकित्सकों ने कैंसर जांच के लिए नैनोथैरेपी पद्धति विकसित कर ली है। इसमें कुछ मिनटों में यह पता लगाया जा सकेगा कि शरीर के किस हिस्से में कैंसर है। एम्स से मिली जानकारी अनुसार भोपाल में शोधकर्ता ने कैंसर का नया इलाज खोजा है। एम्स के बायोकैमिस्ट्री विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. सुखेस मुखर्जी ने एक नई नैनो तकनीक विकसित की है। यह नैनोकण (इंसानी बाल से हजारों गुना छोटे) शरीर में छुपकर ट्यूमर तक पहुंचते हैं। फिर यह तब तक निष्क्रिय रहता है, जब तक इसे कैंसर सेल्स पर हमला करने का संकेत नहीं मिलता है। संस्थान की तरफ से दावा किया गया है कि जैसे ही इस कण पर लाल रोशनी डाली जाती है, यह सक्रिय होकर कैंसर कोशिकाओं पर हमला शुरू कर देता है। वहीं, अंधेरा होते ही दोबारा निष्क्रिय हो जाता है। यह तकनीक स्तन और लिवर कैंसर में अब तक की रिसर्च में प्रभावी पाई गई है। इस तकनीक की विश्वसनीयता इसलिए भी बढ़ गई है, क्यों कि इसे अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'डॉल्टन ट्रांजैक्शंस' में प्रकाशित किया गया है।

रेड लाइट का संपर्क करता है एक्टिव: इस तकनीक में लाल रोशनी का उपयोग इसलिए किया गया है, क्योंकि यह शरीर के अंदर गहराई तक पहुंच सकती है। जैसे ही रोशनी नैनोकण पर पड़ती है, यह दो तरह के कैंसर-रोधी तत्व छोड़ता है। इसमें सिंगलेट ऑक्सीजन और कार्बन मोनोऑक्साइड शामिल है। ये दोनों मिलकर कैंसर कोशिकाओं को तेजी से नष्ट करते हैं। इसे डुअल अटैक तकनीक नाम दिया जा रहा है।

ब्रेस्ट व लिवर पर किया गया शोध

शोध के दौरान यह तकनीक स्तन (ब्रेस्ट) और यकृत (लिवर) कैंसर कोशिकाओं पर आजमाई गई। परिणामों में पाया गया कि यह नैनोकण कैंसर सेल्स को प्रभावी तरीके से खत्म करने में सक्षम है। इससे उम्मीद है कि आने वाले समय में यह तकनीक बड़े स्तर पर कैंसर मरीजों के इलाज में इस्तेमाल हो सकती है। इस तकनीक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह केवल रोशनी मिलने पर ही सक्रिय होती है। यदि यह कण शरीर के बाकी हिस्सों में पहुंच जाए तो कोई असर नहीं पड़ता। डॉक्टर तय स्थान पर इन कण को पहुंचाने और पुष्टि होने के बाद रेड लाइट को इन पर डालते हैं। जिससे सिर्फ कैंसर सेल्स को नुकसान पहुंचाएं।

समझें क्या हैं नैनोकण: नैनोकण बहुत छोटे कण होते हैं, जिनका आकार इंसानी बाल से हजारों गुना छोटा होता है। इन्हें खास तरीके से तैयार किया जाता है, ताकि यह शरीर के अंदर जाकर किसी खास हिस्से तक पहुंच सकें। कैंसर इलाज में नैनोकण का उपयोग इसलिए बढ़ रहा है, क्योंकि यह सीधे ट्यूमर तक दवा पहुंचाने में मदद करता है। इससे शरीर के बाकी हिस्सों पर कम असर पड़ता है और इलाज ज्यादा सटीक होता है।

बायोप्सी टेस्ट करता है कैंसर की सटीक पहचान, लक्षणों का न करें इंतजार

नगर संवाददाता, भोपाल। अब कैंसर की पहचान के लिए लक्षणों का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। बल्कि आधुनिक तकनीकों की मदद से छिपी हुई बीमारी को शुरुआती चरण में ही पहचाना जा सकता है। भोपाल के गांधी मेडिकल कालेज में शनिवार को आयोजित सीएमई में देशभर के विशेषज्ञों ने कैंसर की बढ़ती चुनौतियों, उसके कारणों, समय पर जांच और लिक्विड बायोप्सी जैसी नई तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। विशेषज्ञों का मानना है कि जागरूकता, नियमित जांच और नई तकनीकें मिलकर कैंसर से लड़ाई को आसान बना सकती हैं।

शादी में देरी भी बन रही बीमारी का कारण: गांधी मेडिकल कालेज के मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डा. वंदना शर्मा ने बताया कि कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके पीछे शहरीकरण, बदलती जीवनशैली, देर से शादी, हार्मोनल बदलाव और संक्रमण जैसे कई कारण जिम्मेदार हैं। ह्यूमन पैपिलोमा वायरस सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है, जबकि तंबाकू सेवन से ओरल कैंसर तेजी से बढ़ रहा है। इसके अलावा फेफड़े, प्रोस्टेट और कोलोरेक्टल कैंसर के मामले भी बढ़ रहे हैं।

लिक्विड बायोप्सी, बिना दर्द के शुरुआती पहचान

जीएमसी भोपाल में आयोजित सीएमई में लिक्विड बायोप्सी को लेकर खास चर्चा हुई। इस तकनीक में मरीज के खून की जांच करके कैंसर के शुरुआती संकेतों को पहचाना जा सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि कैंसर सेल्स खून में कुछ बायोमार्कर्स छोड़ती हैं, जिन्हें जांच के जरिए पकड़ा जा सकता है। इससे बीमारी का पता रेडियोलाजिकल जांच से पहले ही लगाया जा सकता है। फिलहाल यह सुविधा बड़े शहरों में ज्यादा उपलब्ध है, लेकिन भोपाल में भी इसे शुरू करने की कोशिश की जा रही है। सीएमई की आर्गनाइजिंग सचिव और बायोकेमिस्ट्री विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुराधा राठौर जैन ने कहा कि कैंसर के शुरुआती लक्षण अक्सर स्पष्ट नहीं होते। इसलिए 35-40 साल की उम्र के बाद नियमित जांच बेहद जरूरी है। समय-समय पर ब्लड टेस्ट, अल्ट्रासाउंड और अन्य स्क्रीनिंग कराने से बीमारी को शुरुआती अवस्था में पकड़ा जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि महिलाओं के लिए पैप स्मीयर, मैमोग्राफी और अन्य जांचें बेहद महत्वपूर्ण हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

भोपाल-रामगंज मंडी रेल लाइन का 67 फीसदी काम पूरा, अगले साल तक दौड़ने लगेगी ट्रेन

देरी के कारण 1 हजार करोड़ बढ़ी परियोजना की लागत, कोटा के मुकाबले भोपाल मंडल में काम की धीमी रफ्तार

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल से रामगंज मंडी के बीच बिछाई जा रही नई रेल लाइन का काम अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। कुल 276 किलोमीटर के इस प्रोजेक्ट में अब तक 187 किमी का रेलखंड बिछा दिया गया है। यानि 67 फीसदी काम पूरा हो चुका है। शेष बचा 33 किमी का काम वर्ष 2027 तक पूरा करने की डेडलाइन तय की गई है। भोपाल रेल मंडल से मिली जानकारी अनुसार मप्र एवं राजस्थान को सीधे रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली भोपाल-रामगंज मंडी नई रेल लाइन परियोजना कुल 276 किलोमीटर लंबी है, जिसकी अनुमानित कुल लागत 3,035 करोड़ है। इस नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत कुल 27 स्टेशन हैं, जिनमें रामगंज मंडी, जुल्मी, झालावाड़, झालरापाटन, जूनाखेड़ा, अमेठा, अकलेरा, पचोला, घटोली, नयागांव, भोजपुर, देवपुरा, खिलचीपुर, राजगढ़, नरसिंहपुर, ब्यावरा, पीपलखेड़ा, सोनकच्छ, नरसिंहगढ़, जमुनियागंज, कुरावर, श्यामपुर, दुराहा, जरखेड़ा, मुगलियाहाट, संत हिरदाराम नगर एवं निशातपुरा डी केबिन शामिल हैं।

111 किमी का काम भोपाल के पास

इस परियोजना के अंतर्गत कुल 276 किलोमीटर में से निशातपुरा डी केबिन से ब्यावरा तक 111 किलोमीटर का रेलखंड भोपाल के अधीन आता है, शेष रामगंजमंडी से नरसिंहपुर तक 165 किलोमीटर का खंड कोटा मंडल के अधीन आता है। इस परियोजना में कुल 4 टनल, 4 महत्वपूर्ण ब्रिज, 34 मुख्य ब्रिज एवं 171 अंडरपास शामिल है। भोपाल-रामगंजमंडी के 276 किलोमीटर की नई रेल लाइन परियोजना में अबतक 187 किलोमीटर का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें भोपाल मंडल में निशातपुरा डी केबिन से श्यामपुर 42 किमी एवं कोटा मंडल में 145 किमी रामगंजमंडी से राजगढ़ तक का कार्य पूर्ण हो चूका है। शेष 89 किलोमीटर का कार्य (कुरावर-श्यामपुर, सोनकच्छ-नरसिंहगढ़, ब्यावरा-सोनकच्छ) वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूरा करने का लक्ष्य है।

500 करोड़ से 3000 करोड़ पहुंची लागत

2001 के रेल बजट में इस परियोजना की घोषणा की गई थी। तब प्रोजेक्ट के लिए करीब 500 करोड़ रुपए बजट का ऐलान किया गया था। प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए डेडलाइन 2012 तय की गई थी। लेकिन समय बढ़ता गया और समय के साथ परियोजना की लागत भी। अब रेल मंत्रालय ने इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए 2027 की डेडलाइन तय की है, जबकि बजट बढ़कर 3000 करोड़ तक पहुंच गया है।

परियोजना की विशेषताएं

- परियोजना मध्यप्रदेश एवं राजस्थान दो राज्यों के 5 जिलों (कोटा, झालावाड़, राजगढ़, सीहोर एवं भोपाल) को प्रत्यक्ष रूप से जोड़ती है।
- राजस्थान के झालावाड़ स्थित कालीसिंध थर्मल पावर प्लांट के लिए कोयले की ढुलाई में यह मार्ग अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। वर्तमान में प्रयुक्त रूठियाई-ब्यावरा-झालावाड़ (215 किमी) मार्ग की तुलना में यह नया मार्ग 42 किलोमीटर कम होगा।
- रूठियाई-कोटा-रामगंज मंडी- झालावाड़ (257 किमी) मार्ग के माध्यम से जयपुर से दक्षिण भारत की ओर चलने वाली मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का रूट लगभग 115 किलोमीटर कम हो जाएगा, जिससे यात्रा समय में लगभग 3 घंटे की बचत होगी।
- इस परियोजना से मध्यप्रदेश के आंतरिक जिलों-जैसे शाजापुर, राजगढ़, गुना आदि की आबादी को सीधे राज्य की राजधानी भोपाल से जोड़कर क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को सशक्त आधार मिलेगा।

> परियोजना के पूर्ण होने से यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी, माल परिवहन में सुविधा तथा क्षेत्र में रोजगार एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।
> ■ **सौरभ कटारिया**, सीनियर डीसीएम, भोपाल रेल मंडल

फार्म हाउस के गेट पर मिली किसान की लाश, पास पड़ी थी बाइक

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। परवलिया इलाके में स्थित विरासत रिसोर्ट (फार्म हाउस) के गेट के सामने एक किसान की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। शव के पास ही उसकी बाइक पड़ी थी। मृतक के शरीर पर जाहिरा चोट नहीं थी। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम कराया। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 23 वर्षीय आकाश गुर्जर ग्राम तिंसाई तहसील दौराहा जिला सीहोर में अपने मामा के घर पर रहता था। उसके पिता की पूर्व में मौत हो चुकी है। आकाश खेती किसानी करता था। वह शुक्रवार दोपहर घर से करोंद जाने का बोलकर निकला था। शनिवार सुबह सात बजे पुलिस को सूचना मिली कि बगौनिया रोड तारासेवनिया स्थित विरासत रिसोर्ट के गेट के सामने एक युवक की लाश पड़ी है। पास ही उसकी बाइक पड़ी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के पास मिले मोबाइल के आधार पर उसकी पहचान आकाश के रूप में हुई। घटनास्थल से आठ किमी दूर उसका घर था। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने हार्ट अटैक की आशंका जताई है।

सहकारिता सहित भाजपा के चार प्रकोष्ठों को मिले नए मुखिया

जागरण, भोपाल। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को सहकारिता, पूर्व सैनिक, सांस्कृतिक और निःशक्तजन कल्याण प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक घोषित कर दिए हैं। प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल द्वारा सहकारिता प्रकोठ में उज्जैन के किशन सिंह भटोल, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ में भोपाल के कर्नल ईशान आर, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ में उज्जैन के कपिल यार्दे और जबलपुर के संदीप रजक को निःशक्तजन कल्याण प्रकोष्ठ का प्रदेश संयोजक बनाया गया है।

क्षत्राणी महिला क्लब का गणगौर थीम पर आयोजन

जागरण, भोपाल। क्षत्राणी महिला क्लब ने इस बार गणगौर थीम पर अपना क्लब आयोजित किया जिसमें सबने साथ मिलकर घूमर करके लोक संस्कृति के इस पर्व को मनाया। इसकी खास बात ये रही कि सास के साथ बहुओं ने भी आकर इस स्नेहिल मिलन को यादगार बनाया । कई गेम खिलाए गए जिसने रीना सिसोदिया ऋचा और कोमल को इनाम दिया गया । क्लब को वीणा परमार और जया सिंह ने होस्ट किया।

शराब दुकानों से ठेकेदारों की दूरी, 267 शेष दुकानों की रिजर्व प्राइज 40 फीसदी घटाई

18वें राउंड में आबकारी झोंकेगा ताकत, सोमवार को खुलेंगे टेंडर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में शराब की दुकानों के आवंटन को लेकर आबकारी विभाग और ठेकेदारों के बीच खींचतान थमने का नाम नहीं ले रही है। वर्ष 2026-27 के वित्त वर्ष में 17 राउंड के बाद भी बची हुई 267 दुकानों को नीलाम करने के लिए रिजर्व प्राइस में कटौती की सीमा 35 से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दी है। विभाग को उम्मीद है कि इस छूट के बाद ठेकेदार अब वाइन शॉप का ठेका लेने के लिए आगे आएंगे। दरअसल, सरकार ने इस वित्त वर्ष के लिए शराब ठेकों के वार्षिक मूल्य में 20 फीसदी की ब?ोतरी की थी। अब तक 3553 शराब दुकानों की 17 राउंड की नीलामी हो चुकी है। इसके बाद भी 267 दुकानें बच गई हैं। बाजार की भाषा में इन्हें घाटे वाली दुकानें माना जा रहा है।

फैक्ट फाइल

कुल दुकानें	3553
बिकी दुकानें	3286
शेष दुकानें	267

- पिछले साल का रेवेन्यू 16,627 करोड़
- इस साल का टारगेट 19,952 करोड़
- अब तक मिला रेवेन्यू 17,435.3 करोड़

टारगेट से पीछे 1,345 करोड़

आरक्षित मूल्य में 35 फीसदी कटौती के बाद भी बच गई दुकानें

एक अप्रैल से नए ठेके शुरू होने के बावजूद प्रदेश की 267 दुकानों को अब भी ठेकेदारों का इंतजार है। आलम यह है कि रिजर्व प्राइस (आरपी) में 35 प्रतिशत तक की कटौती किए जाने के बाद भी शराब कारोबारी दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। 16वें और 17वें राउंड में कुल 384 दुकानों की ईटेंडर के जरिए नीलामी की गई थी, लेकिन इनमें से केवल 117 दुकानें ही नीलाम हो पाईं। शुक्रवार को हुए 17वें राउंड में तो महज 25 दुकानें ही 106 करोड़ रुपये में उठी हैं, जबकि इनकी रिजर्व प्राइज 162.21 करोड़ थी। ऐसे में जिन दुकानों के ठेके नहीं हो पाए, उनका संचालन वर्तमान में आबकारी विभाग के अमले को करना पड़ रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लक्ष्य को पूरा करने के लिए आबकारी अधिकारी 267 दुकानों के लिए अब बड़े ठेकेदारों को मनाने में जुटे हुए हैं। इनमें भोपाल की भी 6 दुकानें शामिल हैं।

सीएम हाउस के पास डॉक्टर से लूट करने वालों का 36 घंटे बाद भी नहीं लगा सुराग

जोन-थ्री के साथ क्राइम ब्रांच पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी, मुखबिर तंत्र फैल

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। सीएम हाउस के पास दिनदहाड़े डॉक्टर मनोज वर्मा से लूट के आरोपियों का 36 घंटे बाद भी सुराग नहीं लगा है। आरोपियों की तलाश में श्यामला हिल्स थाना पुलिस समेत जोन-थ्री और क्राइम ब्रांच पुलिस जुटी है। सभी के मुखबिर तंत्र फैल हो गए। सीसीटीवी फुटेज से भी पुलिस आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी है। हालांकि सूत्रों की माने तो 2-3 संदेहियों से पूछताछ जारी है। लुटेरे काजी कैंप के बताए जा रहे हैं। लेकिन कोई भी अधिकारी इसकी पुष्टि नहीं कर रहा है। बीट सिस्टम पर भी सवाल उठ रहे हैं। दिन के समय लूट होना श्यामला हिल्स पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। इस मामले में अफसरों ने भी किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की है और न ही किसी पुलिसकर्मी को थाने से हटाया है। यहीं वजह से लूट की घटनाएं एक बार फिर से राजधानी में बढ़ी हैं। डॉक्टर से लूट के दो दिन पहले हबीबगंज में दस मिनट के अंदर दो लूट हुई थी। श्यामला हिल्स पुलिस के मुताबिक, प्रोफेसर कॉलोनी निवासी 50 वर्षीय डॉक्टर मनोज वर्मा रोजाना की तरह शुक्रवार को साइकिलिंग करने के लिए निकले थे। सुबह करीब 10 बजे वह किलोल पार्क से दानिश आइसक्रीम पार्लर के बीच पहुंचे थे कि पीछे से आए बाइक सवार लुटेरे ने उन्हें टक्कर मार दी थी। डॉक्टर जब तक संभल पाते उससे पहले सामने से दो अन्य आरोपियों ने उनकी आंख में मिर्च झोंक दी। इससे डॉक्टर को दिखना बंद हो गया। उन्होंने मदद के लिए चीख-पुकार की, लेकिन जब तक आरोपियों ने उनके हाथ से स्मार्ट वॉच, नकदी ढाई हजार रुपए और हाथ से सोने का 11 तोला वजनी कड़ा छीन लिया था। इस बीच डॉक्टर ने विरोध किया तो एक आरोपी ने उनकी गर्दन पर चाकू अड़ा दिया और जान से मारने की धमकी दी।

सुबह के समय पुलिस नदारद: इस पूरी घटना को देखकर लगता है कि बदमाशों ने पुलिस को जरा भी खौफ नहीं था। सुबह के समय पुलिस नदारद थी इसका फायदा उन्होंने उठाया और सरेराह लूट करके फरार हो गए। पुलिस ने उनके भागने की रूट मैप तैयार किया। लेकिन कुछ हासिल नहीं हुआ।

बारिश से सिकुड़ गया गेहूं का दाना, केंद्र की टीम ने किया निरीक्षण

जागरण संवाददाता, भोपाल। शनिवार को गेहूं की खरीदी की जांच करने एक केंद्र सरकार का एक दल भोपाल पहुंचा। दल ने मुगालिया कोट स्थित स्टील साइलो, निपानिया स्थित सुविधा वेयर हाउस और आर्य वेयर हाउस खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान दल को उपार्जन केंद्रों पर गेहूं का दाना सिकुड़ा हुआ मिला। दरअसल फसल की कटाई के पहले अचानक हुई आंधी-बारिश के कारण दाना सिकुड़ गया है। जांच के बाद दल यह रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजेगा। दरअसल पिछले कुछ सालों में मौसम में आए अचानक परिवर्तन के चलते बड़े पैमाने पर फसलें खराब होने लगी हैं। वहीं केंद्र को भेजी रिपोर्ट से फसलों को हुए नुकसान का आकलन लगाया जाएगा। खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी चंद्रभान सिंह जादौन के अनुसार केंद्र के दल ने निरीक्षण कर गेहूं की गुणवत्ता देखी है।

एसीएस के आश्वासन पर डॉक्टरों का आंदोलन एक महीने टला

डीपीसी और वेतन सहित कई मुद्दे सुलझाने का वादा

नगर संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत चिकित्सा शिक्षक 21 अप्रैल से आंदोलन करने वाले थे। लेकिन अब यह आंदोलन 10 मई तक के लिए टाल दिया गया है। प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीय ने बताया कि हम अपनी कुछ प्रमुख समस्याओं को हल करने के लिए आंदोलन करने वाले हैं। हमारी समस्याओं में डीपीसी, समयमान वेतनमान, आंतरिक सीधी भर्ती के नियम, सर्विस प्रोटेक्शन शामिल है। दो दिन पहले स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल से हमारी मुलाकात हुई। इस मुलाकात में हमने अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया और सरकारी मेडिकल कॉलेजों का कैसे उन्नयन किया जा सकता है, यह भी बताया। हमारी बात सुनने के बाद एसीएस ने हमसे कुछ दिनों का समय मांगा है, जिस पर हम सहमत हो गए हैं। हमारी प्रतिनिधिमंडल ने भी यह माना कि एसीएस को कुछ समय दिया जाए। इस अवधि में हम यह देखेंगे कि उन्होंने हमारी कितनी मदद की। यदि हमारी समस्याएं हल होती हैं तो हम आंदोलन नहीं करेंगे। यदि 10 मई तक कोई बदलाव नहीं होता है तो हम प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में काम बंद हड़ताल की शुरूआत कर देंगे।

मैनिट का 'इवॉल्व' क्लब : मारुति 800 बनी किफायती ईवी, सेल्फ बैलेंसिंग साइकिल और ई-बाइक जैसे प्रोजेक्ट्स से दिखी नई सोच

कबाड़ से इनोवेशन तक, छात्रों ने बनायी तकनीक की नई पहचान

श्वेता कुमारी। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) का 'इवॉल्व' क्लब तकनीकी नवाचार का ऐसा मंच बनकर उभरा है, जहां छात्र अपने आइडिया को सीधे प्रयोग में बदल रहे हैं। वर्ष 2022 में शुरू हुआ यह इंटरडिसिप्लिनरी क्लब आज एआई, एम्बेडेड सिस्टम और इलेक्ट्रिक व्हीकल जैसे क्षेत्रों में काम करते हुए छात्रों को प्रैक्टिकल इनोवेशन की दिशा दे रहा है। करीब 80 छात्रों की यह टीम अब राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रही है।

'इवॉल्व क्लब हमें सीखने के साथ प्रयोग करने की आजादी देता है। यहां हम अपने आइडिया को वास्तविक प्रोजेक्ट में बदलते हैं, जो हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाता है।'
- **शांतनु चौकसे,** स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर

'छात्रों की जिज्ञासा और नवाचार की सोच ही इस क्लब की ताकत है। संस्थान उन्हें हर स्तर पर सहयोग दे रहा है, ताकि वे तकनीक के क्षेत्र में नई संभावनाएं तलाश सकें।'
- **डॉ. शैलेंद्र जैन,** फैकल्टी कोऑर्डिनेटर

मारुति 800 का इलेक्ट्रिक अवतार

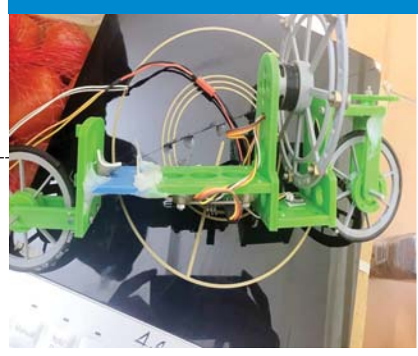

क्लब के छात्रों ने पुरानी मारुति 800 को इलेक्ट्रिक व्हीकल में बदलकर किफायती और टिकाऊ मोबिलिटी का मॉडल तैयार किया है। इस प्रोजेक्ट में पेट्रोल इंजन हटाकर इलेक्ट्रिक मोटर, लिथियम-आयन बैटरी और कंट्रोलर लगाए गए हैं। कम लागत में तैयार यह ईवी भविष्य के सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट का व्यावहारिक उदाहरण है।

रेट्रोफिट ई-साइकिल

क्लब ने एक साधारण साइकिल को इलेक्ट्रिक साइकिल में बदलने का किफायती मॉडल भी तैयार किया है। इसमें मोटर, बैटरी और कंट्रोलर किट लगाकर साइकिल को ई-बाइक में बदला गया। यह प्रोजेक्ट खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो कम लागत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अपनाना चाहते हैं। इनके अलावा क्लब ने बायोमिमेटिक अंडरवॉटर सबमरीन, ऑर्निथॉप्टर और ऑटोमेटेड सीड सोइंग बोट जैसे प्रोजेक्ट्स पर भी काम किया है। क्लब की उपलब्धियों में गुजरात रोबोफेस्ट में शानदार प्रदर्शन और बजाज ऑटो कैंपस चैलेंज में टॉप-20 में जगह बनाना शामिल है।

सेल्फ-बैलेंसिंग साइकिल

'इवॉल्व' क्लब की सेल्फ-बैलेंसिंग साइकिल उन्नत सेंसर और कंट्रोल सिस्टम पर आधारित है, जो साइकिल को अपने आप संतुलित बनाए रखती है। यह तकनीक न सिर्फ नए राइडर्स के लिए मददगार हो सकती है, बल्कि भविष्य में स्मार्ट मोबिलिटी और ऑटोमेशन के क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभा सकती है।

फोटो एचसी वर्मा

कारगिल के जांबाजों को नमन : युवाओं के संकल्प से ही मजबूत होगा नया भारत : वोहरा

'शौर्यगाथा' में गूंजा देश के वीरों का साहस

जागरण, भोपाल। रवींद्र भवन में आयोजित 'शौर्यगाथा' कार्यक्रम ने देशभक्ति को केवल भावना नहीं, बल्कि साहस और बलिदान की जीवंत मिसाल के रूप में प्रस्तुत किया। आईटीबीपी के मार्शल बैंड की दमदार धुनों के बीच शुरू हुए इस आयोजन में वीर सैनिकों की गाथाओं ने दर्शकों के मन में गर्व और सम्मान का भाव जगा दिया। मुख्य वक्ता पूर्व राजदूत दीपक वोहरा ने कहा कि भारत की असली ताकत उसके युवा हैं, जो अपने संकल्प और कर्म से देश को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास' को एक जीवंत सोच बताते हुए युवाओं से जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

गोलाबारी के बीच भी नहीं छोड़ा मोर्चा

लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज कुमार सिन्हा ने शहीद मेजर पद्मापानी आचार्य की गाथा को इस तरह प्रस्तुत किया कि दर्शक खुद को कारगिल की चोटियों पर महसूस करने लगे। 28 जून 1999 को द्रास सेक्टर में भीषण गोलाबारी के बीच गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद आचार्य ने पीछे हटने से इनकार कर दिया और अपने नेतृत्व में दुश्मन के कई बंकर तबाह किए।

'या तो जीत, या फिर वीरगति' का संकल्प : आचार्य का अटूट विश्वास था 'या तो जीतकर लौटो या वीरगति पाओ।' इसी जज्बे के साथ उन्होंने टोलोलिंग की रणनीतिक चोटी पर विजय दिलाई। उनके इस सर्वोच्च बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया।

भावनाओं से भरा यादगार आयोजन

कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई और युवाओं को देश के प्रति अपने कर्तव्यों का एहसास कराया गया। यह आयोजन एक संदेश देकर गया कि देशभक्ति केवल शब्दों में नहीं, बल्कि साहस और समर्पण से साबित होती है।

जेएलयू मीडिया फेस्टिवल में एआई पर मंथन विशेषज्ञों ने किया मीडिया और तकनीक के बदलते स्वरूप को उजागर

जागरण, भोपाल। जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी में आयोजित 9वां इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ मीडिया सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 'द ह्यूमन सिग्नल- क्रिएटिविटी एंड डिसरप्शन इन द एज ऑफ एआई' थीम पर हुए इस दो दिवसीय आयोजन में एआई और मीडिया के बदलते परिदृश्य पर गहन मंथन किया गया। फेस्टिवल में 14 विशेषज्ञ वक्ताओं ने कीनोट, पैनल चर्चा, फायरसाइड चैट और मास्टरक्लास के माध्यम से मीडिया, तकनीक और संस्कृति पर एआई के प्रभाव को विस्तार से समझाया। इस दौरान संजय मजूमदार, दिनेश कृष्णन, गिरि प्रकाश और अनुराग द्वारी जैसे दिग्गजों की उपस्थिति खास रही।

कार्यक्रम में छात्रों ने रील्स, पॉडकास्ट और ब्रांडिंग प्रतियोगिताओं में अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह आयोजन अकादमिक और उद्योग जगत के बीच संवाद को मजबूत करते हुए युवाओं को भविष्य के मीडिया परिदृश्य के लिए प्रेरित करता नजर आया।

मानव अंतरिक्ष उड़ान दिवस पर विज्ञान केंद्र में दिखा रॉकेट विज्ञान का रोमांच

जागरण, भोपाल। आंचलिक विज्ञान केंद्र में अंतरिक्ष विज्ञान को लेकर उत्साह उस समय चरम पर पहुंच गया, जब आर्टेमिस-2 मिशन के ओरियन स्पेसक्राफ्ट के सुरक्षित स्प्लैशडाउन का लाइव प्रसारण किया गया। भारतीय समयानुसार सुबह करीब 5:37 बजे हुई इस ऐतिहासिक घटना को केंद्र के आधिकारिक यूट्यूब चैनल के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाया गया, जिसमें री-एंट्री तकनीक, वायुमंडलीय घर्षण से उत्पन्न ऊष्मा और अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी जैसे पहलुओं को सरल भाषा में समझाया गया। इसी क्रम में 12 अप्रैल को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मानव अंतरिक्ष उड़ान दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। वर्ष 1961 में यूरी गागरिन की ऐतिहासिक उड़ान की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए रॉकेट मॉडल का प्रदर्शन और प्रक्षेपण आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम में जल-वायु दाब, एथेनॉल ईंधन और सॉलिड प्रोपेलेंट आधारित तीन प्रकार के रॉकेट मॉडलों के जरिए न्यूटन के तृतीय नियम, दहन क्रिया और प्रणोदन के सिद्धांतों को रोचक ढंग से समझाया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों और आगंतुकों ने इसे ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक अनुभव बताया।

संडे प्लानर

लेट्स वॉच
मूवी
थिएटर्स
डकैत: ए लव स्टोरी
ओ रोमियो (आमेजन प्राइम विडियो)
एवरीबडी लव्स सोहराब हांडा (जी-5)
तू या मैं (नेटफ्लिक्स)

मंच एण्ड फन

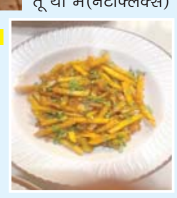

हनी चिली पोटैटो
180 रुपए
चाय कापी,
आईएसबीटी

वर्कशॉप
पाइप क्लीनर फ्लावर
ललित आर्ट गैलरी,
रवीन्द्र भवन
दोपहर 3 बजे

रिलेक्सिंग डे
'बाग उत्सव 2026'
गौहर महल
दोपहर 12 बजे से
रात 10 बजे तक

फ्लोरल थीम पर सजी किटी पार्टी

गेम्स, तंबोला और जन्मदिन सेलिब्रेशन के साथ 'नारी का गहना साड़ी' ग्रुप का आयोजन रहा खास

जागरण, भोपाल। 'नारी का गहना साड़ी' ग्रुप द्वारा फ्लोरल थीम पर आकर्षक किटी पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी सदस्य फूलों की थीम से मेल खाती सुंदर साड़ियों में सजी नजर आईं, जिससे पूरा माहौल रंगीन और उत्साहपूर्ण हो उठा। कार्यक्रम की होस्ट पूनम यादव रहीं, जिन्होंने आत्मीयता के साथ सभी का स्वागत किया। ग्रुप की एडमिन विद्या सोन्हिया ने बताया कि इस ग्रुप की खासियत हर आयोजन को साड़ी थीम पर करना है, ताकि भारतीय परंपरा और संस्कृति को जीवित रखा जा सके। उनके अनुसार साड़ी नारी की गरिमा और शालीनता का प्रतीक है, जिसे बढ़ावा देना ही इस पहल का उद्देश्य है। कार्यक्रम के दौरान मनोरंजक गेम्स और तंबोला ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया, जिसमें सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर सदस्य प्रीति सिंह का जन्मदिन भी केक काटकर और शुभकामनाओं के साथ धूमधाम से मनाया गया। स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ यह आयोजन सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसने सभी को आपसी मेलजोल और खुशी के यादगार पल दिए।

मूवी रिव्यू
'डकैत: एक प्रेम कथा'

कास्ट अदिवि शेष, मृणाल ठाकुर, अनुराग कश्यप, अतुल कुलकर्णी, प्रकाश राज, जरीना वहाब
डायरेक्टर शनील देव
श्रेणी हिंदी, एक्शन, रोमांस, ड्रामा
क्रिटिक रेटिंग 2.5/5
अवधि- लगभग 2 घंटा 20 मिनट
कहां देखें- थिएटर्स

दमदार क्लाइमेक्स, लेकिन बिखरी कहानी का शिकार बनी फिल्म

कभी प्यार, कभी बदला और कभी पैसों की मजबूरी- 'डकैत- एक प्रेम कथा' इन्हीं तीन धुरों पर घूमती फिल्म है, जो इरादों में बड़ी नजर आती है, लेकिन पर्दे पर आते-आते बिखर जाती है। फिल्म की शुरुआत दिलचस्प है, माहौल बांधती है, लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, इसकी पकड़ ढीली पड़ती जाती है और दर्शक खुद से सवाल करने लगता है, आखिर फिल्म कहना क्या चाहती है?

एक्टिंग

मृणाल ठाकुर फिल्म की सबसे मजबूत कड़ी हैं। उनका किरदार भावनात्मक होने के साथ-साथ मजबूत भी दिखता है और क्लाइमेक्स में वह फिल्म को संभाल लेती हैं। अदिवि शेष का एंग्री लुक प्रभावी है, लेकिन उनके किरदार में निरंतरता की कमी खटकती है। अनुराग कश्यप कम स्क्रीन टाइम में भी असर छोड़ते हैं। अतुल कुलकर्णी अपने अनुभव से किरदार में गहराई लाते हैं, जबकि प्रकाश राज का ट्रैक और मजबूत हो सकता था।

कहानी

कहानी हरिदास (अदिवि शेष) की है, जो 13 साल जेल में काटने के बाद बाहर निकलकर नई जिंदगी शुरू करना चाहता है। लेकिन उसका अतीत-जूलियट (मृणाल ठाकुर) अब भी उसके साथ खड़ा है। प्यार, गुस्सा और मजबूरी के बीच दोनों की मुलाकात एक बड़े खेल में बदल जाती है, जहां एक अस्पताल में छिपे काले धन और 1 करोड़ की जरूरत कहानी को नई दिशा देते हैं। प्लॉट में दम है, लेकिन ट्रीटमेंट कमजोर पड़ जाता है। कई मौके आते हैं जहां कहानी उड़ान भर सकती थी, मगर बार-बार दिशा बदलने से असर कम हो जाता है। पहला हाफ प्रेडिक्टेबल लगता है, जबकि दूसरा हाफ खासकर क्लाइमेक्स के आसपास थोड़ा संभलता है।

फिल्म रिव्यू

फिल्म का सबसे बड़ा प्लस पॉइंट इसका इमोशनल बेस और क्लाइमेक्स है, जो अंत तक दर्शकों को जोड़े रखने की कोशिश करता है। लेकिन कमजोर स्क्रीनप्ले और बिखरे हुए नैरेटिव के कारण फिल्म अपनी पकड़ बनाए नहीं रख पाती। डायरेक्टर शनील देव कहानी को एक साफ दिशा देने में चूक जाते हैं। फिल्म कभी लव स्टोरी लगती है, कभी थ्रिलर और कभी इमोशनल ड्रामा-लेकिन इनमें से कोई भी ट्रैक पूरी तरह असरदार नहीं बन पाता। मृणाल ठाकुर अपनी शानदार परफॉर्मेंस से फिल्म को मजबूती देती हैं, वहीं अदिवि शेष का किरदार दमदार होने के बावजूद अस्थिर नजर आता है। तकनीकी तौर पर फिल्म ठीक है- बैकग्राउंड म्यूजिक और सिनेमैटोग्राफी प्रभावित करते हैं, लेकिन कमजोर लेखन सब पर भारी पड़ता है।

क्यों देखें

अगर आप अदिवि शेष या मृणाल ठाकुर के फैन हैं, तो एक बार फिल्म देख सकते हैं। वरना, मजबूत कहानी और नए कंटेंट की तलाश में आए दर्शकों के लिए 'डकैत' औसत अनुभव ही साबित होगी। कुल मिलाकर, 'डकैत' में सब कुछ है-एक्शन, इमोशन, प्यार-बस वो कसावट नहीं, जो इसे यादगार बना सके।

जनसंपर्क में कंटेंट क्रिएशन की अहम भूमिका- आयुक्त मनीष सिंह

जागरण, भोपाल। एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। समापन सत्र में मुख्य अतिथि जनसंपर्क आयुक्त मनीष सिंह ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में कंटेंट क्रिएशन बेहद महत्वपूर्ण है और हर प्लेटफॉर्म के लिए अलग प्रकार के कंटेंट की आवश्यकता होती है। उन्होंने भाषा की सटीकता और प्रेस विज्ञप्ति की अलग शैली पर भी जोर दिया। कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने लेखन कौशल को जनसंपर्क का आधार बताते हुए अधिकारियों को समाचार और सक्सेस स्टोरी लिखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में ई-ऑफिस, एआई, डिजिटल नवाचार, आरटीआई और वित्तीय प्रबंधन जैसे विषयों पर सत्र आयोजित हुए। इस प्रशिक्षण में प्रदेशभर के जनसंपर्क अधिकारी शामिल हुए, जिससे विभागीय कार्यों को और प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई।

राष्ट्रजागरण, त्याग और संकल्प की प्रेरक गाथा है 'आनंदमठ'

अकाल की त्रासदी से उठी विद्रोह की चिंगारी

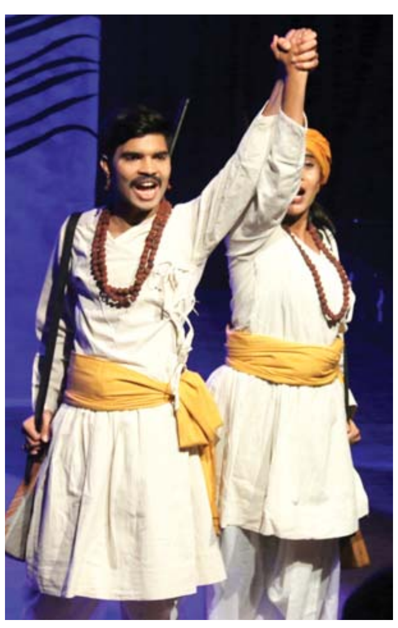

जागरण, भोपाल। भारत भवन में प्रस्तुत नाट्यकृति 'आनंदमठ' ने इतिहास को सिर्फ दिखाया नहीं, बल्कि उसे जीने का एहसास कराया। संजय श्रीवास्तव के निर्देशन में मप्र नाट्य विद्यालय के छात्रों की यह प्रस्तुति दर्शकों को सीधे उस दौर में ले गई, जब भूख, अन्याय और विद्रोह एक साथ सांस ले रहे थे। मंच पर जैसे ही 'वंदे मातरम्' गूंजा, पूरा सभागार देशभक्ति की भावना से भर उठा।

नाटक की कहानी : कहानी शुरू होती है बंगाल के भीषण अकाल से, जहां धरती सूखी है, पेट खाली हैं और उम्मीदें टूट चुकी हैं। इसी अंधेरे में महेंद्र और कल्याणी अपने मासूम बच्चे के साथ जीवन बचाने की जद्दोजहद में भटकते नजर आते हैं। हर कदम पर भूख, लूट और अंग्रेजी शासन का दमन उनका पीछा करता है। इसी निराशा के बीच संन्यासी भवानंद का आगमन उम्मीद की किरण बनकर होता है। यहां से कहानी सिर्फ संघर्ष नहीं, बल्कि विद्रोह का रूप लेती है। संन्यासी समूह अन्याय के खिलाफ खड़ा होता है-हाथ में शस्त्र और मन में मातृभूमि के लिए समर्पण। वे अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती देते हुए लूटे गए संसाधनों को जनता के बीच लौटाते हैं। नाटक का चरम तब आता है जब 'वंदे मातरम्' की गूंज के साथ मंच पर मातृभूमि का दिव्य स्वरूप उभरता है। यह दृश्य केवल अभिनय नहीं, बल्कि एक भावना बनकर दर्शकों के भीतर उतर जाता है। 'आनंदमठ' अंत में एक सवाल छोड़ जाता है-क्या राष्ट्रभक्ति सिर्फ इतिहास है, या आज भी एक जिम्मेदारी?

क्रिकेट के मैदान में नहीं चलता नेपोटिज्म

> भारतीय क्रिकेट का इतिहास ऐसे कई उदाहरणों से भरा है, जहां महान खिलाड़ियों के बेटे उसी ऊंचाई तक नहीं पहुंच पाए। अर्जुन तेंदुलकर की सबसे बड़ी पहचान यही है कि वे सचिन तेंदुलकर के बेटे हैं। शायद यही उनकी सबसे बड़ी मुश्किल भी है। भारतीय क्रिकेट में जब भी 'तेंदुलकर' नाम सामने आता है तो वह सिर्फ एक उपनाम नहीं रहता, अपितु करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ एक एहसास बन जाता है। यह नाम उम्मीदों, यादों और गौरव का प्रतीक है, लेकिन यही नाम आज अर्जुन तेंदुलकर के लिए आसान नहीं, बल्कि एक तरह की चुनौती बन गया है।

● विनोद पाठक ●

एक ऐसी चुनौती, जहां हर कदम पर तुलना, शक और आलोचना उनका इंतजार करती है। हाल में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें अर्जुन अपने साथियों के लिए मैदान पर 'ड्रिंक्स' लेकर जा रहे थे। क्रिकेट में यह एक सामान्य बात है, टीम भावना का हिस्सा है, लेकिन जिस तरह इस छोटे से काम को 'नेपोटिज्म' और 'अहंकार' के चश्मे से देखा गया और उन्हें ट्रोल किया गया, वह सोचने पर मजबूर करता है। क्या हम खेल को अब खेल की तरह देखना भूलते जा रहे हैं? या हर चीज में किसी न किसी तरह का विवाद खोज लेना हमारी आदत बन गई है?

'स्टार किड' होने की सजा?

अर्जुन तेंदुलकर की सबसे बड़ी पहचान यही है कि वे सचिन तेंदुलकर के बेटे हैं। शायद यही उनकी सबसे बड़ी मुश्किल भी है। एक 'स्टार किड' होने के कारण उन्हें मिलने वाले हर मौके पर सवाल उठता है, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि क्रिकेट ऐसा खेल है, जहां अंत में नाम नहीं, प्रदर्शन बोलता है। यदि अर्जुन में प्रतिभा नहीं होती तो वे रणजी ट्रॉफी के अपने पहले ही मैच में शतक नहीं बनाते। वे प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पांच विकेट लेने जैसा प्रदर्शन नहीं कर पाते। मुंबई जैसी मजबूत टीम छोड़कर गोवा से खेलने का उनका फैसला भी यही दिखाता है कि वे आसान रास्ता नहीं, बल्कि अपनी मेहनत से जगह बनाना चाहते हैं।

क्रिकेट में 'नेपोटिज्म'

अक्सर लोग क्रिकेट और फिल्मों में 'नेपोटिज्म' की तुलना करने लगते हैं, लेकिन दोनों में जमीन-आसमान का फर्क है। फिल्मों में कोई स्टार किड कई बार असफल होने के बावजूद मौके पाता रहता है, लेकिन क्रिकेट के मैदान पर कोई भी गेंदबाज यह नहीं देखता कि सामने बल्लेबाज किसका बेटा है। 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आती गेंद सिर्फ एक चीज पहचानती है, आपकी क्षमता।

भारतीय क्रिकेट का इतिहास ऐसे कई उदाहरणों से भरा है, जहां महान खिलाड़ियों के बेटे उसी ऊंचाई तक नहीं पहुंच पाए। सुनील गावस्कर के बेटे रोहन गावस्कर ने अच्छा खेला, लेकिन तुलना का दबाव उनके साथ हमेशा बना रहा। लाला अमरनाथ के बेटे मोहिंदर अमरनाथ ने खुद को साबित किया, लेकिन सुरिंदर अमरनाथ वैसी सफलता नहीं पा सके। स्टुअर्ट बिन्नी को भी इसी तरह की आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। ये सारी कहानियां एक ही बात बताती हैं, विरासत दरवाजा खोल सकती है, लेकिन अंदर टिके रहने के लिए खुद की मेहनत ही काम आती है। यह भी कहा जाता है कि अर्जुन को बेहतर सुविधाएं मिली हैं, जो हर खिलाड़ी को नहीं मिलतीं। यह बात सही है, लेकिन इसे सिर्फ 'नेपोटिज्म' कहना शायद सही नहीं होगा। यह ज्यादा एक सामाजिक असमानता का मामला है। हर संपन्न परिवार का बच्चा बेहतर संसाधनों के साथ आगे बढ़ता है, चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो। असली सवाल यह है कि क्या अर्जुन किसी और का हक छीनकर आगे बढ़े हैं? अगर हम उनके प्रदर्शन को देखें तो वे धीरे-धीरे एक सक्षम खिलाड़ी के रूप में उभरते नजर आते हैं। मैदान पर पानी पिलाने जैसी भूमिका को लेकर उनका मजाक उड़ाना दरअसल हमारी 'ट्रोलिंग संस्कृति' का ही हिस्सा है। जो लोग इसे अपमान समझते हैं, शायद वे खेल की असली भावना को समझ नहीं पाए हैं।

डॉन ब्रैडमैन से लेकर विराट कोहली तक, हर बड़े खिलाड़ी ने टीम के लिए ऐसे छोटे-छोटे काम किए हैं। यही टीम भावना की असली पहचान है। अर्जुन तेंदुलकर को केवल इसलिए नकार देना कि वे सचिन के बेटे हैं, उतना ही गलत है जितना किसी को सिर्फ उसके नाम के कारण आगे बढ़ा देना। उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में देखने और समझने की जरूरत है, एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में, जो सीख रहा है, संघर्ष कर रहा है और धीरे-धीरे अपनी पहचान बना रहा है।

आखिरकार क्रिकेट में असली फैसला सोशल मीडिया नहीं, बल्कि मैदान और स्कोरबोर्ड करते हैं। वही तय करेंगे कि अर्जुन तेंदुलकर अपनी विरासत को आगे बढ़ा पाएंगे या नहीं?

तब तक शायद हमें उन्हें ट्रोल करने के बजाय थोड़ा समय और थोड़ा भरोसा देना चाहिए, क्योंकि हर खिलाड़ी को अपनी कहानी लिखने का हक होता है।

ट्विंकल अपनी एक पोस्ट को लेकर सुर्खियां बटोर रहीं

'डोनाल्ड ट्रंप हमारी रसोई में घुस आए हैं'

> डोनाल्ड ट्रंप हमारे किचन में आ गए हैं। एक ऑरेंज आदमी की वजह से, 1.4 बिलियन ब्राउन लोगों का देश पागलों की तरह इंडक्शन स्टोव खरीद रहा है। मैं भी अपने देश के नागरिकों के साथ शामिल हो गई हूं और तीन इंडक्शन स्टोव ऑर्डर करने की कोशिश कर रही हूं। लेकिन डीलर ने मुझे बताया कि उनके पास 1600-वॉट वाले खत्म हो गए हैं और 1800-वॉट वाले अभी तक नहीं आए हैं। क्या बकवास है यह?

● ट्विंकल खन्ना ●

'इस हफ्ते, सब कुछ 'ग्लोबल गरबा' नजर आ रहा है। एक वीडियो में, ट्रंप जापान के पीएम के सामने बैठे हैं और पर्ल हार्बर को लेकर मजाक कर रहे हैं। पिछली सरकारों के समय, अमेरिका में डिप्लोमेसी जिंदा और एक्टिव थी, अब ऐसा लग रहा है जैसे ट्रंप ने उसे देश से बाहर निकाल दिया है। इस बीच, मुझे अपने प्रधानमंत्री की तारीफ करनी ही पड़ेगी। वह पुतिन की पीठ थपथपा रहे हैं, ईरान के प्रति सहानुभूति जता रहे हैं, इजरायल के साथ सहमति में सिर हिला रहे हैं, ट्रंप को गले लगा रहे हैं और फोन पर बातचीत के जरिए खाड़ी देशों के साथ दूरियां मिटा रहे हैं। इसे ही 'ग्लोबल गरबा' कहते हैं। सिर्फ गुजराती ही जानते हैं कि किसी के पैर पर पैर रखे बिना, एक समूह में गोल-गोल कैसे घूमा जाता है?'

ट्रम्प से सीखो लंबी उम्र के नुस्खे

अब जब मैं आधी सदी की हो गई हूं, तो मैंने यू ट्यूब पर लंबी उम्र के कुछ एक्सपर्ट्स को फॉलो करना शुरू कर दिया है। मैं स्क्वैट करती हूं, सप्लीमेंट्स पर रिसर्च करती हूं, और हर रविवार, हफ्ते भर के लिए ये 124 से ज़्यादा गोलियां अपने पिलबॉक्स में अलग कर लेती हूं। मैं बेस्वाद जूस पीती हूं, भीगे हुए मेथी के बीज, भीगे हुए अखरोट बादाम खाती हूं। कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं अपनी ज़िंदगी का इतना बड़ा हिस्सा अपनी उम्र बढ़ाने में लगा रही हूँ, जबकि पता है कि नतीजा ज़ीरो होगा।

सलाद और ग्रिल्ड पनीर के अपने बोरिंग लंच को खाते हुए, मुझे अचानक एक बात सूझी। खबरों के मुताबिक, ट्रंप सिर्फ डाइट कोक और फ्राइड चिकन पर जिंदा रहते हैं, शायद ही वो कभी कसरत करते हैं, और 79 साल की उम्र में भी उनमें एक जवान ओरंगुटान जैसी एनर्जी है- वे मिलिट्री कैंपेन चलाते हैं, जापानियों को नाराज करते हैं और ग्लोबल मार्केट को हिला देते हैं। इससे साफ पता चलता है कि मैं लंबी उम्र के लिए गलत एक्सपर्ट्स को फॉलो कर रही हूं...'

इंटरनेशनल स्कैंडल से जुड़ाव

जेन जी मुझे हमेशा हैरान करता है। ऑफिस की यंग लड़कियों ने मुझे बताया कि वे एआई से बने दाल, फल और सब्ज़ियों के वीडियो देखकर दिमाग खराब कर रही हैं। मुझे एक दिखाया गया। क्योंकि मैंने राजमा चावल वाली रील देखी है, जिसमे राजमा को विदेश में नौकरी मिल जाती है, वह मेक्सिको चला जाता है, जहाँ उसे टैको से प्यार हो जाता है। एल्गोरिदम मुझे रेसिपी तक ले जाता है। मैं फ्रेंच बॉब स्टाइल बनवाने के बारे में सोच रही हूँ क्योंकि कम से कम अपने बालों को तो कंट्रोल कर ही सकती हूँ। मैं एक दोस्त को एक रेफरेंस फोटो भेजी तो जवाब मिला, 'तुम एक क्रेज़ी इंसान की तरह दिखोगी।' जब यह बात अपने बगल में ब्लो-ड्राई करवा रहे एक कॉमन दोस्त को बताई, तो उसने यह कहकर टाल दिया, 'तुम उससे क्यों पूछ रही हो? वह एपस्टीन के अंकल जैसा दिखता है।' यानि किसी को जितने भी तरीकों से किसी इंटरनेशनल स्कैंडल से जोड़ा जा सकता है, उसमे यह शायद सबसे ओरिजिनल है।

डॉलर के बराबर पहुंची हार्ट रेट

अपनी कैलोरी का हिसाब रखने के साथ-साथ, मैं सोने और तेल की कीमतों पर भी नज़र रख रही हूँ। मेरी रेस्टिंग हार्ट रेट डॉलर के बराबर हो गई है। 93 बीट प्रति मिनट। एक बार डॉलर 100 के पार हो गया, तो मुझे एंजियोप्लास्टी करवानी पड़ेगी। इस बीच, मुझे एहसास हुआ कि मैं कुक से कुछ बनाने के लिए कहना भूल गई हूँ। 'सैंडविच खा लो,' मैंने उससे कहा, 'आज राजमा चावल नहीं है। राजमा चावल छोड़कर टैको के लिए मेक्सिको चला गया है।'

कपूर खानदान से नजदीकी ने बनाया सलमा को 'निकाह' की हीरोइन

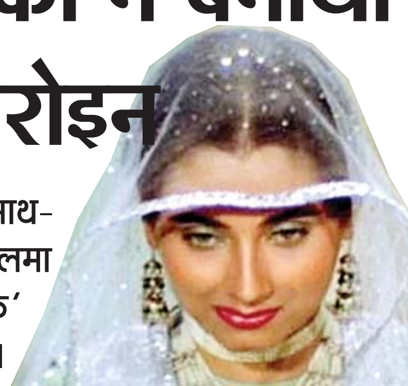

> गोरी-चिट्टी, बिल्लौरी आंखों वाली तथा मुस्लिम होने के साथ-साथ कपूर खानदान के नजदीक होने का फायदा भी सलमा को मिला और बीआर चोपड़ा ने उन्हें 'तलाक-तलाक-तलाक' की हीरोइन बना दिया जो बाद में निकाह नाम से रिलीज हुई।

ऋषि कपूर और नीतू सिंह की शादी का रिसेप्शन राज कपूर ने लंदन में दिया था। सलमा की अम्मी को भी इसमें बुलाया गया था। बॉलीवुड के भी कई दिग्गज निर्माता-निर्देशक भी इस रिसेप्शन में हिस्सा लेने मुंबई से आए थे। इनमें बीआर चोपड़ा भी थे। फिल्मी पार्टियों में अक्सर निर्माता-निर्देशक अपनी फिल्मों की चर्चा करते हैं। नए चेहरे तलाश की तलाश में रहते हैं। बातों ही बातों में राज कपूर ने कहा कि वे अपनी फिल्म ?हिना के लिए एक पाकिस्तानी अभिनेत्री की तलाश में हैं।

बीआर चोपड़ा ने भी बताया कि वे आगामी फिल्म 'तलाक तलाक तलाक' के लिए एक नई मुस्लिम अभिनेत्री चाहते हैं क्योंकि मुस्लिम पृष्ठभूमि की कहानी होने की वजह से उन्हें लगता है कि एक मुसलमान अदाकारा इस रोल के साथ बेहतर न्याय कर सकेंगी। सलमा तक ये सारी बातें पहुंच गईं। राज कपूर ने 'हिना' की बजाय दूसरी फिल्म शुरू कर दी तो बीआर चोपड़ा की फिल्म हासिल करने के लिए सलमा मुंबई आ पहुंची।

गोरी-चिट्टी, बिल्लौरी आंखों वाली तथा मुस्लिम होने के साथ-साथ कपूर खानदान के नजदीक होने का फायदा भी सलमा को मिला और बीआर चोपड़ा ने उन्हें 'तलाक-तलाक-तलाक' की हीरोइन बना दिया जो बाद में निकाह नाम से रिलीज हुई। चूंकि फिल्म नायिका प्रधान थी, इसलिए स्टार कलाकार की बजाय दी?पक पाराशर और राज बब्बर जैसे युवा अभिनेताओं ने सलमा के साथ काम किया। अभिनय के साथ-साथ सलमा गायन में भी पारंगत है। उनका अलबम जब निकाह के संगीतकार रवि ने सुना तो उन्होंने सलमा से गवाने का भी निर्णय लिया। सुरैया-नूरजहां के बाद सलमा ने अपने गाने खुद गाए।

1982 में रिलीज हुई निकाह ने बॉक्स ऑफिस पर भारी सफलता हासिल की। कम बजट और बिना स्टार वाली इस फिल्म की सफलता चौंकाने वाली थी। सलमा द्वारा गाए गीत दिल के अरमां, दिल की ये आरजू थी और फिजा भी है जवां गली-गली मे गूंजे। पति को बेहद चाहने वाली और उसकी बेरुखी से परेशान पत्नी का रोल सलमा ने बेहतरीन तरीके से निभाया था।

'निकाह' में श्रेष्ठ अभिनय के लिए उनका फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए नामांकन हुआ। बेस्ट फीमेल सिंगर का अवॉर्ड उन्हें मिला। बॉलीवुड के निर्माताओं का यह हाल है कि कोई कलाकार हिट हो जाए, तो उसे अपनी फिल्मों में लेने के लिए सब दौड़ पड़ते हैं। सलमा के साथ भी ऐसा हुआ। उन्होंने मुंबई में बसने का इरादा कर लिया। तेजी से उभर कर सामने आई सलमा से जो आशाएं थीं उस पर वे खरी नहीं उतर पाईं तो इसके लिए पूरी तरह जिम्मेदार वे ही थीं।

मसाला फिल्मों मे मिसफिट

निकाह के बाद सलमा ने जो कुछ फिल्में साइन की थी, उसमें से एक थी बी. सुभाष की 'कसम पैदा करने वाले की', सुभाष इसके पहले ?सडिस्कोडांसर जैसी हिट फिल्में बना चुके थे। 'निकाह' की भूमिका के एकदम विपरीत रोल उन्होंने इस फिल्म में निभाया। सलमा ने इस फिल्म में गाने भी गाए और पाश्चात्य स्टाइल में मिथुन के साथ डांस भी किया, जिनमें वे एकदम मिसफिट नजर आईं। उनका अभिनय भी बुरा था। ऊँचेलोग (1985) और सलमा (1985) बुरी तरह फ्लॉप रहीं। इन फिल्मों में उनके अभिनय की कलई भी खुल गई। वे सीमित भूमिकाओं के लिए ही उपयुक्त माने जाने लगी। उनकी आवाज सिर्फ उन पर ही सूट होती थी, लिहाजा फिल्मी गायन में भी उनका दायरा सीमित था। सलमा आगा को वन फिल्म वंडर कहा जाने लगा। इसी बीच सलमा ने जावेद शेख से शादी कर कुछ पाकिस्तानी फिल्में साइन कर ली।

सीग्रेड तक का सफर

सलमा अपने करियर को ठीक से प्लान नहीं कर पाईं। कभी वे भारत में होती तो कभी पाकिस्तान में और बीच-बीच में शादी और तलाक का दौर भी चलता रहा। इसका असर उनके करियर पर पड़ना ही था। बॉलीवुड में अपने फिसलते करियर को संभालने के लिए उन्होंने जंगलकीबेटी (1988) नामक सी-ग्रेड फिल्म भी की, जिसमें उन्होंने अंग प्रदर्शन भी किया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इक्का-दुक्का फिल्मों में वे कभी-कभी दिखती रहीं। 3 अप्रैल 1962 को कराची में जन्मी सलमा हिंदी सिनेमा में बिजली की तरह चमकी जरूर, मगर उनका करियर छोटा रहा। निकाह फिल्म का गाना सलमा के जीवन पर फिट है- दिल के अरमां आंसुओं में बह गए।

न्यूयॉर्क के व्यापारी से हुआ इश्क

इश्क-मोहब्बत के चक्कर में वे ऐसी उलझी कि बॉलीवुड के निर्माताओं ने उनसे दूरी बना ली क्योंकि सलमा करियर के प्रति ज्यादा गंभीर नजर नहीं आ रही थीं। न्यूयॉर्क के व्यापारी महमूद सिप्रा, सलमा के दीवाने थे। वे सलमा को अपनी बेगम बनाना चाहते थे इसलिए निर्माता बनकर उन्होंने सलमा को लेकर बेगम, साहिबा और बेबसी नामक फिल्में शुरू कर दी। प्यार में सलमा ने बॉलीवुड निर्माताओं के कई प्रस्तावों को ठुकरा दिया दोनों ने ब्याह रचा लिया। अचानक निकाह करने की वजह से बॉलीवुड निर्माताओं ने सलमा के नाम पर विचार करना बंद कर दिया। महमूद सिप्रा ने फिल्में सलमा को पाने के लिए ही बनाना शुरू की थीं। फिल्में आधी भी बन नहीं पाई थीं कि इश्क का बुखार उतर गया और वे अलग हो गए।

तेज हो रही है महिला वोटरों को लुभाने की होड़

> पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यकों के साथ ही महिलाओं को भी तृणमूल कांग्रेस का मजबूत वोट बैंक माना जाता है। राज्य में कम से कम दो दर्जन विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां महिला वोटरों की तादाद पुरुषों से ज्यादा है।

● प्रभाकर मणि तिवारी ●

पश्चिम बंगाल और असम में विधानसभा चुनावों से पहले सत्ता के दावेदारों में महिला वोटरों को लुभाने की होड़ मची है। इन राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टी के साथ उनको चुनौती देने वाले दल भी इस मामले में पीछे नहीं हैं। भाजपा इन राज्यों में अलग-अलग भूमिकाओं में है। बंगाल में वह जहां इस बात सत्ता में आने का सपना देख रही है वहीं असम में उसका जोर जीत की हैट्रिक लगाने पर है। इन दोनों राज्यों में समानता यह है कि यहां महिला वोटरों की तादाद कुल वोटरों का करीब 50 फीसदी है और चुनावी नतीजे तय करने में इनकी भूमिका निर्णायक होती है।

बिहार में बीते साल के आखिर में हुए विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के खाते में 10-10 की रकम भेजने के फैसले ने एनडीए की सत्ता में वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी तरह असम सरकार ने भी चुनाव से ठीक पहले राज्य की करीब 40 लाख महिलाओं के खाते में तीन हजार छह सौ करोड़ रुपए भेजे हैं।

पश्चिम बंगाल में तो अल्पसंख्यकों के साथ ही महिलाओं को भी तृणमूल कांग्रेस का मजबूत वोट बैंक माना जाता है। राज्य में कम से कम दो दर्जन विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां महिला वोटरों की तादाद पुरुषों से ज्यादा है। इन महिला वोटरों ने ही वर्ष 2021 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की कड़ी चुनौती से निपटने में ममता बनर्जी की मदद की थी। वर्ष 2021 के नतीजों से साफ है कि उस समय तृणमूल कांग्रेस को महिलाओं के 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे जबकि भाजपा के मामले में यह आंकड़ा 37 फीसदी था।

पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना

यही वजह है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिलाओं के लिए लगातार तमाम योजनाएं शुरू करती रही हैं। इनमें लक्ष्मी भंडार सबसे महत्वपूर्ण है। इस बार चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री ने इसके तहत महिलाओं को हर महीने मिलने वाली रकम में पांच-पांच सौ रुपए की वृद्धि कर दी है। शुरुआत में इसके तहत हर महीने पांच सौ रुपए दिए जाते थे।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ममता ने यह रकम पांच सौ रुपए बढ़ा दी थी और अब चुनाव से ठीक पहले इसमें और पांच सौ रुपए जोड़ दिए गए हैं। अब सामान्य वर्ग की महिलाओं को हर महीने 15 सौ और अनुसूचित जाति व जनजाति तबके की महिलाओं को 17 सौ मिल रहे हैं।

वर्ष 2016 के चुनाव में ममता बनर्जी के समर्थन के बाद सरकार ने महिलाओं के हित में कन्याश्री और रूपश्री जैसी योजनाएं शुरू की थी। इनके तहत लड़कियों को शिक्षा और शादी के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं का मानना है कि पार्टी को इन कल्याण योजनाओं का फायदा मिला है। लेकिन उनकी दलील है कि पार्टी का मकसद राज्य की महिलाओं को आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनाना है। दूसरी ओर, भाजपा भले तृणमूल पर महिलाओं को वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने के आरोप लगाती हो, इन वोटरों की अहमियत को ध्यान में रखते हुए ही उसने सत्ता में आने की स्थिति में लक्ष्मी भंडार की जगह अन्नपूर्णा योजना के तहत हर महीने तीन हजार रुपए देने का वादा किया है। बंगाल में भी महिला वोटरों की संख्या लगभग पुरुष वोटरों को बराबर है। खासकर इस राज्य में महिलाएं पुरुषों, के मुकाबले ज्यादा मतदान करती रही हैं।

महिलाएं दिलाएंगी तीसरी बार सत्ता?

असम में भी सत्तारूढ़ भाजपा महिलाओं की कल्याण योजनाओं के बूते तीसरी बार सरकार बनाने का सपना देख रही है। चुनाव के एलान से ठीक पहले अरुणोदय योजना के तहत 40 लाख महिलाओं के खाते में 3600 करोड़ की रकम भेजी गई। इसके अलावा स्वनिर्भर नारी योजना और मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान के तहत भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनको एकमुश्त 10 हजार रुपए की सरकारी सहायता दी जाती है। असम में महिला वोटरों की तादाद 1.20 करोड़ है। भाजपा को चुनौती देने वाली प्रदेश कांग्रेस ने भी सत्ता में आने की स्थिति में राज्य की महिलाओं के बैंक खाते में हर महीने बिना शर्त रकम भेजने के साथ ही अपना कारोबार शुरू करने या उसे बढ़ाने की इच्छुक महिलाओं को 50 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता देने की घोषणा की है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बंगाल और असम में महिलाएं राजनीतिक रूप से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हैं। भले ही कई तमाम राजनीतिक दल उनको टिकट देने में कंजूसी बरते, लेकिन उनके वोट सबके लिए अहम हैं। यही वजह है कि उनको लुभाने की होड़ लगातार तेज हो रही है। खासकर नजदीकी मुकाबले वाली सीटों में महिलाओं के एक या दो फीसदी वोट नतीजे बदल सकते हैं।

जातियों में बंटे हिंदुओं को एक रखने सामाजिक सद्भाव आवश्यक: गुप्ता

नवयुवक सभा के सभागार में आरएसएस की सामाजिक सदभाव बैठक आयोजित

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर पिछले तीन माह से प्रत्येक वार्ड एवं जोन स्तर पर आयोजित किए गए जागरुकता कार्यक्रमों के बाद अब आरएससस ने सामाजिक सदभाव बैठकों का क्रम प्रारंभ किया है, जिसमें विभिन्न जातियों के लोगों को एक जगह एकत्रित कर, उनके विचारों को सुनने एवं उनसे एकजुट रहकर राष्ट्र को मजबूत बनाने का आह्वान किया जा रहा है। इसी तरह का एक प्रोग्राम शनिवार को संत हिरदाराम नगर में भाजपा एवं आरएसएस के मुख्यालय कहे जाने वाले 70 साल पुराने संगठन नव युवक सभा के सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें आरएसएस के प्रदेश प्रचारक विमल गुप्ता ने कहा कि हिंदू प्रारंभ से ही संवेदनशील एवं दयावान रहा है, उसने कभी भी किसी का नुकसान नहीं किया, लेकिन अब हमें सतर्क रहने की जरूरत है। खासतौर पर हिंदू समाज में जातियों के कारण जो विभाजन आ रहा है, उसे हर हालत में रोकना होगा।

वरिष्ठ आरएसएस स्वयं सेवक एवं भाजपा नेता सुशील वासवानी, कमल प्रेमचंदानी, रमेश लेखवानी, आरएसएस उपनगर प्रमुख बसंत चेलानी, नगर निगम में एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, पंडित मुकेश महाराज, सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी, नव युवक सभा के सचिव सुरेश राजपाल, महानगर नागरिक बैंक के सीईओ प्रकाश आसूदानी, रवि सतानी, कन्हैयालाल मोटवानी, तेजा सिंह सोढ़ी, सिंधी पंचायत कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आरएसएस स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए विमल गुप्ता ने लार्ड मैकाले की शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि वे इतने चतुर थे, कि उन्होंने हर भारतीय के दिमाग में अपनी इस तरह की नीतियां भर दी जिसकी गिरफ्त में आज भी हिंदू है, उन्होंने अपनी शिक्षा में गुरूगोविंद सिंह के चारों बेटों का इतिहास नहीं पढ़ाया, छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप को नहीं पढ़ाया, हमारे पुरूखों के प्रति सम्मान का भाव खत्म कर दिया। आने वाली पीढ़ी को लगता है कि अंग्रेज महान थे। हिंदू महापुरूषों को कोई जानता नहीं।

नव युवक सभा में हुई आरएसएस की सामाजिक सदभाव बैठक।

वर्तमान सरकार ने नई शिक्षा नीति हमारे सामने रखी है, लेकिन उसका असर दिखने में 10 साल लगेंगे। हिंदू संस्कृति पूरी दुनिया में श्रेष्ठ है। सारी बर्बर जातियों ने हमारे देश पर शासन किया, आक्रमण किया, और एक हजार साल तक मुगलों से संघर्ष किया उनके एक हाथ में कुरान था एक हाथ में तलवार। हमारे कई पुरूषो ने बलिदान भी दिया।

अंग्रेज 200 साल रहे और उनके साथ रह रहकर कुछ बातें उनकी बातें भी हमारे भीतर आ गई, लेकिन कुछ बातें ऐसी हैं जो हमारे लिए घातक हैं, और ऐसी कौनसी बातें हैं, जो हमारी सिंधु संस्कृति पर आघात कर रही है, और हमारी वर्तमान पीढ़ी आचरण से दूर होती जा रही है।

भाजपा का रहा है गढ़: जहां तक संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) का सवाल है, तो इसे आरएसएस, जनसंघ एंव भाजपा का गढ़ माना जाता है, जहां से 1967 से जनसंघ की टिकट पर अर्जुनदास मूरजानी ने जो विधान सभा चुनाव जीता, तो उसके बाद मतदाताओं ने मुड़कर कभी कांग्रेस की तरफ नहीं देखा।

जातिगत अहंकार

विमल गुप्ता ने कहा कि जातिगत अहंकार हमारे बीच खड़ा हो गया है, जो चिंताजनक है, इसलिए जातिगत अंकार हमें बांटे, उससे दूर रहना होगा। जात पात की करो बिदाई हम सब हिदू भाई भाई। उन्होंने उत्तरप्रदेश के उस नारे का भी उल्लेख किया कि बंटोगे तो कटोग, जब जब हिंदू भाव को भूलेंगे तब तब भाई भाई से छूटा है। हम कहते हैं जहां हिंदू घटा वहां देश बंटा। उन्होंने भोपाल के अनेक मोहल्लों का उल्लेख किया और बताया कि वहां हिंदू बहुसंख्यक थे, लेकिन कुछ विधर्मियों के कारण आज भोपाल के लगभग 28 मोहल्लों की 10 साल में पूरी स्थिति बदल गई, वहां से हिंदु घर छोड़ रहे हैं, और यह जातिगत भेदभाव की वजह से हो रहा है, जिसे दूर करना होगा। इस मौके मौजूद स्वयं सेवकों एवं कार्यकर्ताओं से बारी बारी से उनके विचारों को सुना गया, बाद में प्रत्येक का विमल गुप्ता ने उत्तर के साथ समाधान करते हुए अब क्या करना है, उसका समाधान भी बताया।

इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील वासवानी ने हिन्दुओं की एकता पर विशेष जोर दिया और कहा कि हर जाति के व्यक्ति को एकजुट होकर हिन्दु समाज को संगठित व सशक्त करना वक्त की जरूरत है, अगर हम बंटे रहे तो आने वाले समय में हमारे लिए वह घातक होगा। इस अवसर पर अनेक हिन्दु संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

पंचवटी, संत हिरदाराम नगर एवं नए भोपाल में हुए प्रवचन

प्रभु प्राप्ति के लिए हरि भजन और भक्ति जरूरी: संत ईश्वर शाह

संत हिरदाराम नगर। शुक्रवार को शहीद हेमू कालानी खेल मैदान पर उत्सवी माहौल था, क्योंकि यहां सिंधियों के धार्मिक गुरू बाबा ईश्वर शाम के प्रवचन रखे गए थे। संत परंपरा की पावन धारा में डूबा हुआ उप नगर उस समय श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा, जब जीवन मुक्त सतगुरु साईं ईश्वर शाह साहिब के सानिध्य में हरे माधव सत्संग का भव्य आयोजन हुआ। रात 9 बजे के बाद सत्संग स्थल पर हरे माधव के जयघोष और भजनों की मधुर स्वर लहरियों से भोपाल गूंज उठा। हरि माधव सत्संग सुनने बैरागढ़, विदिशा, सागर, झांसी, कटनी, सतना, दमोह, बीना और शहडोल सहित विभिन्न शहरों से हजारों की संख्या में संगत इस आध्यात्मिक हरे माधव सत्संग में शामिल होने पहुंची श्रद्धालुओं की आस्था इस बात का प्रमाण था कि संतों की वाणी आज भी जनमानस के हृदय को स्पर्श करती है। ईश्वर शाह महाराज जैसे ही शहीद हेमू कालानी खेल स्टेडियम पहुंचे, यहां प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अवनीश भार्गव, भोपाल सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरियानी, सिंधी सेंट्रल पंचायत अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी, उपाध्यक्ष नरेश चोटरानी, सचिव रमेश हिंगोरानी, पूज्य सिंधी पंचायत पदाधिकारी माधु चांदवानी, गुलाब जेठानी, माधव पारदासानी, समाजसेवी रमेश हिंगोरानी, राम पारदासानी सहित काफी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इधर शनिवार दोपहर होशंगाबाद रोड पर भोपाल सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरियानी के निवास स्थान पर भी उनका जोरदार स्वागत के साथ सत्संग हुआ।

संत हिरदाराम नगर के शहीद हेमू कालानी खेल स्टेडियम में हुए संत ईश्वर शाह के प्रवचन

मानव सेवा ही माधव सेवा

साईं ईश्वर शाह साहिब ने अपने पावन श्रीमुख से अमृत वचनों की वर्षा करते हुए कहा कि भजन और भक्ति ही वह सरल मार्ग है, जिससे परमात्मा की प्राप्ति संभव है। मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है, इसे अच्छे कर्मों और सेवा में लगाना ही इसका सच्चा उद्देश्य है। उन्होंने आगे कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है, यही जीवन का मूल मंत्र है। सतगुरु बाबा माधव शाह एवं सतगुरु बाबा नारायण शाह द्वारा किए गए मानव कल्याण के कार्यों का स्मरण कराते हुए उन्होंने संगत को सेवा, सद्भाव और संस्कारों के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। सत्संग स्थल पर श्रद्धा का ऐसा अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी एक साथ भक्ति में लीन नजर आए। प्रवचन प्रारंभ होने के पहले जहां संत ईश्वरदास का ठहराव था, वहां से लेकर बैंडबाजों के साथ शोभायात्रा के रूप में उन्हें प्रवचन स्थल तक लाया गया, रास्ते में युवाओं की टोलियां नाचती-गाती चल रही थी। इस दौरान आकर्षक आतिशबाजी का प्रदर्शन भी किया गया। यहां भाजपा, कांग्रेस एवं विभिन्न सामाजिक तथा व्यापारिक संगठनों के बड़ी संख्या में प्रतिनिधि भी शामिल थे।

सड़क हादसे के मृतक पुरुष की नहीं हुई शिनाख्त

जागरण, बैरसिया। पुलिस थाना क्षेत्र गुनगा अंतर्गत झालर वाली पुलिया के पास ग्राम रतुआ सड़क हादसे में एक अज्ञात पुरुष उम्र लगभग 50 वर्ष को सिर में गंभीर चोट लगी। घायल को बैरसिया की 108 ने हमीदिया अस्पताल भोपाल में भर्ती कराया। यहां डॉक्टर ने अज्ञात घायल को मृत घोषित किया। गुनगा थाना प्रभारी रिंकू सिंह ने बताया अज्ञात मृत पुरुष का हुलिया रंग गेंहुआ, कद करीबन 5 फीट 4 इंच , उम्र लगभग 50 साल आगे के दो दांत बाहर की ओर निकले हैं। स्लेटी रंग का पठानी सूट व काले रंग की जैकेट पहने था।

राजा भोज एयरपोर्ट को मिला बेस्ट एयरपोर्ट ऑफ द ईयर अवार्ड

जागरण, भोपाल। राजा भोज हवाई अड्डा को एयरपोर्ट 360 अवार्ड्स 2026 में प्रतिष्ठित बेस्ट एयरपोर्ट ऑफ द ईयर (घरेलू) के लिए चुना गया है। यह सम्मान 24 अप्रैल 2026 को बॉम्बे एक्जीबिशन सेंटर में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। यह उपलब्धि हवाई अड्डे की परिचालन दक्षता, यात्री-केंद्रित सेवाओं और उच्च गुणवत्ता मानकों को दर्शाती है। जूरी ने विशेष रूप से टर्मिनल उन्नयन, निर्बाध यात्री अनुभव, स्वच्छता और सुरक्षा के उत्कृष्ट स्तर, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में वृद्धि और डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग की सराहना की।हाल के समय में एयरपोर्ट पर कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। इनमें कैट-2 संचालन की शुरुआत, आगमन हॉल का पुनर्गठन, 'डिजी यात्रा' सुविधा का कार्यान्वयन और यात्री फीडबैक तंत्र को मजबूत करना शामिल है। इन पहलों ने न केवल यात्री अनुभव को बेहतर बनाया है, बल्कि समग्र सेवा गुणवत्ता और संचालन क्षमता में भी वृद्धि की है। यह सम्मान एयरपोर्ट टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

टीईटी से नाराज शिक्षकों ने मंत्री-विधायकों को घेरा, सौंपे ज्ञापन

जागरण, भोपाल। शिक्षक पात्रता परीक्षा से बनी असमजंस की स्थिति खत्म नहीं हो पा रही है। रिव्यू पिटीशन को लेकर राज्य सरकार भी कोई पहल नहीं कर पा रही है। इससे प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। 18 अप्रैल को भोपाल में प्रदेश व्यापी घेराव और बेमुद्दत धरने की तैयारी में जुटे शिक्षकों ने शनिवार को प्रदेश भर में ब्लॉक स्तर पर प्रदर्शन किया। हर ब्लॉक में मंत्री-विधायकों और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का घेराव कर शिक्षकों ने ज्ञापन सौंपे। राजधानी में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश के बैनर तले शिक्षकों ने बैरसिया ब्लॉक में विधायक विष्णु खत्री, फंदा एवं शहर भोपाल के शिक्षकों ने केबिनेट मंत्री विश्वास सारंग एवं कृष्णा गौर तथा हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा, दक्षिण भोपाल विधायक भगवान दास सबनानी व भोपाल सांसद आलोक शर्मा की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर समर्थन मांगा। भोपाल में ही सिलवानी विधायक देवेन्द्र पटेल से शिक्षकों ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इसी तरह प्रदेश के प्रत्येक ब्लाक मुख्यालयों पर धरना, रैली, प्रदर्शन कर शिक्षकों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों का घेराव कर टीईटी का आदेश निरस्त कराने एवं सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनांक से करने की मांगों को लेकर समर्थन मांगा। भोपाल में जनप्रतिनिधियों से मिलने पहुंचे शिक्षकों में राकेश पटेल, उपेंद्र कौशल, राकेश पाण्डेय, गिरीश द्विवेदी, दर्शन ओढ़, जितेन्द्र शाक्य, राजेश साहू, नीलेश आर्य, द्वारका पटेल, सरिता विश्वकर्मा,उमेश राजपूत, ज्ञान सिंह आदि शामिल थे।

स्वामी भगत प्रकाश महाराज का संतनगर में आगमन कल

नवनिर्मित श्री प्रेम प्रकाश आश्रम का उद्घाटन व मूर्ति स्थापना समारोह होगा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर एफ वार्ड में प्रेम प्रकाश आश्रम का नया भवन तैयार किया गया है, जिमसें जगदीश्वर भगवान श्री लक्ष्मीनारायण व प्रेम प्रकाश मण्डलाचार्य, स्वामी टेऊंराम महाराज मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के लिए चार दिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है।

इसके लिए प्रकाश आश्रम मण्डलाध्यक्ष स्वामी भगत प्रकाश महाराज सोमवार 13 अप्रैल को यहां आ रहे हैं। जहां 17 अप्रैल शुक्रवार तक महोत्सव मनाया जाएगा। 13 अप्रैल सोमवार को सुबह 8 से बजे से 10बजे तक श्री प्रेम प्रकाश ग्रंथ व श्रीमद् भगवत गीता के पाठों का शुभारंभ एवं सत्संग प्रवचन आरती होंगे। शाम 5 से 7 बजे बजे तक सत्संग, प्रवचन एवं आरती। 16 अप्रैल को स्वामी भगत प्रकाश महाराज अपनी संत मंडली के साथ संत हिरदाराम नगर में आएंगे एवं सुबह 8 बजे से 12 बजे तक उनके कर कमलों से जगदीश्वर भगवान श्री लक्ष्मीनारायण व सद्गुरु टेऊंराम महाराज के श्री विग्रहों (मूर्तियों) की प्राण प्रतिष्ठा एवं आश्रम का उद्घटन, सत्संग, हवन एवं ध्वजावंदन होगा।

स्वमी भगत प्रकाश महाराज

इसी दिन शाम 5 बजे से 7 बजे तक सत्संग प्रवचन एवं आरती की जाएगी। 17 अप्रैल शनिवार को प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक श्री प्रेम प्रकाश ग्रंथ व श्रीमद् भगवदगीता के पाठों का भोग, सत्संग व आरती होगी एवं शाम 5 से 7 बजे तक सत्संग, प्रवचन, आरती एवं भगत प्रकाश महाराज द्वारा पल्लव पाकर उत्सव का समापन किया जाएगा। प्रेम प्रकाश आश्रम के सभी सेवाधारियों ने नगर के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होकर अपने जीवन सफल बनाने की अपील की है।

निः शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन आज

जागरण, औबेदुल्लागंज। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के तत्वावधान में रविवार को सेवा सदन आंख जांच केंद्र महावीर कॉलोनी ब्रजकुंज कॉम्प्लेक्स में सुबह 9 से 12 बजे तक मोतियाबिंद शिविर का आयोजित किया जाएगा। इसमें सभी मरीजों की निशुल्क जांच होगी और मोतियाबिंद के मरीजों को चिकित्सालय के वाहन द्वारा ऑपरेशन के लिए सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय भोपाल ले जाया जाएगा। ऑपरेशन के लिए मरीजों को आधार कार्ड, मोबाइल नंबर लाना जरूरी होगा। शिविर में शुगर, बीपी जैसी सामान्य बीमारियों की जांच निशुल्क की जाएगी।

जो भाषा जमीन पर वही समाज जीवित है : शेवानी

सिंधी पंचायत ने उत्कृष्ठ सेवाओं के लिए किया सम्मान

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। हाल ही में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के साहित्य सम्मेलन जिसमें लगभग 24 भाषाओं के विद्वानों को देशभर से आमंत्रित किया गया था, उसमें भाग लेकर लौटे संत हिरदाराम नगर के जाने-माने सिंधी कवि एवं लेखक कनयो शेवानी का यहां की पूज्य सिंधी पंचायत ने स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर उन्होंने कहा कि वह भाषा जीवित है जो जमीन पर है। बटवारे के बाद हमें अपनी जमीन न मिलने के कारण भटकना पड़ा। जिसके कारण सिंधी भाषी लोग अलग-अलग क्षेत्रो में रहने लगे है और वहां की संस्कृति को अपना लिया। कन्हैयो शेवानी ने कहा कि यह दिन सिंधी समाज को अपनी जड़ों से जोड़ता है और भाषा और संस्कृति के प्रति गर्व की भावना को बढ़ावा देता है। सिंध के मूल निवासियों को सिंधी कहते हैं। हमें सिंधी भाषा को बनाए रखने के लिए अपने बच्चों से बचपन से लेकर सिंधी भाषा में बोलचाल करना पड़ेगा। चाहे वो स्कूल में हिंदी बोले या अंग्रेजी बोले। आज हम निर्णय लें कि सिंधी भाषा को जीवित रखने के लिए बच्चो को सिंधी भाषा सिखाएंगे। इस समय विश्व स्तर पर दस हजार भाषाएं बोली जाती है, जिसमें सिंधी बोली 46वें स्थान पर आती है। लगभग विश्व स्तर पर 6 करोड़ लोग सिंधी भाषा में बोलचाल करते हैं। इस अवसर पर साहित्यकार कन्हैयो शेवानी का शाल हारफूल मालाओं व श्रीफल से सम्मान किया गया। इससे पूर्व पंचायत अध्यक्ष माधु चादंवानी ने समाज के प्रत्येक नागरिक से घर में बच्चों के साथ मातृ भाषा में बातचीत करने की अपील की। यहां कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी ने भी विचार रखे, जबकि उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर महासचिव नंद दादलानी, उपाध्यक्ष भरत आसवानी, जगदीश आसवानी, जेठानंद मंगतानी, गुलाब जेठानी, माधव पारदासानी, घनश्याम लालवानी सहित अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सिंधी कवि व लेखक कनयो शेवानी को सम्मानित किया गया।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1
महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई० डी० नं. 0800800209, आवेदन क्रमांक-9882, आवेदन दिनांक-03/11/2025
क्रमांक OK/राजस्व/भौविप्रा/26 भोपाल
दिनांकः 26/03/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की साकेत नगर योजना स्थित प्लाट नंबर LIG क्रमांक 209 सेक्टर-2 सी आबंटी श्री आई.एस. पदम् एवं श्रीमती चंदादेवी पदम् के संयुक्त नाम पर आवंटित है। संयुक्त आवंटी मैं से श्री आई.एस. पदम् का स्वर्गवास दिनांक : 24/03/2024 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिस श्रीमती श्रीमती चंदादेवी पदम् द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं सहमति/शपथ पत्र तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत क्र. उक्त अपने नाम पर नामांतरण चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्ये/दस्तावेजो के साथ अधोहताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्ये/दस्तावेजो के साथ अधोहताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति /दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई डी. नं. 0900800167, आवेदन क्रमांक-11738, आवेदन दिनांक-06/04/2026
क्रमांक 1071/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल दिनांक : 10/04/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की कल्पतरु गृह निर्माण समिति साकेत नगर योजना स्थित भूखण्ड क्रमांक 167/2-सी आवंटी श्री वरुण कुमार घोस आत्मज श्री हरा कुमार घोस एवं श्रीमती भवानी घोस पत्नी श्री वरुण कुमार घोस के संयुक्त नाम पर अंकित है। संयुक्त आवंटी में से श्री वरुण कुमार घोस का स्वर्गवास दिनांक : 31/12/2025 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिसों में पत्नी श्रीमती भवानी घोस, पुत्रियां श्रीमती अनीता धर पत्नी श्री सुशांत कुमार धर, अनीता घोस पत्नी श्री सुशांत कुमार डे एवं श्रीमती रीना जाना पत्नी श्री सुशील कुमार जाना, द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं समस्त वारिसों की सहमति/शपथ पत्र तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड क्रमांक 167/2-सी का अपने संयुक्त नामों पर नामांतरण चाहा गया है।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

शक्ति से सुरक्षा की ओर 'सृजन' का आगाज 100 बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

मंडीदीप । नगर के औद्योगिक क्षेत्र में सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाया गया है। अभावग्रस्त बस्तियों के 100 बच्चों के लिए शुरू हुआ 18 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 'सृजन – एक पहल शक्ति से सुरक्षा की ओर' शुक्रवार को उत्साह के साथ प्रारंभ हुआ। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को आत्मरक्षा, लैंगिक समानता, कानूनी अधिकारों की समझ और व्यक्तित्व विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों में प्रशिक्षित करना है।

एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज (एएआईएम) के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम को मध्यप्रदेश पुलिस के तकनीकी सहयोग से पुलिस विभाग, नेटलिंक फाउंडेशन और कृषक सहयोग संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीओपी औबेदुल्लागंज शीला सुराणा के मार्गदर्शन में हुआ, जिन्होंने इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडीजी विनीत कपूर ने कहा कि इस प्रकार के प्रयास युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने इसे पुलिस और समाज के बीच विश्वास मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बताया। वहीं एसडीओपी सुराणा ने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रशिक्षण बालक और बालिकाओं दोनों को आत्मसुरक्षा के साथ-साथ परिवार की सुरक्षा में भी सक्षम बनाएगा।

कार्यक्रम के दौरान रोजाना सेल्फ डिफेंस की व्यावहारिक ट्रेनिंग के साथ मोटिवेशनल सत्र भी आयोजित होंगे। प्रतिभागियों को सुरक्षा के जरूरी टिप्स, कानूनी जानकारी, नेतृत्व कौशल और सामाजिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे, जिससे उनके आत्मविश्वास और भविष्य की संभावनाओं को नई दिशा मिलेगी।

SUDOKU 03

	1		2		8			3
7		2		5			6	
	4		7			2		9
	5			8				
		4				3		6
1	6	7			2		9	
	2					5		7
8		3			1		4	
	7				6	9		

SOLUTIONS 02

8	1	5	2	7	3	9	6	4
6	3	2	9	4	5	8	7	1
9	7	4	1	8	6	3	2	5
3	2	1	8	6	7	4	5	9
4	6	9	3	5	1	7	8	2
7	5	8	4	9	2	6	1	3
2	9	3	6	1	8	5	4	7
5	4	6	7	2	9	1	3	8
1	8	7	5	3	4	2	9	6

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। संतान की परीक्षा के परिणाम आपको खुशी देंगे। परिवार में एकजुटता बनी रहेगी और आय में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ : आज का दिन उन्नति की राह पर बढ़ने का रहेगा। परिवार के लिए लिए गए निर्णय पर कभी-कभी पछतावा हो सकता है।

मिथुन : आज का दिन मिलाजुला रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा और बिजनेस में पार्टनर पर नजर रखना जरूरी होगा। रुके हुए काम पूरे होंगे।

कर्क : आज नई प्रॉपर्टी की खरीदारी लाभदायक होगी। कार्यक्षेत्र में मनपसंद काम मिलेगा। उधार लिया हुआ धन वापस लिया जा सकेगा। माता-पिता की सेहत पर थोड़ा ध्यान दें।

सिंह : आज का दिन धन-धान्य में वृद्धि लेकर आएगा। घर में नया वाहन लाना संभव है। जीवनसाथी आपके कामों में सहयोग देंगे। पिताजी से कार्यों पर बातचीत लाभकारी रहेगी।

कन्या : आज सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। कामों को कल पर न टालें और बॉस के सुझाव पर अमल करें। घर का रिनोवेशन शुरू हो सकता है।

तुला : आज सोच-समझकर निर्णय लेने का दिन है। विद्यार्थी विदेश पढ़ाई के अवसर पा सकते हैं। सरकारी मामलों में लापरवाही से बचें। धन-धान्य में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक : आज अचानक लाभ का दिन है। प्रॉपर्टी डील से अच्छा मुनाफा होगा और बिजनेस में बदलाव लाभदायक रहेंगे। माताजी से किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है।

धनु : आज का दिन मौज-मस्ती भरा रहेगा। मित्र से सलाह लें और बिजनेस पार्टनरशिप लाभदायक रहेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

मकर : आज लेन-देन में समझदारी दिखाएं। आय और व्यय में संतुलन बनाए रखें। सहयोगी की बुरी बात से मन परेशान हो सकता है।

कुंभ : आज का दिन बढ़िया रहेगा। अच्छे सोच का लाभ उठाएं और राजनीति में नया काम शुरू कर सकते हैं। आय-व्यय में संतुलन रखें।

मीन : आज मन में काम को लेकर उथल-पुथल रहेगी। कार्यक्षेत्र में झूठा आरोप लग सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई में लापरवाही न करें। पुराना कर्ज चुका सकेंगे।

आज का पंचांगः 12 अप्रैल रविवार 2026। **दिशाशूल :** पश्चिम दिशा रहेगा। **पंचक :** रात्रि 03.45 से 17 अप्रैल को दोपहर 12.03 मिनट पर समाप्त। **भद्रा :** दोपहर 01.04 मिनट से रात्रि 01.18 मिनट तक। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु वैशाख मास कृष्ण पक्ष की दशमी 25 घंटे 18 मिनट तक तत्पश्चात एकादशी, श्रवण नक्षत्र तत्पश्चात धनिष्ठा नक्षत्र, साध्य योग तत्पश्चात शुभ योग, मकर में चंद्रमा तत्पश्चात कुंभ में।

सोशल मीडिया एंगेजमेंट में किसी के कंटेंट का वायरल होना आसान होता जा रहा है, लेकिन क्रिएटर के लिए फॉलोअर्स पाना अभी भी मुश्किल टास्क

● शेफाली भट्ट ●

असली चुनौती सिर्फ़ देखा जाना नहीं बल्कि याद रखा जाना है

परफॉर्मेंस मार्केटिंग बन रही इन्फ्लुएंसर की दुनिया

सोशल मीडिया एल्गोरिदम वायरल कंटेंट को प्रमोट करने के लिए बदल गए हैं, लेकिन कंटेंट क्रिएटर को फेमस नहीं बनाते। इस नई सच्चाई में, क्रिएटर्स और मार्केटर्स कैसे रिस्पॉन्ड कर सकते हैं? पिछले कुछ हफ़्तों में, क्रिएटर इकॉनमी की बातचीत में एक सुकून देने वाली बात ने जगह बना ली है: आपके फॉलोअर्स की संख्या अब मायने नहीं रखती। एल्गोरिदम ने लोगों तक पहुँच बनाने को आसान किया है और एक अच्छा कंटेंट कहीं से भी आ सकता है और हर जगह जा सकता है। यह काफी हद तक सच है, लेकिन दुर्भाग्य से, यह हमें यह भी बताता है कि हम क्रिएटर इकॉनमी के इवोल्यूशन में कहाँ हैं—पहले से कहीं ज़्यादा भीड़भाड़ वाला, ज़्यादा कॉम्पिटिटिव, ज़्यादा मोनेटाइज़्ड—और यह कैसे तय करता है कि कौन किसे चुनता है, जो ग्रोथ के लिए एक ज़रूरी चीज़ है।

नागपुर के कंटेंट क्रिएटर रौनक रामटेके क्रिएटर सर्कल के अंदर एक खास व्यवहार का जिक्र करते हैं: 'बड़े क्रिएटर्स अक्सर छोटे क्रिएटर्स को रीपोस्ट करने में ज़्यादा कम्फर्टेबल महसूस करते हैं क्योंकि यह प्रतिस्पर्धा के नजरिए से ज़्यादा सुरक्षित लगता है।' मुंबई और महाराष्ट्र के दूसरे हिस्सों में अपने 159,000 इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के लिए ट्रिविया वाला कंटेंट बनाने के अलावा, 32 साल के रामटेके एक कंज्यूमर इंटरनेट कंपनी में अपनी डे जॉब के लिए क्रिएटर इकॉनमी को ट्रैक करते हैं। ' किसी बहुत छोटे व्यक्ति का (कंटेंट) शेयर करना आपकी अपनी पोजीशन या ब्रांड बजट तक आपकी पहुँच को कोई खतरा पहुँचाए बिना अच्छा लग सकता है। इससे गुडविल भी मिलती है क्योंकि छोटे क्रिएटर के उस सपोर्ट को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने की संभावना ज़्यादा होती है, जो बड़े क्रिएटर पर अच्छा असर डालता है।'

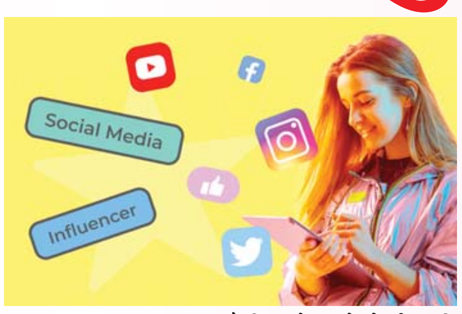

इसकी तुलना इस बात से करें कि क्रिएटर्स अपने साथियों के साथ कैसे जुड़ते हैं। यहाँ एक 'लाइक', वहाँ एक कमेंट। बिना किसी मतलब की बढ़ोतरी के पब्लिक अलाइनमेंट। एक मैच्योर क्रिएटर इकॉनमी में, साथी भी कॉम्पिटिटर होते हैं। और यही वह हिस्सा है जिसके बारे में हम बात नहीं करते। मुंबई की 23 साल की कॉमेडी कंटेंट क्रिएटर भव्या राज, जिनके इंस्टाग्राम पर करीब 96,000 फॉलोअर्स हैं, कहती है 'अगर किसी छोटे क्रिएटर का कंटेंट किसी बड़े क्रिएटर की फ़ीड पर आता है, तो इसका मतलब है कि उसे पहले से ही ऑर्गेनिक ट्रैक्शन मिल रहा है और इंस्टाग्राम एल्गोरिदम उसे एक्टिवली आगे बढ़ा रहा है।'

ऐसी दुनिया में जहाँ कुछ भी वायरल हो सकता है, असली चुनौती सिर्फ़ देखा जाना नहीं है। बल्कि याद रखा जाना है। आप देख सकते हैं कि यह प्रेशर कंटेंट को कैसे बदल रहा है। क्रिएटर्स को अब रील के पहले 5 सेकंड में यह बताने की ज़रूरत महसूस होती है कि वे कौन हैं और क्या करते हैं, जैसे कि हर वीडियो एक इंट्रोडक्शन हो, आगे का हिस्सा नहीं। इससे समय के साथ जान-पहचान बनाने की बहुत कम गुंजाइश बचती है; हर पोस्ट को आपके पहले पोस्ट की तरह माना जाता है। यह बदलाव रातों-रात नहीं हुआ। अगस्त 2022 के आसपास, क्रिएटर्स अलग-अलग पोस्ट पर मज़बूत एंगेजमेंट देख रहे थे, लेकिन इससे फ़ॉलोअर्स नहीं बढ़ रहे थे। एक वायरल पोस्ट दूर तक जा सकती है, लेकिन यह हमेशा क्रिएटर तक उसी ताकत से वापस नहीं आती। मार्केटर्स के लिए, इस बदलाव ने पुराने आराम को खत्म कर दिया है: एक समय था जब बड़ी फॉलोइंग लोगों को कम से कम लोगों का ध्यान खींचने की गारंटी देती थी। आज, वह भरोसा खत्म हो गया है। जिससे एक बड़ा सवाल उठता है: क्या इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग जल्द ही परफॉर्मेंस मार्केटिंग जैसी होने लगेगी? क्या ब्रांड क्रिएटर्स के बजाय कंटेंट के साथ ज़्यादा जुड़ेंगे, जैसा वे यू ट्यूब और बाकी वेब पर करते हैं? अगर ऐसा होता है, तो यह क्रिएटर ईगोसिस्टम को पूरी तरह से बदल सकता है।

गहरा अर्थ रखता है 'धुरंधर 2' में बोनी एम का रासपुतिन गाना

ग्रिगोरी रासपुतिन की वास्तविक जीवन की कहानी से एक उल्लेखनीय समानता प्रस्तुत करता यह गाना लेफ्टिनेंट जनरल शमशाद हसन की छिपी हुई शक्ति, विश्वासघात और पतन को दर्शाने के संकेत के रूप मे इस्तेमाल किया गया है।

● ईशिता भार्गव ●

धुरंधर 2 के क्लाइमेक्स में बोनी एम का गीत 'रासपुतिन' क्यों बजता है, यह कोई संयोग नहीं है। वायरल हुआ यह गीत लेफ्टिनेंट जनरल शमशाद हसन की छिपी हुई शक्ति, विश्वासघात और पतन को दर्शाता है, और ग्रिगोरी रासपुतिन की वास्तविक जीवन की कहानी से एक उल्लेखनीय समानता प्रस्तुत करता है, जिसमें उनके प्रभाव, विवाद और नाटकीय पतन को दिखाया गया है। कुछ गाने फिल्म में किसी दृश्य को जीवंत बनाने के लिए आते हैं। कुछ गाने उसे खामोशी से समझाने के लिए आते हैं। धुरंधर: द रिवेंज में आदित्य धर ने यही काम बखूबी किया है।

धुरंधर 2 को लेकर हो रही चर्चा का बड़ा हिस्सा स्वाभाविक रूप से इसकी बॉक्स ऑफिस सफलता, इसकी जटिल पटकथा और इसके वायरल हो चुके साउंडट्रैक पर केंद्रित रहा है। लेकिन फिल्म के सभी संगीत संबंधी पहलुओं में से सबसे खास है, लेफ्टिनेंट जनरल शमशाद हसन के क्लाइमेक्स के दौरान बोनी एम के 1978 के हिट गाने रसपुतिन का इस्तेमाल। यह चालाकी, व्यंग्य और गहरे अर्थ के लिए जाना जा रहा है: पहली नजर में यह थोड़ा सनकी लगता है। भला एक विश्व प्रसिद्ध डिस्को ट्रैक अचानक एक रहस्यमय जासूसी घटनाक्रम के साथ क्यों इस्तेमाल किया गया? लेकिन गौर से देखें तो यह चुनाव लगभग सही लगता है। यह सिर्फ चौंकाने के लिए इस्तेमाल किया गया गाना नहीं है। यह एक सांकेतिक संदेश की तरह काम करता है, जो दर्शकों को बताता है कि शमशाद कौन है, उसने कैसे काम किया है और उसका पतन क्यों जरूरी हो गया था। क्लाइमेक्स मे सामने आए लेफ्टिनेंट जनरल शमशाद हसन आईएसआई प्रमुख हैं और राज जुत्शी द्वारा अभिनीत हैं। वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जो खुद को किसी भी मायने से परे समझते हैं। शमशाद पहले तो घमंडी आत्मविश्वास के साथ प्रतिक्रिया देता है जिसे पूरा यकीन है कि सत्ता उसी के हाथ में है। लेकिन फिर पल भर में, सत्ता का पर्दाफाश हो जाता है। आत्मविश्वास कमजोरी में बदल जाता है। यही वह बिंदु है जहां से रसपुतिन की कहानी शुरू होती है। यह उन संगीत रचनाओं में से एक है जो श्रोताओं को एक ही समय में मुस्कुराने और सोचने पर मजबूर कर देती है।

यूं ही नहीं चुना गया ये गाना

फिल्म में रसपुतिन के गाने का इस्तेमाल अर्थपूर्ण अर्थ के लिए किया जा रहा है। शमशाद हसन हमेशा सुर्खियों में आए बिना ही आई एस आई को नियंत्रित करते हैं। यही बात रासपुतिन के साथ उनकी तुलना को इतना चतुराईपूर्ण बनाती है। फिल्म दो ऐसे व्यक्तियों के बीच एक रेखा खींचती हुई प्रतीत होती है जो एक सदी से भी अधिक समय से अलग हैं, लेकिन एक ही खतरनाक गुण ध वजग से एक हैं:

रासपुतिन वास्तव में कौन थे?

ग्रिगोरी रासपुतिन का जन्म 1869 में साइबेरिया में हुआ था और वे एक किसान परिवार से थे। फिर भी, वे ज़ार निकोलस द्वितीय के दरबार में अपनी पैठ बनाने में कामयाब रहे और शाही रूस के अंतिम वर्षों में सबसे विवादास्पद हस्तियों में से एक बन गए। महारानी एलेक्जेंड्रा का विश्वास जीतने के बाद उन्हें असाधारण पहुँच प्राप्त हुई, क्योंकि उनका मानना ??था कि वे उनके हीमोफिलिया से पीड़ित बेटे एलेक्सी के कष्टों को कम कर सकते हैं। धीरे-धीरे उनकी व्यक्तिगत पहुँच राजनीतिक प्रभाव में बदल गई। रासपुतिन कभी औपचारिक शासक नहीं थे, कभी ताजपोशी वाले अधिकारी नहीं थे, कभी राज्य सत्ता का आधिकारिक चेहरा नहीं थे। और यही कारण था कि उनसे इतना भय उत्पन्न होता था।

प्रथम विश्व युद्ध के वर्षों तक, उनकी प्रतिष्ठा और भी धूमिल और विवादास्पद हो गई थी।शराबखोरी, अय्याशी, रिश्वतखोरी और गुप्त प्रभाव की कहानियां हर जगह उनका पीछा करती थीं। एक ऐसा व्यक्ति जिसके पास सत्ता नहीं होनी चाहिए थी, फिर भी किसी तरह उसके पास अत्यधिक सत्ता थी। इसीलिए उनकी कहानी आज भी लोकप्रिय संस्कृति में जीवित है। रासपुतिन को केवल एक व्यक्ति के रूप में ही याद नहीं किया जाता। उन्हें एक चेतावनी के रूप में याद किया जाता है।

बोनी एम का गाना 'रा सपुतिन' उन चुनिंदा गानों में से एक है जो भ्रष्टाचार, ज्यादती और हिंसक पतन की कहानी सुनाते हुए भी आनंददायक लगता है। इसकी धुन दिल को छू लेने वाली है, लेकिन इसके केंद्र में मौजूद किरदार बिल्कुल भी मासूम नहीं है। यही विरोधाभास इस गाने को एक अमिट छाप देता है, और यही वजह है कि 'धुरंधर 2' में इसका इस्तेमाल एक बेहतरीन कहानी कहने का तरीका साबित होता है।

धुरंधर 2 में शमशाद के अपमान को इतिहास के सबसे कुख्यात गुप्त सत्ता दलालों में से एक दिखाया गया है। यह दर्शकों को संदेश देता है: यह व्यक्ति कभी राजा नहीं था, लेकिन उसने राजा जैसा व्यवहार किया। इसीलिए श्रोताओं ने सिर्फ गाना सुना ही नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपे विचार पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की। विश्वासघात, कूटनीति और भावनात्मक उतार-चढ़ाव से भरे इस चरमोत्कर्ष में आदित्य धर दर्शकों को सिर्फ एक वायरल संगीत का क्षण नहीं देते। एक गाना, एक संकेत, एक पतनशील नेता — और अचानक पूरा दृश्य जितना दिखता है उससे कहीं अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है।

गरम मौसम की एक्सेसरिज

कैप कल्चर

चमकीले नीले रंग के कॉटन ट्विल से बनी इस कैप के क्राउन पर आईलेट्स हैं और सामने घर का 'ट्रायम्फ' लोगो एम्ब्रॉयडरी किया हुआ है।
Mrporter.com पर उपलब्ध 48,052

लक्जरी स्टाइल

यह मौसम वॉर्डरोब में भी बदलाव लाता है, जिसमें हल्कापन और आसानी हो। लाइट ट्रेंड ग्लोबल रनवे पर छाया हुआ है, इसलिए यह खास तौर पर गर्मी के महीनों के लिए सही लगता है। सबसे अच्छे रूप में, इन दिनों मे ऐसे एक्सेसरिस की जरूरत है जो फंक्शन और फैशन को एक साथ लेकर चलते हैं।

नॉट परफेक्ट

अपने साफ, रेक्टेंगुलर सिल्हूट से पहचाने जाने वाले, सनग्लासेस की यह जोड़ी ग्लॉसी एसीटेट में बनी है और टेम्पल पर लेबल के सिग्नेचर गोल्ड-टोन्ड नॉट हार्डवेयर के साथ फिनिश की गई है। डिज़ाइन की स्लीक लाइनें इस मौसम के सॉफ्ट, शीयर आउटफिट के लिए एकदम सही हैं।
Mytheresa.com पर उपलब्ध; 56,146

सिर्फ चाय नहीं, एक हेल्दी ड्रिंक-गाबा चाय

● अरविंदा अनंतरामन ●

अपनी अलमारी मे मैंने एक बंद पैकेट देखा, एक असम गाबा चाय (टेलर मेड टीज़) जो मुझे कुछ महीने पहले एक टी स्वैप से मिली थी। मैंने इसे पहले कभी नहीं पिया था । किसी भी चाय के लिए मेरा शुरुआती काढ़ा लगभग हमेशा एक जैसा होता है: (1-2 टी स्पून) पत्तियां, उबलता पानी, 3-4 मिनट का भिगोने का समय। यह मेरे लिए हमेशा काम करता है, जब तक कि यह ग्रीन टी न हो, जिसे कम भिगोना और कम तापमान लगता है। मैंने गाबा असम ऊलोंग को अपने सामान्य तरीके से बनाया। ऊलोंग के रूप में, यह सेमी-फर्मेंटेड है लेकिन इसकी पत्तियां गहरे रंग की अच्छी तरह से रोल की हुई थीं। लेकिन इसके स्वाद ने मुझे पीली चाय, नटी/घास जैसे स्वाद की याद दिला दी। यह स्मूद और मज़ेदार था। गाबा गामा-अमीनोब्यूटिरिक एसिड का एक छोटा रूप है, जो एक रोकने वाला न्यूरोट्रांसमीटर है जिसके बारे में कहा जाता है कि इसका शांत करने वाला असर होता है। यह टमाटर, आलू और कुछ खट्टे फलों में भी पाया जाता है। यह हैरानी की बात है कि यह चाय इतनी कम बिकती है, इसके बावजूद कि इसका पूरा आधार इसके अमीनो एसिड लेवल पर आधारित है, जो आजकल बढ़ते हेल्दी ड्रिंक के ट्रेंड मे फिट है।

1980 के दशक के बीच में, ग्रीन टी को ज़्यादा 'फंक्शनल' बनाने या असल में इसके फ़ायदेमंद गुणों को बढ़ाने के तरीकों पर रिसर्च करते समय, जापानी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ एडवांस्ड फ़ूड रिसर्च के प्रोफ़ेसर तोजिरो त्सुशिदा और प्रोफ़ेसर तोशिनोबू मुराई को एक अजीब बात पता चली। चाय के सबसे मशहूर एंटीऑक्सीडेंट में से एक, एल -थीनाइन पर रिसर्च करते समय, उन्होंने पाया कि जब चाय की पत्तियों को स्टीम करने से पहले नाइट्रोजन के संपर्क में लाया जाता है (जापानी ग्रीन टी में ऑक्सीडेशन को रोकने के लिए स्टीमिंग का इस्तेमाल किया जाता है, न कि चीनी स्टाइल में रोस्ट करने के लिए), तो गामा-एमिनोब्यूट्रिक एसिड का प्रोडक्शन बढ़ जाता है। और इस तरह जापान में प्रोसेसिंग का एक नया तरीका शुरू हुआ, जिसे गैबरॉन टी कहा जाता है। टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चर की एक बाद की स्टडी (2022) इसी पर आगे बढ़ती है, जिसमें फर्मेंटेशन से पैदा होने वाली 'खराब गंध' को कम करने के लिए एक और कदम उठाया गया है। जापानी स्टैंडर्ड के हिसाब से, किसी चाय को गाबा चाय कहने के लिए, उसमें हर 100ग्राम चाय में 150एमजी गाबा होना चाहिए। बाद के दशकों में, ताइवानी चाय बनाने वालों ने इस स्टाइल और प्रोसेसिंग के तरीकों को अपनी चाय में इस्तेमाल किया। फिर भी, इसके लिए किए जाने वाले हेल्थ दावों को सही साबित करने के लिए स्टडीज़ काफी नहीं हैं। ऐसा लगता है कि गाबा चाय के कुछ लॉयल फैंस हैं, लेकिन यह ठीक वैसी ही चीज़ है जिस पर बड़ी इंडस्ट्री को ध्यान देना चाहिए और चाय के न्यूट्रिशनल पहलुओं को साबित करने के लिए और रिसर्च में इन्वेस्ट करना चाहिए। यह लोगों तक ज़्यादा चाय पहुँचाने का एक और तरीका है। हो सकता है कि गाबा को अब माचा जैसी पसंद न मिले, लेकिन चाय के तौर पर, यह एक दूसरे कप की हकदार है।

गाबा चाय के बारे में कहा जाता है कि इसका शांत करने वाला असर होता है, और यह स्ट्रेस और एंग्जायटी को कंट्रोल करने में मददगार होता है। हेल्थ के दावों को एक तरफ रख दें, तो गाबा चाय के अपने लॉयल फैंस हैं, और इसे इन दिनों बढ़ते हेल्दी ड्रिंक के ट्रेंड मे एक परफेक्ट फिट माना जा रहा है।

फोकस

आखिर युद्ध से मिला क्या

एक ही दिन में ट्रंप सर्वनाश की धमकी से संघर्षविराम तक कैसे पहुंचे?

ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम हो गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर इस युद्ध से क्या मिला क्योंकि अमेरिका और इजराइल ने जिस उद्देश्य से ईरान पर हमला किया था, वे तो अभी भी पूरे नहीं हुए हैं।

● नितिन गौतम ●

अमेरिका-इजराइल युद्ध का एक भी मकसद पूरा करने में नाकाम रहे। तख्ता पलट नहीं हुआ। खामनेई की जगह बेटे मोजतबा ने ली। परमाणु कार्यक्रम नहीं रुका, न मिसाइल कार्यक्रम पर रोक लग सकी। ईरान का दावा सही है, तो 15 हजार मिसाइलें अब भी उसके पास हैं। तमाम गाली-गलौज, धमकियों, सैन्य क्षमता खत्म करने से सभ्यता मिटाने की धमकियों के बावजूद ट्रंप ईरान की शर्तों पर होर्मुज के मुहाने आकर फंस गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भरोसा था कि ईरान झुक जाएगा, लेकिन छह हफ्ते और 13,000 से ज्यादा हमलों को झेलने के बाद तस्वीर अलग नजर आई। ईरान ने न सिर्फ मिसाइलें दागना जारी रखा, बल्कि होर्मुज जलडमरूमध्य को अपनी मुट्ठी में कसे रखा। आखिरकार वह हुआ, जो किसी ने नहीं सोचा था। ट्रंप ने सर्वनाश की धमकी वापस ली और 14 दिन का संघर्षविराम स्वीकार कर लिया। आखिर यह हुआ कैसे, ट्रंप क्यों पीछे हट गए, यही इस पूरे युद्ध का सबसे नाटकीय मोड़ है। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक ही दिन के दौरान ईरान को सर्वनाश की धमकी देने से लेकर यह घोषणा करने तक का सफर तय किया कि ईरान के नेतृत्व ने एक 'काम करने लायक' प्रस्ताव पेश किया है। ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य न खोलने पर ईरान के बिजली संयंत्रों और बुनियादी ढांचे को तबाह करने की जो धमकी दी थी, वह अपनी समयसीमा से करीब 90 मिनट पहले ही वापस ले ली। नतीजा यह हुआ कि अमेरिका, ईरान और इजराइल ने बुधवार को 14 दिन के संघर्षविराम पर सहमति जताई। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए लिखा- हमने अपने सभी सैन्य उद्देश्य पूरे कर लिए हैं और ईरान के साथ दीर्घकालिक शांति के लिए एक निर्णायक समझौते के बहुत करीब हैं।

विजेता की तरह उभरा ईरान

ईरान इसलिए विजेता की तरह उभरा, क्योंकि उसने दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका और बड़ी सैन्यशक्ति इजराइल के हमले झेल लिए। सर्वोच्च नेता समेत सरकार एवं सैन्य नेतृत्व की कई कतारें खो देने के बावजूद मजबूती से लड़ा। अंत में होर्मुज अपनी शर्तों पर खोलकर जंग रोकने के लिए माना। जो होर्मुज युद्ध के कारणों में कहीं नहीं था, ईरान ने उसे हथियार बनाया और अमेरिका को बेबस कर दिया। कई मोर्चों पर बड़े नुकसान के बाद भी, पश्चिम एशिया में ईरान बड़ी ताकत की तरह उभरा।

अमेरिका के दोस्त खाड़ी देशों को भी सबक

पश्चिम एशिया में अमेरिका के दोस्त खाड़ी देशों को महत्वपूर्ण ठिकानों को भी निशाना बनाकर ईरान ने ऐसा सबक सिखाया कि उनमें असुरक्षा का भाव घर कर गया। वहां अब हथियारों की नई होड़ शुरू होना तय है। अपनी सुरक्षा के लिए सभी देश नई रणनीति पर काम करेंगे। खुद ट्रंप को भी कहना पड़ा कि उन्हें शुरू में अंदाजा नहीं था कि ईरान खाड़ी देशों पर हमले करेगा।

सभ्यता मिटाने की धमकी से होर्मुज में फंसने तक...

शुरू की हिचकिचाहट के बाद भारत ने ईरान को साधा

भारत शुरुआत में असमंजस में रहा, लेकिन जल्दी ही कूटनीतिक तरीके से ईरान को साधा। इजराइल और ईरान में संतुलन साधना, निश्चय ही बड़ी चुनौती थी। हालांकि, अमेरिका से दूरी बनाए रखी। लेकिन, होर्मुज से अपने जहाज निकलवाए, घरेलू मोर्चे पर हालात संभाले, विपक्ष को ज्यादा मौके नहीं दिए।

हिजबुल्ला में ही इजराइल

ईरान ने हिजबुल्ला और हूती विद्रोहियों को सक्रिय कर इजराइल के खिलाफ नए मोर्चे खोल दिए। इजराइल को लेबनान पर ज्यादा फोकस होना पड़ा। इजराइल ने साफ भी कर दिया कि संघर्ष विराम में लेबनान शामिल नहीं है, उसके खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

वैश्विक वर्चस्व को झटका नाटो से बिगड़े रिश्ते

युद्ध ने अमेरिका के वैश्विक वर्चस्व को भी बड़ा झटका दिया। होर्मुज के लिए नाटो देशों ने ट्रंप का साथ देने से खुलकर इन्कार किया, तो स्पेन-इटली ने उसके विमानों को उड़ान भरने तक की इजाजत नहीं दी। उनका कहना था, युद्ध से पहले होर्मुज खुला ही था, तो युद्ध शुरू ही क्यों किया? ईरानी प्रस्ताव को पहले वार्ता का आधार बताने, फिर मुकरने के पीछे इज्जत बचाने का दांव है।

पाकिस्तान को नई पहचान

अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिये अपनी इज्जत बचाने का प्रयास किया। इज्जत तो नहीं बची, पर पाकिस्तान को नई जिओ-पॉलिटिकल पहचान मिल गई। प. एशिया के तमाम देश अमेरिका के साथ थे, लिहाजा ईरान ने भी मंजूर कर लिया। चीन व रूस की भूमिका इसलिए अहम रही कि उन्होंने सुरक्षा परिषद में बहरीन का होर्मुज खोलने का प्रस्ताव निरस्त कराया। पाकिस्तान यहां गैरहाजिर रहा।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

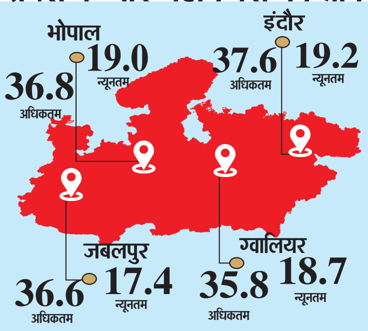

देश के चार महानगरों का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	34.7	18.6
मुंबई	34.6	26.5
चेन्नई	41.0	23.8
कोलकाता	33.6	23.6

सूर्यास्त 6:40 PM
सूर्योदय 6:04 AM
चन्द्रोदय 1.52 PM
चन्द्रास्त 12:48 AM

रिकॉर्ड रूम में लगी आग कांग्रेस ने बताई साजिश

जागरण, राजगढ़। जिला मुख्यालय पर किला क्षेत्र में शुक्रवार देर रात राजस्व विभाग के पुराने रिकार्ड रूम में आग लग गई। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। डिस्मेंटल घोषित भवन में वर्षों से राजस्व रिकार्ड रखने और असामाजिक तत्व उसमें निवास करने सहित कई मामले सामने आए हैं, जो आग लगने का कारण बताये जा रहे हैं। इसे लेकर पूर्व विधायक और कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रियव्रत सिंह, पूर्व विधायक बापूसिंह तंवर सहित अन्य नेताओं ने पुलिस और प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए लापरवाही और अपने पुलिस विभाग में पदस्थ एक कर्मचारी के बेटे को डिस्मेंडल घोषित बिल्डिंग में टहराने और उसमें जुआ-सट्टा चलने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने रिकार्ड रूम में आग लगाने वाले लोगों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। घटना के बाद रात को ही मौके पर एसडीएम सहित प्रशासनिक अमला पहुंचा था। मालूम हो कि देर रात पुराने कलेक्टर भवन में रखे वर्ष 2002 से पहले के रिकार्ड रूप में अचानक आग लग गई। यह रिकार्ड कलेक्टोरेट शिफ्ट होने के बाद पुराने रिकार्ड शिफ्ट न करते हुए वहीं ताले में बंद कर दिया था।

गुना में भाजपा पार्षद के परिवार पर जानलेवा हमला, गंभीर हालत में इलाज जारी

जन्मदिन का खूनी जश्न, बीच सड़क पर गुंडागर्दी के बाद पिकअप से चार को रौंदा

जागरण, गुना। प्रदेश में गुना के नानाखेड़ी क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात जन्मदिन की पार्टी खूनी संघर्ष में तब्दील हो गई। शराब के नशे में धुत रसूखदार युवकों ने न केवल मोहल्ले में उत्पात मचाया, बल्कि विरोध करने पर भाजपा पार्षद के परिवार के चार सदस्यों पर जानलेवा हमला करते हुए उन्हें महिंद्रा पिकअप वाहन से बेरहमी से रौंद दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि परिवार का एक सदस्य कई फीट दूर जाकर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने फरियादी श्याम कुशवाह की शिकायत पर आरोपियों पर केस दर्ज किया है।

जोरदार टक्कर के बाद युवक उछलकर कई फीट दूर गिरा

नानाखेड़ी क्षेत्र में पुष्पेंद्र, आकाश, दीपेंद्र रघुवंशी और उनका दोस्त आनंद अपने 20-25 साथियों के साथ सड़क पर जन्मदिन मना रहे थे। देर रात तक बीच सड़क पर हो-हल्ला और गंदी गालियां दी जा रही थीं। पड़ोस में रहने वाले भाजपा पार्षद के परिवार ने जब मर्यादा में रहने का हवाला दिया तो आरोपी उग्र हो गए। आरोपियों ने पहले कुशवाह परिवार पर लाठी-डंडों से हमला किया। इसके बाद दीपेंद्र रघुवंशी ने अपनी महिंद्रा पिकअप गाड़ी चालू की और पहले वाहन को पीछे (बैक) करके परिजनों को कुचला, फिर तेजी से आगे बढ़ाकर सड़क पर खड़े लोगों को रौंद दिया। चश्मदीदों के अनुसार, गाड़ी की रफ्तार इतनी तेज थी कि एक युवक उछलकर कई फीट दूर जा गिरा। घटना के बाद आरोपी मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़कर फरार हो गए।

वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल

परिजनों का आरोप है कि पूर्व में भी आरोपी आनंद कुशवाह की शिकायत की थी, लेकिन कड़ी कार्रवाई न होने से इनके हौसले बुलंद हैं। वारदात से मोहल्ले में दहशत है। फिलहाल सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

उत्पात मचा रहे युवकों ने प्रधान आरक्षक को पीटा

गुना शहर के यातायात थाने के ठीक सामने आधी रात को सड़क पर हंगामा कर रहे युवकों को यातायात थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक पंकज भट्ट ने समझाने और शांत करने का प्रयास किया, तो नशे में धुत आरोपियों ने सीधे वर्दी पर ही हाथ डाल दिया। आरोपियों ने प्रधान आरक्षक के साथ गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन सगे आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। रात को प्रधान आरक्षक पंकज भट्ट थाने पर ड्यूटी पर थे। इसी दौरान थाने के ठीक सामने स्थित आस्था होटल और ट्रैक्टर सर्विस सेंटर के पास से जोर-जोर से चिल्लाने की आवाजें आईं। सड़क पर हो रहे इस उत्पात को शांत कराने के लिए पंकज भट्ट अकेले ही वहां पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद लोगों को सार्वजनिक स्थान पर हंगामा न करने की समझाइश दी, लेकिन आरोपियों ने उन पर ही हमला कर दिया।

अतिक्रमण हटाने गई टीम पर पथराव, दागे आंसू गैस के गोले

जागरण, सतना। जिले के डॉली बाबा इलाके में निजी भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंची नगर निगम की टीम पर पथराव हो गया। पथराव इतना तेज था कि मौके पर मौजूद अधिकारी और कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए भागे। घटना में एसडीएम राहुल सिलाड़िया और थाना प्रभारी रावेंद्र द्विवेदी बाल-बाल बच गए। स्थिति काबू करने पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है। यहां ननि टीम कोर्ट के आदेश पर निजी भूमि से अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, 3 अधूरे अतिक्रमण गिराने के बाद जैसे ही जेसीबी नौशाद कबाड़ी के घर पहुंची। इस दौरान महिलाओं ने महिला पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की शुरू कर दी। दहिया परिवार, उसके रिश्तेदार और कोलाना बस्ती के लोग एकत्रित होकर पथराव करने लगे। पथराव में पुलिसकर्मी भी बचने के लिए भागते नजर आए। हालात को काबू करने पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। इसके बाद धीरे-धीरे स्थिति कंट्रोल में आई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पथराव में शामिल दो पुरुष और एक महिला को हिरासत में लिया है। अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। घटना के बाद प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा के बीच दोबारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की और अवैध कब्जे को हटाया। क्षेत्र में फिलहाल बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

बाल-बाल बचे एसडीएम और थाना प्रभारी

शिवपुरी में खड़े ऑटो पर पलटा खाद से भरा ट्रक, मातम में बदली खुशियां

शादी के अगले दिन ही काल बना ट्रक दूल्हा-दुल्हन और सास-भाभी की मौत

जागरण, शिवपुरी। प्रदेश में शिवपुरी जिले के सिरसोद थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। दुर्घटना में खुशियों से भरा एक परिवार पलभर में उजड़ गया। टोंगरा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास खाद से भरा एक अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे खड़े ऑटो पर पलट गया। इस भीषण हादसे में नवविवाहित दूल्हा-दुल्हन सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें ट्रक पलटते हुए दिख रहा है। पुलिस के अनुसार तेंदुआ थाना क्षेत्र के राजगढ़ गांव के रहने वाले 25 साल के वीरेंद्र शाक्य की शादी शुक्रवार को शिवपुरी की संजय कॉलोनी निवासी राजेश्वरी शाक्य से हुई थी। मंदिर में सादगी से विवाह के बाद शनिवार को दोनों अपने घर लौट रहे थे। ऑटो में उनके साथ दूल्हे की मां अन्वेश शाक्य, बहन भूरिया शाक्य और अन्य परिजन सवार थे। टोंगरा रोड पर ऑटो कुछ देर के लिए खड़ा था, तभी अचानक एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सीधे ऑटो पर पलट गया। देखते ही देखते ऑटो में बैठे लोग ट्रक के नीचे दब गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग दौड़ पड़े। घटना की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शवों को बाहर निकालने के लिए जेसीबी मशीन बुलानी पड़ी। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में वीरेंद्र शाक्य, उनकी नवविवाहित पत्नी राजेश्वरी शाक्य, मां अन्वेश शाक्य और भाभी राजो शाक्य शामिल हैं। ऑटो में सवार दूल्हे की बहन भूरिया शाक्य और चालक हादसे के वक्त बाहर होने के कारण बच गए। दबे हुए लोगों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। करीब आधे घंटे बाद सभी को निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया।

उज्जैन में मंदिर तोड़ने पर बजरंग दल व रहवासी भिड़े, किया पथराव

जागरण, उज्जैन। मंदिर के विस्थापन को लेकर शनिवार रात 8 बजे शहर में शुरू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। अटके हुए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई के दौरान पुलिस बल और नगर निगम की टीम के सामने ही दो पक्ष आपस में भिड़ गए और पथराव शुरू कर दिया। इस पथराव में सब-इंस्पेक्टर अंकित बनोध घायल हो गए। दरअसल पंचमपुरा क्षेत्र में नगर निगम सड़क चौड़ीकरण का काम करा रहा है। इसके तहत मंदिर और आसपास के अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू की जा रही थी।

स्थानीय रहवासियों में से कुछ लोगों ने मंदिर के विस्थापन के लिए सहमति दे दी थी। जबकि कॉलोनी के दो परिवारों ने इस पर आपत्ति जताई। चूंकि उनके मकान भी अतिक्रमण की जद में आ रहे थे, जिससे वे कार्रवाई का विरोध कर रहे थे। विरोध कर रहे परिवारों ने शनिवार को कार्रवाई के दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को मौके पर बुला लिया। इस दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ता जेसीबी और अन्य मशीनों से चल रही कार्रवाई को रोकने लगे। इसी दौरान वे रहवासी भी मौके पर पहुंच गए, जिन्होंने पहले ही मंदिर के विस्थापन के लिए सहमति दी थी। दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हुई, जो धीरे-धीरे तीखी नोक-झोंक में बदल गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों की ओर से पथराव शुरू हो गया। पत्थरबाजी के दौरान हालात बिगड़ते देख नगर निगम की टीम ने कार्रवाई रोक दी। घटना के दौरान इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और दोनों पक्षों को अलग किया।

पश्चिम मध्य रेल
म.रे.प्र. कार्यालय, टीआरडी शाखा, भोपाल-24,
सं. भोपाल/टीआरडी/ड्राइंग/डब्ल्यू.सी./471आर, दि. 10.04.2026
खुली ई-निविदा सूचना
वरि. मंडल विद्युत इंजी./टीआरडी/पश्चिम मध्य रेल, भोपाल, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए उनके समक्ष दर्शाई गई दिनांक को 11.00 बजे तक ई-टेन्डर आमंत्रित करते है। संपुर्ण निविदा प्रपत्र तथा निविदा से सम्बन्धित पूर्ण जानकारी वेबसाईट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। इस टेन्डर के लिए कोई मॅन्युअल ऑफर मान्य नहीं है। इस निविदा में कोई आवश्यक संशोधन, यदि जरुरी हो, तो निविदा खुलने के पूर्व वेबसाईट पर अपलोड कर दिया जायेगा। जिसे टेन्डर खुलने के दिन तक देखा जा सकता है। **निविदा क्र.:** बीपीएल/टीआरडी/डीआरजी/डब्ल्यू सी/471आर. **कार्य का विवरण: एक्सावेशन, सप्लाई, स्प्रेडिंग, लेवेलिंग ऑफ़ बलास्ट एंड ट्रेंचेस इन वेरियस स्विचिंग स्टेशंस ऑफ़ भोपाल डिवीज़न। कार्य समाप्त करने की अवधि:** 12 माह। **अनुमानित लागत:** ₹ 86,06,032.70. **ईएमडी:** ₹ 1,72,100/-. **जमा करने की अंतिम तारीख एवं समय:** 04.05.2026 को 11.00 बजे तक।
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

सैंपल के जरिए बड़ी डील का नया खेल, उड़ीसा से मप्र तक फैला तस्करी का नेटवर्क उजागर

गांजा तस्करों को ट्रेन से उतरते ही पुलिस ने दबोचा, तीन महिला सहित छह गिरफ्तार

जागरण, जबलपुर। जबलपुर में पुलिस ने गांजा तस्करी के नए तरीके का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। आरोपियों के पास से 7 किलो 206 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 3 लाख 60 हजार रुपए आंकी गई है। यह गांजा सैंपल के रूप में लाया गया था, जिसे पसंद आने पर बड़ी खेप की डील की जानी थी। पुलिस अब इस मामले में स्थानीय खरीदार की तलाश कर रही है। देश में उड़ीसा को गांजा तस्करी का बड़ा हब माना जाता रहा है, जहां से कई राज्यों में अवैध सप्लाई होती है। हाल ही में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ पुलिस की सख्ती के बाद तस्करों ने अपना तरीका बदल लिया है। अब वे छोटे-छोटे सैंपल लेकर अलग-अलग शहरों में घूम रहे हैं और संभावित ग्राहकों को दिखाकर बड़ी डील फाइनल करते हैं। जब सैंपल पसंद आ जाता है, तब बड़ी मात्रा में गांजा सप्लाई किया जाता है। जबलपुर में पकड़े गए आरोपी भी इसी रणनीति के तहत गांजा लेकर आए थे। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे उड़ीसा में गांजा की खेती कर इसे जबलपुर के एक व्यक्ति को बेचने आए थे।

गढ़ा स्टेशन पर दबिश, ट्रेन से उतरते ही गिरफ्तारी : शनिवार सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि गढ़ा रेलवे स्टेशन पर कुछ तस्कर उतरने वाले हैं और यहां बड़ी डील होने की संभावना है। इसके बाद क्राइम ब्रांच और तिलवारा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर दबिश दी। जैसे ही तीन महिलाएं और तीन पुरुष बैग लेकर ट्रेन से उतरे, पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

चार एकड़ बैंगन की फसल पर चलवाया रोटावेटर

जागरण, बड़वानी। जिले के राजपुर विकासखंड के ग्राम ऊंची में एक किसान की मेहनत और उम्मीदों पर पानी फिर गया। यहां रहने वाले किसान मंशाराम पंचोले ने अपनी चार एकड़ खेत में लगी बैंगन की खड़ी फसल को रोटावेटर चलाकर नष्ट कर दिया। जिस फसल को महीनों मेहनत से तैयार किया था, उसे खुद अपने ही हाथों मिट्टी में मिलाना किसान के लिए एक बड़ी मजबूरी बन गया। किसानों का कहना है कि उन्हें बैंगन के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं, जिससे लागत निकालना तो दूर की बात, फसल की कटाई करना भी भारी पड़ रहा है।

5 अस्पताल, 121 क्लीनिकों का पंजीयन निरस्त

जागरण, जबलपुर। बिना वैध पंजीकरण संचालित हो रहे 5 अस्पतालों और 121 क्लीनिकों का पंजीकरण निरस्त कर दिया है। इन अस्पतालों में मरीजों की भर्ती रोक लगा दी है। कार्रवाई का निजी स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यापक असर देखने को मिल रहा है। दरअसल, निजी अस्पतालों और क्लीनिकों के संचालन के लिए पंजीकरण का नवीनीकरण अनिवार्य होता है, जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने 1 जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक का समय निर्धारित किया था। विभाग द्वारा समय-सीमा के भीतर आवेदन करने के लिए बार-बार निर्देश भी जारी किए गए थे। इसके बावजूद कई संस्थानों ने नियमों की अनदेखी की।

कार्यालय नगर पालिक निगम, देवास (म. प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना क्र मांक / 3 / फायर / 2026 — देवास, दिनांक 08/04 / 2026

/ / निविदा आमंत्रण सूचना / /

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेन्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम दिनांक
01	2026_UAD_498598_1 08/04/2026	Small Water Tender Vehicle-3 no. Fabrication of Water Tender, on Minimum 5.0 Ton Chassis with Wheelbase of Minimum 3300 mm having an engine meeting BS-vi emission standard, as per specification with required accessories an equipment.	1. 02 माह 2. 75.00 लाख	1. 10,000/- 2. 2,25,000/-	29/04/2026 06:00 PM

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

उपायुक्त
नगर पालिक निगम, देवास (म.प्र)

इंस्टाग्राम पर फोटो डालकर प्रेमी जोड़े ने लगाई फांसी

शादी के 15 दिन पहले युवक ने प्रेमिका के साथ उठाया कदम

जागरण, राजगढ़। प्रदेश के राजगढ़ जिले में जंगल में महुए के पेड़ पर युवक-युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। दोनों के शव एक ही रस्सी के दो फंदों पर लटके मिले। युवक ने सुसाइड से पहले युवती के साथ किस करते कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी। मामला भोजपुर थाना क्षेत्र के ढाबली खुर्द गांव का है। मृतकों की पहचान ढाबली खुर्द के रहने वाले 23 साल के राकेश तंवर और राजस्थान के जामुनिया गांव की 21 वर्षीय धापू बाई तंवर के रूप में हुई है। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिजन के मुताबिक, राकेश की 15 दिन बाद शादी होने वाली थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। परिवार को उसके प्रेम संबंध की जानकारी नहीं थी। शनिवार सुबह कुछ ग्रामीण जंगल गए थे। इस दौरान पेड़ पर दोनों को लटके देखकर घबरा गए। फौरन गांव आकर लोगों को जानकारी दी। इसके बाद भोजपुर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एसडीओपी धर्मराज नागर, भोजपुर थाना पुलिस और खिलचीपुर टीआई उमाशंकर मुकाती मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव उतरवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए खिलचीपुर अस्पताल भिजवाए। घटनास्थल पर आसपास के गांवों के लोगों की भीड़ जुट गई।

इंदौर में आग से मर्सिडीज कार और दो बाइक जलीं

जागरण, इंदौर। शहर के भक्त प्रहलाद नगर में एक घर के बाहर आगजनी का मामला सामने आया है। दरअसल घटना शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे की है। आग में मर्सिडीज कार और दो बाइक जलकर राख हो गईं। सूचना के बाद दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग को फैलने से रोका और काबू पाया जा सका। फायर ब्रिगेड के मुताबिक भक्त प्रहलाद नगर स्थित हृदयेश दीक्षित के घर के बाहर खड़ी उनकी मसिर्डीज कार और दो वाहन आग में स्वाहा हो गए। आग लगने के चलते पूरे वाहन जलकर राख हो गए। यहां मौजूद सिक्योरिटी गार्ड ने फायर ब्रिगेड को आगजनी की सूचना दी। आग लगने का कारण अभी सामने नहीं आया है।

प्ररूप- ग्यारह
(नियम 9 देखिए)
मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता (भू-राजस्व की उगाही) नियम, 2020
न्यायालय तहसीलदार, तहसील गौहरगंज, जिला रायसेन (म.प्र.)
स्थावर संपत्ति के विक्रय की उद्घोषणा
[मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 147 (1) (ग) के अधीन]

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अनावेदक मेसर्स वैष्णवी कन्स्ट्रक्शन द्वारा श्री धीरज गुप्ता, पता 31/107, गोयल विहार, एसबीआई कॉलोनी, जोन नं 2, एम पी नगर भोपाल म.प्र., पर भू-राजस्व (रेरा बसूली) के लेखे में, राशि रुपए 5,168,078 (इक्यावन लाख, अढसठ हजार, अठत्तर रुपये)+बकाया राशि पर ब्याज (राशि अदा करने की तिथि तक ब्याज सहित) बकाया है। निम्न तालिका अनुसार प्रकरणों में वसूली की जाकर, समक्ष कॉलम 3 में अंकित आवेदकगणों को, कॉलम 4 में अंकित आर. आर. सी. क्रमांक के अनुसार, कॉलम 6 में अंकित राशि व कॉलम 5 में अंकित आदेश दिनांक से ब्याज सहित, राशि का भुगतान किया जाना है-

क्र.	प्रकरण क्रमांक	आवेदकगण	रेरा आर.आर. सी. क्र.	आर.आर. सी. आदेश दिनांक	आदेश दिनांक तक वसूली योग्य राशि एवं ब्याज पृथक से
1	2	3	4	5	6
1	0006/अ-16/2021-22	श्री रोहित राय पता एस बी 09, विजय स्तंभ, एम पी नगर भोपाल	N-MDD-20-0275	28-09-2021	₹ 3,92,688/- (तीन लाख, वानवे हजार, छ: सौ, अठ्ठासी रुपये)
2	0004/अ-16/2023-24	श्री सुगम सक्सेना पता जी 2/251, 1100 क्वार्टर, अरेरा कॉलोनी, भोपाल	N-MDD-20-0930	10-05-2023	₹ 14,62,389/- (चौदह लाख, बासठ हजार तीन सौ, नवासी रुपये)
3	0013/अ-16/2024-25	श्री हदीश आत्मज अमरूद्दीन पता 161, भगत नगर, पाथाखेडा, बैतूल म.प्र. (460449)	M-BPL-21-0527	25-09-2024	₹ 23,61,292/- (तेईस लाख, इक्सठ हजार दो सौ, वानबे रुपये)
4	0016/अ-16/2024-25	सुश्री किरण गिरी पता 332/ 9 बी साकेत नगर, हबीबगंज भोपाल	N-MDD-19-0161	07-07-2020	₹ 88,216/- (अट्ठाइस हजार, दो सौ सोलह रुपये)
5	0006/अ-16/2025-26	श्रीमती कविता पटेल निवासी 70, एआर, राजहर्ष कॉलोनी, कोलार रोड, भोपाल	N-MDD-18-0456	28-02-2023	3,63,493 /- (तीन लाख, तिरसठ हजार चार सौ, तेरानवे रुपये)
6	0010/अ-16/2025-26	श्री मोहम्मद मजहर निवासी हाउस नं. 739, स्ट्रीट नं. 07, अहमद अली कॉलोनी ऐशबाग भोपाल म.प्र.	N-BPL-19-0276	08-09-2021	5,00,000/- (पांच लाख रुपये)
कुल बसूली योग्य राशि ₹ 51,68,078/- (इक्यावन लाख, अढसठ हजार, अठत्तर रुपये)+ब्याज					₹ 51,68,078/- +ब्याज

उक्त वसूली हेतु अनावेदक की तहसील गौहरगंज अंतर्गत ग्राम मण्डीदीप स्थित स्थावर संपत्ति खसरा क्रमांक 473/1/2/1/2 रकबा 2.419 हेक्टेयर के अंश भाग पर स्थित आवासीय भूखण्ड क्रमांक- 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27 एवं 28 हैं, प्रत्येक भूखण्ड का क्षेत्रफल 1000 वर्गफिट अर्थात 92.93 वर्गमीटर है इस प्रकार कुल क्षेत्रफल (92.93 वर्गमीटर×14 प्लाट) 1301.02 वर्गमीटर अर्थात 14000 वर्गफिट भूमि पर स्थित परियोजना लोटस हाईटैक, कुर्क की गई है।
अत: उद्घोषणा की जाती है कि यदि इसमें नीलामी के लिए नियत दिनांक से पूर्व उपरोक्त संपूर्ण राशि का भुगतान नहीं कर दिया जाता है तो उक्त नीलामी की कार्यवाही न्यायालय तहसीलदार तहसील गौहरगंज जिला रायसेन म.प्र. मे दिनांक 24 अप्रैल 2026 को समय दोपहर 1:00 बजे खुली बोली के आधार पर की जावेगी। जिसके मूल्य की जानकारी निम्नानुसार है-

क्र.	खाता का विवरण एवं क्षेत्रफल	भूमि का बाजार मूल्य वर्ष 2025-26 के अनुसार नीलामी की न्यूनतम राशि	वसूली हेतु राशि
1	ग्राम मण्डीदीप खसरा क्रमांक 473/1/2/1/2 रकवा 2.419 हेक्टेयर के अंश भाग पर स्थित आवासीय भूखण्ड क्रमांक- 15 से 28 तक कुल क्षेत्रफल (92.93 वर्गमीटर×14 प्लाट) 1301.02 वर्गमीटर अर्थात 14000 वर्गफिट भूमि पर स्थित परियोजना लोटस हाईटेक का फ्लेट क्रमांक 124	₹ 10,82,311/-रूपये (दस लाख, बयासी हजार तीन सौ ग्यारह रुपये)	₹ 51,68,078/- (इक्यावन लाख, अड़सठ हजार, अठत्तर रुपये)+ब्याज

यदि नीलामी की कार्यवाही किसी कारणवस निर्धारित दिनांक 24 अप्रैल 2026 को सम्पन्न नहीं की जा सकेगी तो अगले कार्य दिवस में नीलामी की कार्यवाही सम्पन्न की जावेगी।
इश्तहार आज दिनांक 07 अप्रैल 2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया।

तहसीलदार
तहसील गौहरगंज, जिला-रायसेन

जी-11336/26
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

क्र. 832/निर्वाह/2026 — राजगढ़, दिनांक 03/04/2026

:: द्वितीय ई- निविदा सूचना :: वर्ष 2026-27 ::

म.प्र. जेल पूर्ति नियम 1968 एवं म.प्र. भण्डर क्रय एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु जेल में परिरूद्ध बंदियों के लिये खाद्यान्न सामग्री, सब्जियाँ, स्वच्छता सामग्री, दवाईया एवं जांच, भवन अनुरक्षण सामग्री एवं विद्युत सामग्री क्रय हेतु वार्षिक निविदायें ई-टेण्डरिंग पद्धति (Online System) के माध्यम से आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी सेन्ट्रल वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र.	विवरण	दिनांक व समय	स्थान
1.	प्री-बीड मिटिंग की तिथि	दिनांक 13.04.2026 दोपहर 12:00 बजे	कार्यालय अधीक्षक जिला जेल राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र. हेतु
2.	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि	दिनांक 30.04.2026 शाम 06:00 बजे	वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर प्राप्त किये जा सकेंगे।
3.	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	दिनांक 30.04.2026 शाम 06:00 बजे तक	https://www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन स्वीकार की जायेगी।
4.	नमूना प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	दिनांक 30.04.2026 शाम 06:00 बजे तक	कार्यालय अधीक्षक जिला जेल राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.
5.	नमूना गुणवत्ता परीक्षण	दिनांक 02.05.2026 दोपहर 12:00 बजे	कार्यालय अधीक्षक जिला जेल राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.
6	तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज ऑनलाईन) खोलने की तिथि-	दिनांक 04.05.2026 दोपहर 12:00 बजे	कार्यालय अधीक्षक जिला जेल राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.
7.	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 08.05.2026 दोपहर 12:00 बजे	कार्यालय अधीक्षक जिला जेल राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेब साईट पर (Online System) क्रेडिट कार्ड या ऑन लाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। निविदा एवं उससे संबंधी समस्त जानकारी ऊपर दर्शाई गई वेबसाईट पर देखें। निविदा के संबंध में किया जाने वाला कोई भी संशोधन संबंधित वेबसाइट पर किया जावेगा, जिसका प्रकाशन पृथक से समाचार पत्रों में नहीं किया जावेगा। निविदा संबंधी समस्त कार्यवाही जेल अधीक्षक जिला जेल राजगढ़ द्वारा की जावेगी

जेल अधीक्षक
जिला जेल राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

जी-11349/26
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

पंजाब किंग्स ने 10वीं बार 200 प्लस टारगेट किया चेज, हैदराबाद को हराया

अय्यर का 'रॉयल' फिनिश

पंजाब किंग्स को मैच फंसता हुआ नजर आया, तब क्रीज पर आए कप्तान श्रेयस अय्यर। अय्यर ने न केवल पारी को संभाला बल्कि पूरी तरह से मैच को अपनी मुट्ठी में कर लिया। उन्होंने 69 रनों की कप्तानी पारी खेली और मैदान के चारों ओर शॉट्स लगाए।

न्यू चंडीगढ़, जेएनएन। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 के रोमांचक मुकाबले में वो कर दिखाया जो अब उनकी पहचान बन चुकी है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में पंजाब ने न केवल 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की, बल्कि 10वीं बार 200 से अधिक रनों का लक्ष्य पीछा करने वाली आईपीएल इतिहास की पहली टीम बन गई। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में पंजाब ने इस सीजन की अपनी तीसरी जीत दर्ज की जबकि हैदराबाद की चार मैचों में यह तीसरी हार है। सात अंक पंजाब अंक तालिका में दूसरे जबकि हैदराबाद एक जीत से छठे नंबर पर है। इससे पहले, ओपनर अभिषेक शर्मा की 28 गेंद में 74 रन की तूफानी पारी के बाद पंजाब किंग्स ने वापसी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट पर 219 रन के स्कोर पर रोक दिया।

अभिषेक ने गेंदबाजों की उड़ाई धज्जियां

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत किसी डरावने सपने जैसी थी। सनराइजर्स के

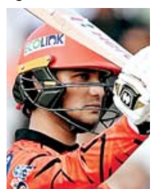

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आते ही पंजाब किंग्स के गेंदबाजों को जमकर धोया। अभिषेक ने महज 18 गेंदों में अर्धशतक जड़कर सनराइजर्स को पावरप्ले में ही 105/0 के स्कोर पर पहुंचा दिया।

अभिषेक पावरप्ले में 7 सिक्स लगाने वाले चौथे बैटर: अभिषेक शर्मा ने पावरप्ले में 7 सिक्स लगाकर रिकॉर्ड बनाया। वे आईपीएल पावरप्ले में 7 सिक्स लगाने वाले चौथे बल्लेबाज बने। उनसे पहले सनथ जयसूर्या, जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टो भी ऐसा कर चुके हैं। पंजाब की ओर से पहला ओवर फेंक रहे अर्शदीप सिंह ने वाइड से शुरुआत की। इसके बाद अभिषेक शर्मा ने चौका लगाकर टीम का खाता खोला।

प्रियांश-प्रभसिमरन का 'जवाबी हमला'

220 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स ने भी उसी अंदाज में जवाब दिया। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने ठीक वैसा ही खेल दिखाया जैसा हैदराबाद के लिए 'ट्रेविशेक' (ट्रेविस हेड और अभिषेक) ने दिखाया था। दोनों ने पावरप्ले में 93 रन जोड़ दिए और अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए। हालांकि, मैच में रोमांच तब बढ़ा जब शिवांग कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पंजाब के तीन विकेट जल्दी झटक लिए। 11वें ओवर में जब स्कोर 128/3 था, तब हैदराबाद को वापसी की उम्मीद जगी थी।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबादः 219/6 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
अभिषेक कॉ. अर्शदीप. बो. शशांक	74	28	5	8
ट्रैविस कॉ. जेवियर बो. शशांक	38	23	5	1
ईशान कॉ. मार्को बो. अर्शदीप	27	17	3	1
हेनरिक कॉ. कूपर बो. बार्टलेट	39	33	1	1
अनिकेत बो.(मार्कस/प्रभसिमरन)	18	9	1	1
सलील कॉ. जेवियर बो. अर्शदीप	9	8	0	1
नीतीश कुमार रेड्डी नाबाद	0	1	0	0
हर्ष दुबे नाबाद	1	2	0	0

अतिरिक्तः 13, **कुलः** 20 ओवर में 6 विकेट पर 219 रन, **विकेट पतनः** 1-120, 2-122, 3-169, 4-195, 5-214, 6-218, **गेंदबाजीः** अर्शदीप 4-0-50-2, जेवियर 4-0-42-1, मार्को 4-0-40-0, विजय 2-0-33-0, शंशाक 3-0-20-2, चहल 3-0-33-0,

पंजाबः 223/4 (18.5 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
प्रियांश का. नीतीश बो. शिवांग	57	20	5	5
प्रभसिमरन का. हैनरिक बो. शिवांग	51	25	4	4
कूपर का. अनिकेत बो. शिवांग	11	12	1	0
श्रेयस अय्यर नाबाद	69	33	5	5
नेहाल बधेरा बो. हर्ष दुबे	14	14	0	1
शंशाक सिंह नाबाद	16	9	1	1

अतिरिक्तः 05, **कुलः** 18.5 ओवर में 4 विकेट पर 223 रन, **विकेट पतनः** 1-99, 2-117, 3-128, 4-197 **गेंदबाजीः** हर्ष दुबे 4-0-38-1, जयदेव उनादकट 3-0-40-0, हर्षल पटेल 2-0-39-0, शिवांग कुमार 4-0-33-3, नीतीश कुमार रेड्डी 2-0-20-0, अभिषेक शर्मा 0.5-0-7-0.

लगातार तीन हार के बाद दिल्ली को हराकर चेन्नई ने चखा जीत का स्वाद

115 रन
56 गेंद
15 चौके
04 छक्के

नई दिल्ली, जेएनएन। लगातार तीन हार के बाद जब चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस के चेहरों पर मायूसी छाने लगी थी, तभी संजू सैमसन के बल्ले ने ऐसी आग उगली कि दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाज पूरी तरह नतमस्तक नजर आए। आईपीएल के इस रोमांचक मुकाबले में सीएसके ने न केवल जीत की राह पर वापसी की, बल्कि दिल्ली को करारी शिकस्त देकर टूर्नामेंट में अपना दम भी दिखा दिया। इस जीत के सबसे बड़े नायक रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन। संजू ने मैदान के चारों ओर शॉट्स की ऐसी बौछार की कि दिल्ली के फील्डर बस गेंद को सीमा रेखा के पार जाते देखते रह गए। उन्होंने महज 56 गेंदों का सामना करते हुए 115 रनों की नाबाद और विध्वंसक पारी खेली। उनकी इस शतकीय पारी की सबसे खास बात उनका स्ट्राइक रेट रहा, जो 205.36 का था। संजू ने अपनी पारी में 15 शानदार चौके और 4 छक्के जड़े। यह उनकी बल्लेबाजी का ही कमाल था कि चेन्नई का स्कोर 200 के पार पहुंच सका।

दिल्ली की पारी 189 रन हुई ढेर

चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से रखे गए 213 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की टीम संघर्ष के बावजूद 20 ओवरों में 189 रनों पर ढेर हो गई। चेन्नई ने यह मुकाबला 23 रनों से जीत लिया। दिल्ली की शुरुआत पथुम निसांका ने तूफानी अंदाज में की, जिन्होंने 24 गेंदों पर 41 रन कूटे, जबकि केएल राहुल 18 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि मध्यक्रम में समीर रिजवी (6) और कप्तान अक्षर पटेल (1) के सस्ते में आउट होने से टीम लड़खड़ा गई। ट्रिस्टन स्टब्स ने 38 गेंदों पर 60 रनों की जुझारू पारी खेलकर जीत की उम्मीदें जगाईं, लेकिन जेमी ओवरटन की घातक गेंदबाजी (4 विकेट) ने दिल्ली की कमर तोड़ दी। अंत में आशुतोष शर्मा (19) और डेविड मिलर (17) ने कोशिश जरूर की, लेकिन अंशुल कंबोज के 3 विकेटों और नूर अहमद की कसी हुई गेंदबाजी के सामने दिल्ली की पूरी टीम आखिरी गेंद पर 189 रन बनाकर सिमट गई।

संजू सैमसन ने 56 गेंदों पर 115 रन बनाए

संजू सैमसन ने मौजूदा सीजन में अपनी निराशाजनक शुरुआत को पीछे छोड़ते हुए नाबाद शतकीय पारी खेली जिससे चेन्नई सुपरकिंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर दो विकेट पर 212 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। सैमसन की 56 गेंदों की नाबाद 115 की पारी में उन्हें दूसरे छोर से आयुष महात्रे का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने रिटायर आउट होने से पहले 36 गेंदों में 3 चौकों और चार छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। सैमसन के आईपीएल करियर का यह चौथा शतक और सुपरकिंग्स के लिए पहला शतक है। सैमसन ने कई आकर्षक शॉट लगाए, जिसमें कुलदीप की गेंद पर एक्स्ट्रा कवर के ऊपर जड़ा गया छक्का खास रहा।

दिल्ली के लिए एकमात्र सफलता अक्षर को मिली: म्हात्रे की जगह क्रीज पर आए शिवम दुबे ने 10 गेंदों में दो चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 20 रन बनाए। कैपिटल्स के लिए एकमात्र सफलता अक्षर पटेल को मिली।

स्टब्स ने खेली 60 रन की पारी

दिल्ली की ओर से स्टब्स की फिफ्टी दिल्ली की पारी में नंबर-6 पर बल्लेबाजी करने उतरे ट्रिस्टन स्टब्स ने 38 बॉल पर 60 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उनकी पारी में 4 चौके और 3 छक्के शामिल रहे।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्सः 212/2 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
संजू सैमसन नाबाद	115	56	15	4
ऋतुराज का. निसांका बो. अक्षर	15	18	1	0
आयुष रिटायर्ड आउट	59	36	3	4
शिवम दुबे नाबाद	20	10	2	1

अतिरिक्तः 3, **कुलः** 20 ओवर में 2 विकेट पर 212 रन, **विकेट पतनः** 1-61, 2-1720 **गेंदबाजीः** आकिब 2-0-17-0, मुकेश 4-0-37-0, अक्षर पटेल 4-0-391, टी. नजराजन 4-0-54-0, एनगिडी 4-0-41-0, कुलदीप 2-0-24-0

पंजाबः 223/4 (18.5 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
निसांका का. ब्रेविस बो. अंशुल	41	24	5	2
लोकेश राहुल का. जेमी बो. खलील	18	10	2	1
रिजवी का. ब्रेविस बो. जेमी	6	9	1	0
अक्षर का. खान बो. गुरजापनीत	1	2	0	0
मिलर बो. जेमी ओवरटन	17	14	1	1
स्टब्स को. नूर बो. जेमी	60	38	4	3
आशुतोष को. अंशुल बो. नूर	19	10	1	2
नबी का. अकील बो. जेमी	4	2	1	0
कुलदीप को. ब्रेविस बो. अंशुल	7	4	0	0
एनगिडी को. गुरजापनीत बो. अंशुल	3	5	0	0
नटराजन नाबाद	1	2	0	0

अतिरिक्तः 15, **कुलः** 18.5 ओवर में 10 विकेट पर 189 रन, **विकेट पतनः** 1-61, 2-61, 3-66, 4-76, 5-121, 6-149, 7-154, 8-183, 9-185, 10-189 **गेंदबाजीः** अकील 2-0-20-0, खलील अहमद 3-0-40-1, अंशुल कंबोज 4-0-35-3, गुरजापनीत सिंह 4-0-39-1, जेमी ओवरटन 4-0-18-4, नूर अहमद 3-0-36-1

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

वैभव (राजस्थान)	200
क्लासेन (हैदराबाद)	184
यशस्वी (राजस्थान)	183

पर्पल कैप (गेंदबाज)

रवि विश्नोई (राजस्थान)	09
प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात)	06
अंशुल(चेन्नई)	06

बाउंड्री मीटर

296 छक्के
523 चौके
42 अर्धशतक
01 शतक

अभिषेक शर्मा ने महज 18 गेंदों में अर्धशतक जड़कर सनराइजर्स हैदराबाद को पावर प्ले में ही 105/0 के स्कोर पर पहुंचा दिया।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
राजस्थान	4	4	0	8	2.403
पंजाब	4	3	0	7	0.637
बेंगलुरु	3	2	1	4	2.501
दिल्ली	3	2	1	4	0.811
लखनऊ	3	2	1	4	-0.359
हैदराबाद	4	1	3	2	0.275
गुजरात	3	1	2	2	- 0.270
मुंबई	3	1	2	2	-0.715
चेन्नई	4	1	3	2	-2.517
कोलकाता	4	0	3	1	-1.315

बेंगलुरु के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेगी मुंबई इंडियंस

मुंबई, जेएनएन। इंडियन प्रीमियर लीग में अपने अभियान की धीमी शुरूआत के बाद मुंबई इंडियंस रविवार को वानखेड़े स्टेडियम पर गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू से खेलेगी तो उसका लक्ष्य अपने गढ में जीत की राह पर लौटने का होगा । तेरह सत्र में पहली बार मुंबई ने आईपीएल में जीत के साथ शुरूआत करते हुए दो सप्ताह पहले यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराया । पांच बार की चैम्पियन टीम हालांकि उसके बाद लय कायम नहीं रख सके और दूसरे मैदान पर दोनों मैच बड़े अंतर से हारने के बाद अब खराब रन रेट के साथ आठवें स्थान पर है। रोहित शर्मा को कुछ समय के लिये आरेंज कैप भी मिली लेकिन बल्लेबाजी मुंबई की चिंता का सबब है और आरसीबी जैसे दमदार प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक ईकाई के रूप में उसे अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी।

मध्यक्रम का नहीं चल रहा है बल्लाः मध्यक्रम में तिलक वर्मा और सूर्यकुमार नहीं चल पा रहे। सूर्यकुमार ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया लेकिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अगले मैच में नाकाम रहे। कप्तान हार्दिक पंड्या का बल्ला अभी तक चला नहीं है। गुवाहाटी में बल्लेबाजों की मददगार पिच पर मुंबई के बल्लेबाज लय को तरसते रहे।

आरसीबी की मजबूत है बल्लेबाजीः बल्लेबाजों की मददगार पिच पर आरसीबी के पास कई बेहतरीन बल्लेबाज हैं। कप्तान रजत पाटीदार (142), विराट कोहली (129) और देवदत्त पडिक्कल (125) ने अच्छी पारियां खेली है जबकि टिम डेविड (99), रोमारियो शेफर्ड और वेंकटेश अय्यर फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं।

अतिका मीर एफआईए इंटरनेशनल कार्ट महिला रैंकिंग में शीर्ष पर

लोनाटो, जेएनएन। भारतीय रेसिंग की युवा सनसनी अतिका मीर एफआईए इंटरनेशनल कार्ट रैंकिंग (आईकेआर) में महिला वर्ग में अपनी श्रेणी में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। अतिका मोटरस्पोर्ट की विश्व संस्था एफआईए की विश्व रैंकिंग में महिला रेसर में पहले स्थान पर हैं। यह 11 वर्षीय खिलाड़ी इंटरनेशनल ओके-एनजे वर्ग (12-14 वर्ष आयु वर्ग) में पुरुष और महिला दोनों वर्ग को मिलाकर कुल सातवें स्थान पर है। इस श्रेणी की रैंकिंग में स्विट्जरलैंड के जोल्टन कोइग्नी शीर्ष पर हैं। अतिका के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें 2026 की शुरुआत में मिनी वर्ग (8-12) से जूनियर वर्ग (12-14 वर्ष की आयु) में शामिल कर दिया गया था। वह पिछले महीने वालेंसिया में चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर एकेडमी (सीओटीएफए) सीरीज के पहले दौर में पोडियम पर पहुंची थी।

एशियाई युवा टेबल टेनिस में भारत का दबदबा कायम

शिमला, जेएनएन। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने शनिवार को यहां दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अलग-अलग वर्ग में 13 स्वर्ण पदक जीतकर अपना क्षेत्रीय दबदबा साबित कर दिया। भारत के प्रियनुज भट्टाचार्य ने अंडर-19 लड़कों के एकल फाइनल में हमवतन पुनीत बिस्वास को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। युगल में एमआर बालमुरुगन और मेहान सेंथिल ने पहले गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बांग्लादेश के अबुल हसीब और नफीज इकबाल को हराकर खिताब अपने नाम किया। अंडर-15 लड़कों के वर्ग में आदित्य दास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में हमवतन खिलाड़ी अक्षय किरिकारा को हराया। युगल का खिताब भी भारत के ही पास रहा जिसमें ऋषान चट्टोपाध्याय और आकाश राजवेलु ने नेपाल के खिलाफ पांच गेम तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की।

60 साल बाद कोई भारतीय मेंस सिंगल्स के फाइनल में पहुंचा

डिफेंडिंग चैंपियन को हराकर, आयुष पहुंचे एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय शटलर आयुष शेट्टी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया है। 60 सालों के बाद किसी भारतीय ने चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल में जगह बनाई है। आयुष से पहले दिनेश खन्ना ने 1965 में मेंस सिंगल्स में गोल्ड जीता था। आयुष ने चीन के झेजियांग में खेले गए सेमीफाइनल में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन थाई प्लेयर कुन्लावत वितिदसर्न को तीन गेम में हराया। आयुष ने पेरिस ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट और 2023 के वर्ल्ड चैंपियन वितिदसर्न पर 10-21, 21-19, 21-17 से जीत दर्ज की।

आयुष ने पिछली हार का बदला लिया

दोनों खिलाड़ी इससे पहले पिछले साल आर्कटिक ओपन में भिड़े थे, जहां वितिदसर्न ने सीधे गेम में जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार आयुष ने शानदार वापसी करते हुए हिसाब बराबर कर लिया। पहला गेम हारने के बाद जिस तरह उन्होंने वापसी की, उसने उनकी मानसिक मजबूती को भी साबित किया।

क्वार्टर फाइनल में क्रिस्टी को हराया

वर्ल्ड नंबर-25 आयुष ने क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड नंबर-4 जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया था। इसके अलावा उन्होंने चीनी ताइपे के चिन यू जेन और चीन के ली शी फेंग जैसे खिलाड़ियों को भी मात दी।

मैदान से हटकर

द कोरिया में विराट की जर्सी मिलते ही झूम उठी फैन

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की फैन फॉलोइंग सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर में फैली हुई है। इसका ताजा उदाहरण एक कोरियाई महिला फैन का वीडियो है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मिशेल नाम की इस फैन ने जैसे ही अपनी आरसीबी जर्सी अनबॉक्स की, उनकी खुशी देखने लायक थी। वीडियो में उनका एक्साइटमेंट पहले ही फ्रेम से साफ नजर आता है। वीडियो में मिशेल पैकेज खोलने से पहले ही मुस्कुराती नजर आती हैं। जैसे ही उन्होंने बॉक्स खोला, सबसे पहले कुछ स्टिकर्स निकाले और उन्हें देखकर खुशी जाहिर की। लेकिन असली पल तब आया जब उन्होंने जर्सी को बाहर निकाला। जर्सी हाथ में लेते ही वह हंसने लगीं, उसे गले से लगाया और फिर पहनकर अपनी खुशी जाहिर की। जर्सी पर 18 नंबर लिखा था, जो कि विराट कोहली का जर्सी नंबर है। मिशेल ने वीडियो के कैप्शन में अपनी भावनाएं भी शेयर कीं। उन्होंने लिखा, मैं एक कोरियन आरसीबी फैन हूं।

रोहित ने भावुक संदेश साझा कर सपोर्ट स्टाफ और फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट का आभार जताया

मुंबई इंडियंस में रोहित शर्मा के 15 साल पूरे

मुंबई, जेएनएन। रोहित शर्मा ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के साथ अपने 15 साल पूरे होने पर भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने इस लंबे सफर के लिए टीम, सपोर्ट स्टाफ और फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट का दिल से आभार जताया।

रोहित ने साफ कहा कि जो कुछ भी उन्होंने हासिल किया है, वह टीम के सामूहिक प्रयास का नतीजा है। रोहित ने अपने साथियों और स्टाफ को धन्यवाद देते हुए कहा, आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने इस सफर को इतना खास बनाया। पॉली, हार्दिक, सूर्या, शार्दुल, माली, कोच और आप सभी का शुक्रिया। आप लोगों के प्रयास के बिना यह सब मेरे लिए संभव नहीं होता।

पांच खिताब, लेकिन टीमवर्क सबसे अहम

रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने पांच आईपीएल खिताब जीते हैं, लेकिन उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय सिर्फ खुद को नहीं दिया। उन्होंने कहा कि यह सफलता पूरी टीम के सामूहिक प्रयास का नतीजा है, न कि किसी एक खिलाड़ी की व्यक्तिगत चमक का। रोहित ने अपने करियर के अहम पड़ावों को याद करते हुए फ्रेंचाइजी के मालिकों और मैनेजमेंट का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, हमने पांच ट्रॉफी जीतीं, लेकिन हम सभी जानते हैं कि यह पूरी टीम के प्रयास के बिना संभव नहीं था। आकाश अंबानी यहां नहीं हैं, भाभी भी नहीं हैं, लेकिन मैं उन्हें भी

टीम का साथ बना सबसे बड़ी ताकत

रोहित ने आगे कहा कि टीम के हर सदस्य ने उन्हें एक बेहतर लीडर बनने में मदद की। उन्होंने कहा, बहुत से लोग हैं जिनका धन्यवाद करना है। कई लोगों ने मुझे लीडरशिप रोल में बढ़ने में मदद की और अब एक खिलाड़ी के रूप में भी सभी का

इस विरासत को और ऊंचा ले जाना है

अपने संदेश के अंत में रोहित ने फ्रेंचाइजी से जुड़े हर व्यक्ति को धन्यवाद देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, जो लोग यहां नहीं हैं, उन्हें भी मैं दिल से धन्यवाद कहना चाहता हूं। इस खास सफर को बनाने के लिए सभी का शुक्रिया। जैसे पॉली कहते हैं, यह सिलसिला आगे भी जारी रहना चाहिए।

वैभव सूर्यवंशी गेंदबाजों के लिए बने चुनौती

18 गेंदबाजों में से 10 की पहली बॉल पर लगाई बाउंड्री

नई दिल्ली, जेएनएन। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में अपनी आतक्रामक बल्लेबाजी से गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं। उन्होंने अब तक 18 गेंदबाजों का सामना किया है, जिनमें से 10 के खिलाफ पहली ही गेंद पर बाउंड्री जड़ दी। चार मैचों में 200 रन, 266.67 का स्ट्राइक रेट और ऑरेंज कैप के साथ वैभव का दबदबा साफ नजर आ रहा है। खास बात यह है कि अब तक कोई भी गेंदबाज उन्हें बोल्ड नहीं कर सका है, जो उनकी तकनीक और आत्मविश्वास दोनों को दर्शाता है। आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी का बल्ला जमकर बोल रहा है। उन्होंने अब तक इस सीजन खेली गई चार पारियों में चौके-छक्कों की बरसात कर दी है। वह चार मैचों में 200 रन के साथ फिलहाल ऑरेंज कैप की रेस में सबसे ऊपर हैं।

प्रिय वैभव बेहतरीन प्रदर्शन -कोहली

वैभव को सुपरस्टार कोहली से मिली प्रशंसा किसी वरदान से कम नहीं है। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन पर वैभव को यह मौका मिला। वैभव आरसीबी के खिलाफ 26 गेंद में 78 रन बनाकर राजस्थान को जीत दिलाई। कोहली ने वैभव की कैप पर हस्ताक्षर करके खास संदेश लिखा-'प्रिय वैभव, शानदार प्रदर्शन'।

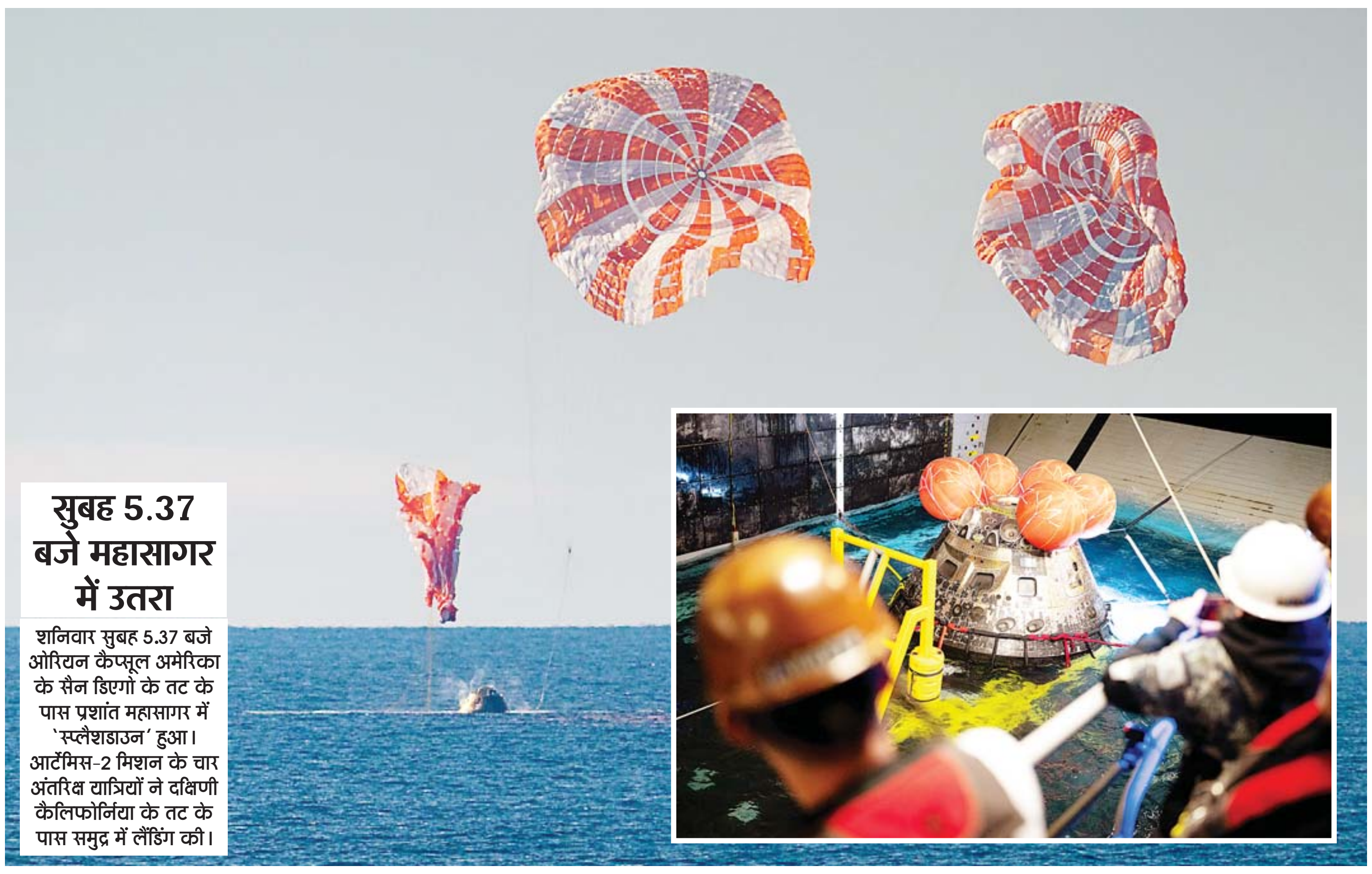

सुबह 5.37 बजे महासागर में उतरा

शनिवार सुबह 5.37 बजे ओरियन कैप्सूल अमेरिका के सैन डिएगो के तट के पास प्रशांत महासागर में 'स्प्लैशडाउन' हुआ। आर्टेमिस-2 मिशन के चार अंतरिक्ष यात्रियों ने दक्षिणी कैलिफोर्निया के तट के पास समुद्र में लैंडिंग की।

आर्टेमिस-2 मिशनः चांद का चक्कर लगाकर लौटे चारों एस्ट्रोनॉट

वॉशिंगटन, जेएनएन। नासा के आर्टेमिस-2 मिशन के चार अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की दहलीज को छूकर धरती पर वापस लौट आए हैं। शनिवार सुबह 5.37 बजे उनका ओरियन कैप्सूल अमेरिका के सैन डिएगो के तट के पास प्रशांत महासागर में 'स्प्लैशडाउन' हुआ। आर्टेमिस-2 मिशन के चार अंतरिक्ष यात्रियों ने दक्षिणी कैलिफोर्निया के तट के पास समुद्र में लैंडिंग की। ये मिशन 2 अप्रैल को लॉन्च हुआ था। 1972 के बाद यह पहली बार है, जब इंसान चंद्रमा के इतने करीब पहुंचा है। आर्टेमिस-2 के अंतरिक्ष यात्रियों ने 6 अप्रैल को पृथ्वी से सबसे ज्यादा दूरी तक यात्रा करके किसी भी इंसानी अंतरिक्ष मिशन का रिकॉर्ड तोड़ा था। उन्होंने चांद के अंधेरे हिस्से की फोटोग्राफी भी की थी। मिशन का मकसद स्पेसक्राफ्ट के 'लाइफ सपोर्ट सिस्टम' की जांच करना था। नासा देखना चाहता था कि अंतरिक्ष में इंसानों के रहने के लिए यह कितना सुरक्षित है। यान अभी चंद्रमा की सतह पर नहीं उतरा, लेकिन भविष्य में चंद्रमा पर इंसानों के बसने का रास्ता आसान बनाएगा।

3000 डिग्री तापमान और 6 मिनट का ब्लैकआउट

5.03 बजे सर्विस मॉड्यूल से अलग होने के बाद यान की हीट शील्ड सक्रिय हो गई। घर्षण की वजह से यान के बाहर का तापमान करीब 3,000 डिग्री फेरनहाइट तक पहुंच गया। इस दौरान 6 मिनट के लिए 'कम्युनिकेशन ब्लैकआउट' रहा। यानी धरती से संपर्क टूट गया। ऐसा तापमान के बढ़ने से यान के चारों ओर प्लाज्मा की परत बनने से हुआ। 5.23 बजे यान जब करीब 22 हजार फीट की ऊंचाई पर था तो ड्रोग पैराशूट खुले। पैराशूट ने समुद्र में गिरने से पहले ओरियन की रफ्तार कम की और उसे स्थिर बनाया। 5.34 बजे करीब 6,000 फीट की ऊंचाई पर छोटे पैराशूट अलग हो गए और तीन मुख्य पैराशूट खुले। इससे ओरियन की रफ्तार घटकर 218 किमी प्रति घंटे से भी कम रह गई।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ में दुबई-काठमांडू फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ,जेएनएन। लखनऊ में शनिवार सुबह दुबई से काठमांडू जा रही एक यात्री विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। खराब मौसम के कारण काठमांडू एयरपोर्ट पर लैंडिंग की अनुमति नहीं मिलने पर पायलट ने लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क किया। अनुमति मिलने के बाद फ्लाई दुबई की फ्लाइट को सुबह 8.22 बजे चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर सुरक्षित उतारा गया। विमान में कुल 154 यात्री सवार थे और सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं। लैंडिंग के बाद तकनीकी टीम ने विमान की जांच की और उसमें ईंधन भरा गया। करीब डेढ़ घंटे बाद सुबह 10 बजे विमान को काठमांडू के लिए रवाना कर दिया गया ।अधिकारियों के अनुसार, नेपाल की राजधानी काठमांडू में मौसम खराब होने के कारण विमान को वहां उतरने की अनुमति नहीं मिल पाई।

यौन उत्पीड़न के आरोप में एचआर मैनेजर सहित 11 गिरफ्तार

नासिक, जेएनएन। नासिक में एक प्रमुख आईटी/बीपीओ कंपनी में यौन उत्पीड़न और धार्मिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप सामने आए हैं, जिसे राजनीतिक हलकों में 'कॉर्पोरेट जिहाद' करार दिया गया है। शनिवार तक इस मामले में अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें 8 पुरुष कर्मचारी और कंपनी की एक महिला एचआर मैनेजर शामिल हैं। अब तक 8 महिला कर्मचारियों और 1 पुरुष कर्मचारी ने कुल 9 एफआईआर दर्ज कराई हैं। शिकायतों में 2022 से 2026 के बीच यौन शोषण, छेड़छाड़, और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप हैं। पीड़ितों का आरोप है कि उन्हें धार्मिक परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया, बीफ खाने का दबाव डाला गया और हिंदू देवी-देवताओं पर टिप्पणी की गई। पीड़िता के माता-पिता ने दावा किया कि उनकी बेटी को बुर्का पहनने और नमाज़ पढ़ने के लिए प्रेरित किया गया था।

मेरठ : बेटी की लाश के साथ 4 महीने रहा पिता

मेरठ, जेएनएन। मेरठ के सदर बाजार क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता अपनी 33 वर्षीय बेटी की लाश के साथ करीब 4 से 5 महीने तक रहा। यह घटना तेली मोहल्ले की है, जहां उदयभानु बिस्वास (76) शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हैं, उसने अपनी बेटी प्रियंका की मौत की खबर किसी को नहीं दी। प्रियंका की मौत दिसंबर 2025 में पीलिया के कारण हुई थी। पिता ने डॉक्टरों के बजाय तांत्रिक क्रियाओं का सहारा लिया था। लाश के सड़ने से आने वाली दुर्गंध को छिपाने के लिए पिता कमरे में परफ्यूम छिड़कता रहता था। जब पुलिस और रिश्तेदारों ने दरवाजा खोला, तो शव पूरी तरह सड़ चुका था और कंकाल बन गया था।

विधानसभा चुनावः भाजपा-टीएमसी ने प्रचार में झोंकी ताकत, एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप

टीएमसी का अहंकार तोड़ेगी जनताः मोदी भाजपा बंगाल विरोधी, घुसने न देंः ममता

पीएम ने मुर्शिदाबाद, जंगीपुर, कुशमंडी में की रैली, ममता ने भाजपा पर किया पलटवार

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। हालिया चुनावी रैलियों में दोनों नेताओं ने एक-दूसरे पर तीखे हमले किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मुर्शिदाबाद, जंगीपुर और कुशमंडी में रैलियों को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल की जनता टीएमसी के 'अहंकार' को चकनाचूर कर देगी। उन्होंने टीएमसी को 'निर्मम सरकार' और 'भ्रष्टाचार की जननी' बताते हुए कहा कि 15 साल के राज ने बंगाल को भयभीत रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि आजादी के बाद अंग्रेजों, कांग्रेस और वामपंथियों का अहंकार जिस तरह टूटा, वैसा ही टीएमसी के साथ होगा। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कथित अपमान और आदिवासी समुदाय की उपेक्षा को लेकर भी ममता सरकार पर निशाना साधा।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा को 'बंगाल विरोधी' बताते हुए आरोप लगाया कि वे बाहरी हैं और उन्हें अपने घर में घुसने नहीं देना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार पर चुनाव आयोग की मदद से उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने और बीएसएफ और सीआरपीएफ का इस्तेमाल कर महिला मतदाताओं को डराने का आरोप लगाया। ममता ने कहा, एक सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन बीजेपी पर नहीं। उन्होंने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर भी बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि वे बंगाल की संस्कृति और खान-पान में हस्तक्षेप कर रहे हैं।

...तो बंगाल तुम्हें वोट नहीं देगाः शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सीधा और पर्सनल हमला किया, चुनावी मौसम में उनकी चोटों का मजाक उड़ाया और उन पर 'वक्टिम कार्ड' खेलने का आरोप लगाया। बांकुरा जिले के रामसागर फिशरी ग्राउंड और एथानी फुटबॉल ग्राउंड में भारी भीड़ को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ममता दीदी कभी अपने पैर पर असली/नकली पट्टी बांधती हैं, तो कभी अपने सिर पर। इस चुनाव में, अपने सिर पर, अपने पैरों पर, या जहां चाहें पट्टी बांध लें, बंगाल के लोग आपको वोट नहीं देने वाले हैं। शाह ने कहा, भाजपा सरकार सभी के लिए एक कानून पक्का करेगी, खासकर एक से ज्यादा शादी की प्रथा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, कोई भी चार पत्नियां नहीं रख पाएगा। सभी के लिए बराबर कानून होंगे। उन्होंने संथाल समुदाय से भी बात की, और बनर्जी पर राज्य के दौरे के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी जी ने हमारी संथाल बहन को राष्ट्रपति बनाकर आदिवासियों का सम्मान किया। ममता जी यह बर्दाश्त नहीं कर सकतीं कि एक गरीब आदिवासी लड़की टॉप पर पहुंच गई है।

भ्रष्टाचार, घुसपैठ और मां-माटी मानुष मुद्दा

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होनी है। दोनों पार्टियों के बीच मुख्य मुकाबला देखने को मिल रहा है, जहां भाजपा भ्रष्टाचार और घुसपैठ को मुद्दा बना रही है, वहीं ममता सरकार 'मां-माटी-मानुष' और बाहरी बनाम बंगाली का नैरेटिव आगे बढ़ा रही है।

पश्चिम बंगालः शिक्षक भर्ती घोटाले

ईडी ने की पार्थ चटर्जी के ठिकानों पर छापेमारी

विधानसभा चुनाव से पहले ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े मामले में पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी के ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी के मुताबिक, शनिवार को कोलकाता में पार्थ चटर्जी व अन्य आरोपियों के खिलाफ नए सिरे से तलाशी अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई कथित शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई है। अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता में दो स्थानों पर तलाशी ली गई, जिनमें पार्थ चटर्जी का आवास और इस मामले में कथित बिचौलिए प्रसन्ना कुमार रॉय का घर शामिल है।

दुनिया भर में फंसी है ईरान की 120 अरब डॉलर की संपत्ति

तेहरान/वॉशिंगटन, जेएनएन। ईरान की विदेशी संपत्तियां लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण दुनियाभर में फ्रीज हैं। विभिन्न आकलनों के अनुसार, ईरान के 100-120 अरब डॉलर के एसेट्स विभिन्न देशों और वित्तीय संस्थानों में फ्रीज या प्रतिबंधित स्थिति में पड़े हैं। इन संपत्तियों में विदेशी बैंकों में जमा धन, तेल निर्यात से मिली कमाई, रियल एस्टेट निवेश और अन्य वित्तीय हित शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह राशि ईरान की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन प्रतिबंधों के कारण इसका उपयोग सीमित या असंभव बना हुआ है। 2023 में एक अहम समझौते के तहत दक्षिण कोरिया में फंसे करीब 6 अरब डॉलर को कतर के बैंकों में ट्रांसफर किया गया था। यह सौदा कैदियों की अदला-बदली के साथ जुड़ा था। पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद इस फंड पर फिर से कड़े प्रतिबंध लगा दिए गए और इसका उपयोग केवल मानवीय जरूरतों तक सीमित कर दिया गया।

पाकिस्तान बना शांति वार्ता का मंचः पाकिस्तान फिलहाल अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर पर बनी सहमति में मदद करने की सफलता का जश्न मना रहा है। पाकिस्तान के नेता शांति वार्ता की मेजबानी की तैयारी कर रहे हैं। राजधानी इस्लामाबाद में दो दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। करीब 10 हजार पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। दुनिया भर के देश लड़ाई खत्म होते ही होर्मुज स्ट्रेट के फिर से खुलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। युद्ध से पहले इस रास्ते से दुनिया के लगभग 20 फीसदी तेल की सप्लाई होती थी। पाकिस्तान का भी काफी कुछ दांव पर लगा हुआ है।

इन देशों में फंसी है ईरान की संपत्ति

- चीन में करीब 20 अरब डॉलर, द. कोरिया में 7 अरब डॉलर, इराक में 6 अरब डॉलर, लक्जमबर्ग में 1.6 अरब डॉलर, जापान में 1.5 अरब डॉलर की राशि फंसी।
- अधिकांश रकम ईरान के तेल निर्यात से जुड़ी है, जिसे अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते संबंधित देशों के बैंकों में रोक दिया गया।
- अमेरिका में सीधेतौर पर ईरान के करीब 2 अरब डॉलर के एसेट्स फ्रीज हैं। इसमें लगभग 5 करोड़ डॉलर की रियल एस्टेट और उससे होने वाली आय भी शामिल है।
- अमेरिका का प्रभाव केवल अपने देश तक सीमित नहीं है। ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल के जरिए अमेरिका वैश्विक वित्तीय प्रणाली पर प्रभाव डालते हुए अन्य देशों व बैंकों में भी ईरानी संपत्तियों को ब्लॉक या नियंत्रित करने की क्षमता रखता है।
- ओएफएसी की 'स्पेशली डिजिग्नेटेड नेशनल्स (एसडीएन) लिस्ट' के तहत ईरान से जुड़े कई बैंक, कंपनियां और संस्थाएं प्रतिबंधित हैं, जिससे उनके एसेट्स तक पहुंच लगभग असंभव हो जाती है।

लालू के पड़ोसी बनेंगे नीतीश

पटना, जेएनएन। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने के बाद अपने पद से इस्तीफे की तैयारी शुरू कर दी है। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री आवास '1 अणे मार्ग' खाली कर रहे हैं और अपना सामान '7 सर्कुलर रोड' स्थित बंगले में शिफ्ट कर रहे हैं। यह बंगला उनके पसंदीदा आवासों में से एक है और पहले भी वे 2014 में पद छोड़ने के बाद यहां रह चुके हैं। 7 सर्कुलर रोड बंगला, पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास (10 सर्कुलर रोड) के बहुत करीब (लगभग 200-250 मीटर की दूरी पर) है। नीतीश 13 अप्रैल को अंतिम कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने के बाद इस्तीफा दे सकते हैं। 14 अप्रैल को उनके औपचारिक इस्तीफे और 15 अप्रैल को बिहार में नई सरकार के गठन की संभावना है। शनिवार से ही मुख्यमंत्री आवास से फर्नीचर और अन्य घरेलू सामान ट्रैक्टर-ट्रॉली और ई-रिक्शा के जरिए नए आवास पर भेजा जा रहा है। नए बंगले के बाहर उनकी नेम प्लेट भी लगा दी गई है। यह बदलाव बिहार की राजनीति में एक लंबे युग के अंत और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली संभावित नई सरकार के आगमन का संकेत माना जा रहा है।

रणवीर सिंह ने संघ प्रमुख भागवत से की मुलाकात

नागपुर, जेएनएन। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह शुक्रवार को नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार के मेमोरियल पर गए। जहां उन्होंने उन्हें श्रद्धांजलि दी और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात की। बताया गया कि एक्टर ने संघ के दूसरे सरसंघचालक एम एस गोलवलकर के मेमोरियल पर जाकर उन्हें भी श्रद्धांजलि दी। रणवीर दोपहर करीब 4 बजे मुंबई से चार्टर्ड फ्लाइट से नागपुर पहुंचे। वे रेशिमबाग स्थित हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर गए, जो आरएसएस से जुड़ा प्रमुख स्थान है। आरएसएस से जुड़े लोगों ने रेशिमबाग स्थित स्मृति भवन में उनके दौरे की पुष्टि की है। हालांकि, उनके इस दौरे का उद्देश्य साफ नहीं किया गया। सूत्रों के हवाले से बताया गया कि दौरा छोटा, लेकिन अहम रहा। उन्होंने आरएसएस पदाधिकारियों के साथ कई विषयों पर बातचीत की।

महिला आरक्षण को न बनाएं सियासी हथियारः थरूर

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने महिला आरक्षण कानून को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, इसे राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इस पर जल्दबाजी में कदम उठाने से संघीय ढांचे, लोकतांत्रिक संतुलन पर असर पड़ सकता है। संसद के 16 अप्रैल से शुरू होने वाले विशेष सत्र से पहले थरूर ने आरोप लगाया कि सरकार तीन दिवसीय सत्र का इस्तेमाल आगामी विधानसभा चुनावों, लोकसभा चुनाव से पहले सियासी लाभ के लिए कर रही है। कांग्रेस हमेशा से महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने की पक्षधर रही है और 2013 में इसी पार्टी ने यह विधेयक राज्यसभा से पारित कराया। थरूर ने महिला आरक्षण कानून को परिसीमन से जोड़कर जल्दबाजी में लागू करना उचित नहीं होगा, इससे कुछ राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ सकता है, जबकि

अन्य राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जो लोकतांत्रिक संतुलन के लिए ठीक नहीं है। परिसीमन जनसंख्या के आधार पर लोकसभा,विधानसभा सीटों के पुनर्विन्यास की प्रक्रिया है। वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटों को 816 करने की योजना है। इससे उत्तर भारत के अधिक आबादी वाले राज्यों उप्र, बिहार व मप्र को ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। दूसरी ओर दक्षिण के राज्य जैसे तमिलनाडु और केरल को आशंका है कि उनकी सीटों का अनुपात घट सकता है, जिससे संसद में उनका प्रभाव कम हो जाएगा। विपक्ष का मानना है कि इससे क्षेत्रीय असंतुलन बढ़ सकता है।

मंत्री भुजबल का हेलिकॉप्टर कार पार्किंग में उतरा, बाल-बाल बचे

पुणे, जेएनएन। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल के हेलीकॉप्टर की शनिवार को पुणे में एक जोखिम भरी लैंडिंग हुई, जहां हेलीकॉप्टर निर्धारित हेलीपैड के बजाय कार पार्किंग क्षेत्र में उतरा। यह घटना इस साल की शुरुआत में हुए उस बड़े हादसे की याद दिलाती है, जिसमें राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जान चली गई थी। शनिवार सुबह भुजबल पुणे के पुरंदर तहसील के खानवडी गांव में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। पायलट को हेलीपैड दिखाई नहीं दिया और उसने गलती से हेलीपैड से लगभग 1-1.3 किलोमीटर दूर एक खाली कार पार्किंग क्षेत्र में हेलीकॉप्टर उतार दिया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ और मंत्री सुरक्षित रहे। हालांकि, पार्किंग में रोटर ब्लेड के कारण कारों या इमारतों को नुकसान पहुंचने का खतरा था। पुणे ग्रामीण पुलिस ने इस मामले की रिपोर्ट डीजीसीए को भेजने का फैसला किया है और पायलट के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। इस घटना ने महाराष्ट्र में काफी हड़कंप मचाया है, क्योंकि यह 28 जनवरी 2026 को हुए अजित पवार के दुखद विमान हादसे के कुछ ही महीनों बाद हुई है। अजित पवार का चार्टर विमान बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया था। जिसमें उनकी और उनके साथ सवार 4 अन्य लोगों की मौत हो गई थी। उस हादसे की वजह भी खराब विजिबिलिटी और धुंध को बताया गया था। इन दोनों घटनाओं के कारण वीवीआईपी उड़ानों और उनकी लैंडिंग प्रोटोकॉल की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

पुणे पहुंचे थे भुजबल, जनवरी में अजित का प्लेन हुआ था क्रैश

कूटनीति | अमेरिका-ब्रिटेन में मतभेद के बाद मॉरीशस के विदेश मंत्री रामफुल का दावा

'चागोस' को वापस लेने कसर नहीं छोड़ेगा मॉरीशस

नई दिल्ली, जेएनएन। मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफुल ने चागोस द्वीप समूह को वापस पाने के लिए 'कोई कसर नहीं छोड़ने' का संकल्प लिया है, क्योंकि ब्रिटेन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद इस समझौते को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया है। ब्रिटिश सरकार ने शनिवार को स्वीकार किया कि संसद में इस समझौते को पारित करने के लिए समय समाप्त हो गया है, और इसे मई में होने वाले 'किंग्स स्पीच' के अगले विधायी एजेंडे में भी शामिल नहीं किया गया है। विदेश मंत्री रामफुल ने स्पष्ट किया कि वे इस क्षेत्र के वि-उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए हरसंभव राजनयिक और कानूनी रास्ते अपनाएंगे। उन्होंने इसे न्याय का मामला बताया। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की सरकार का कहना है कि रणनीतिक डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डे की सुरक्षा उनकी प्राथमिकता है और यह समझौता अमेरिकी समर्थन के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। ब्रिटेन ने इस समझौते को फिलहाल 'डीप फ्रीज' में डाल दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप का विरोध

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस समझौते को 'घोर मूर्खता' और एक बड़ी गलती करार दिया है। उनका तर्क है कि इन द्वीपों को सौंपना एक रणनीतिक आत्मसमर्पण होगा और इससे यह क्षेत्र चीन के प्रभाव में जा सकता है। मूल समझौते के तहत, ब्रिटेन को चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपनी थी, जबकि डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डे को 99 साल के पट्टे पर अपने पास रखना था। इसके बदले में ब्रिटेन को मॉरीशस को सालाना लगभग 101 मिलियन पाउंड का भुगतान करना था।

डिएगो गार्सिया का महत्व

डिएगो गार्सिया हिंद महासागर में एक महत्वपूर्ण सैन्य अड्डा है, जिसका उपयोग अमेरिका, ब्रिटेन ने वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान युद्धों के दौरान किया था। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि इस अड्डे का नियंत्रण पूरी तरह ब्रिटेन के पास रहना सुरक्षित है।

MADHUR CARGO
Packers & Movers
A Unit of Shree Madhur Transport Co.
Contact : 9713068681
OUR SERVICES
HOUSE HOLD SERVICE
LOADING/UNLOADING
MOVING & SHIFTING
PACKING SERVICE
OFFICE SHIFTING
TRANSPORTATION PAN INDIA
24/7 Hours Service
SAFE & ECONOMICAL MOVING SERVICE
B-34, Madhur Plaza Near Gurudwara Transport Nagar Kokta, Bhopal PIN-462028

वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/-

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 505/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

आवश्यकता है

साक्षी ढाबे के पास फार्म पर गाय की देखभाल एवं अन्य कार्य हेतु शाकाहारी सेवक/परिवार की आवश्यकता है। रहने की व्यवस्था है, वेतन कार्य अनुसार।
संपर्क : 9303139085 (14-4)

FOR SALE

VECHILE FOR SALE MACHINE JCB EXCAVATOR JS 205 IDENTIFY NUMBER - 2237679 MODEL - 2015 SUNDARAM FINANCE LTD VNV PLAZA 3RD FLOOR M P NAGAR ZONE 2 BHOPAL CONTACT NO - 0755-2763104, 2577872 9425600585

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

70 किमी पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचे आदिवासी

जागरण, कटनी। कटनी में बरगी और बाणसागर परियोजनाओं से विस्थापित सैकड़ों आदिवासियों ने अपनी पुश्तैनी जमीन के अधिकार की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। ये ग्रामीण विजयराघवगढ़ क्षेत्र से 70 किलोमीटर पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। कलेक्ट्रेट तक के सफर में उन्हें तेज धूप और बारिश का सामना करना पड़ा। इस प्रदर्शन में कई महिलाएं अपने छोटे बच्चों के साथ शामिल थीं।

नवचंडी मेला भूमि निर्माण पर हाईकोर्ट की रोक

जागरण, खंडवा। मप्र हाईकोर्ट की जबलपुर मुख्य खंडपीठ ने खंडवा स्थित मां नवचंडी मेला भूमि (5.05 एकड़) पर नगर निगम द्वारा किए जा रहे दुकानों के निर्माण पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने मीना वर्मा की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मेला क्षेत्र की सीमा दीवार (बाउंड्रीवॉल) और सड़क के बीच किसी भी प्रकार का निर्माण नहीं किया जाएगा।

"ट्वीट ऑफ द डे"

रेखा गुप्ता
सीएम दिल्ली

ममता बनर्जी ने अपना निर्मम चेहरा बंगाल की जनता को पिछले 15 सालों में दिखाया है। यहां की बच्चियों पर जो अत्याचार हुए, महिलाओं का जो सम्मान छीना गया, वो पूरे देश ने देखा है। यह चुनाव बंगाल की बहनों को सम्मान दिलाने का, उनके अधिकार दिलाने का यह चुनाव है।

मप्र में शुरू होगा सीसीटीएनएस 2.0 20 भाषाओं में एफआईआर का अनुवाद

केस की धाराएं दर्ज करने में मिलेगी एआई की मदद, एक क्लिक पर मिलेगी अपराधियों की कुंडली

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के पुलिस थानों में अब एफआईआर के लिए नई व्यवस्था लागू होने जा रही है। इसके तहत एमपी पुलिस जल्द ही थानों में क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) 2.0 को लागू करने जा रही है। यह नया सिस्टम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लैस होगा, जो न केवल अपराधियों को पकड़ने में मदद करेगा बल्कि यह भी बता देगा कि किस इलाके में अपराध होने की आशंका ज्यादा है। फिलहाल एमपी पुलिस इसका ट्रायल कर रही है और दो माह के भीतर इस व्यवस्था को प्रदेशभर में लागू करने की तैयारी की जा रही है। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने इसे जल्द प्रदेश में लागू करने के निर्देश एससीआरबी के अफसरों को पिछले दिनों दे दिए हैं। इस नए नेटवर्क की खासियत यह भी होगी कि यह अन्य राज्यों से भी लिंक रहेगा ताकि इंटर स्टेट गिरोहों और अपराधियों की जानकारी तत्काल देश के सभी राज्यों को मिल सके। इससे पहले एमपी में साइबर अपराधों की जांच के लिए साइबर फॉरेंसिक लैब में ई-फॉरेंसिक 2.0 भी शुरू किया गया है।

इस तरह काम करेगा सीसीटीएनएस 2.0

- सीसीटीएनएस 2.0 में अपराधियों की पूरी कुंडली होगी। एक क्लिक पर यह सिस्टम अलग-अलग राज्यों और थानों में दर्ज एफआईआर का विश्लेषण कर किसी भी अपराधी की प्रोफाइल बना देगा। अगर किसी अपराधी ने अलग-अलग नामों से जुर्म किया है, तो एआई उसे पहचान कर यह जानकारी भी देगा कि ये सभी अपराध एक ही व्यक्ति ने किए हैं।
- क्राइम होने से पहले ही सीसीटीएनएस 2.0 पुलिस को अलर्ट करेगा। इसे प्रिडिक्टिव पुलिसिंग कहा जाता है। यह सिस्टम पुराने डेटा और स्थानीय घटनाओं के जरिए यह बताएगा कि आने वाले समय में किन इलाकों में अपराध बढ़ सकते हैं। इससे पुलिस को गश्त, बीट प्लानिंग और सुरक्षा बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।
- सीसीटीएनएस 2.0 की एक अन्य खूबी 20 भाषाओं में अनुवाद की सुविधा भी है। अभी अन्य राज्यों की स्थानीय भाषाओं में दर्ज एफआईआर को बदलने के लिए अनुवादक की जरूरत होती है, लेकिन अब एफआईआर एआई सॉफ्टवेयर के जरिए देश की 20 प्रमुख भाषाओं में खुद ट्रांसलेट हो जाएगी। इससे दूसरे राज्यों की पुलिस के साथ जानकारी साझा करना और बाहरी अपराधियों को पकड़ना आसान हो जाएगा।
- सीसीटीएनएस 2.0 का एक फीचर अपराधी के चेहरे के साथ नंबर प्लेट की पहचान भी होगा। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के जरिए यह एआई सिस्टम भगोड़े अपराधियों के चेहरों को भीड़ में भी पहचान लेगा। इसके अलावा ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) के जरिए ट्रैफिक रूल तोड़ने वाले वाहनों की भी पहचान कर इसकी जानकारी संबंधित थानों को दे देगा।
- सीसीटीएनएस के जरिए कोर्ट और थानों के बीच सालों से लंबित पड़े मामलों के निपटारे की स्पीड में तेजी आएगी। इससे पीड़ितों को मदद मिलेगी। स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) के अफसरों के अनुसार अब मेडिकल केस, जीरो एफआईआर और कोर्ट से जारी होने वाले वारंट की जानकारी सीधे और तुरंत थानों तक पहुंचेगी। इससे कागजी कार्रवाई में होने वाली देरी खत्म होगी।

ये खास फीचर भी होंगे शामिल

- एफआईआर दर्ज करते समय एआई मॉडल खुद यह सुझाव देगा कि इस केस में कौन सी कानूनी धाराएं लगाई जानी चाहिए, जिनके जरिए केस पुख्ता बने।
- आदतन अपराधियों (हिस्ट्रीशीटर्स) की कुंडली पहले से तैयार रहेगी। इसके आधार पर रिस्क स्कोर के जरिए ऐसे शातिरों को ट्रैक किया जा सकेगा।
- प्रदेश में फिलहाल 1100 पुलिस थाने हैं, यहां अभी बुनियादी सीसीटीएनएस सिस्टम काम कर रहा है। इस सिस्टम के अपडेट होने से एमपी पुलिस को तकनीक की मदद से अपराधों पर काबू पाने में भी मदद मिलेगी।
- इसे प्रदेश में लागू करने का जिम्मा एससीआरबी के पास है। इससे पहले प्रदेश की पुलिस ई-एचआरएमएस और ई-ऑफिस सिस्टम को भी लागू कर चुकी है। ट्रायल के बाद अब सीसीटीएनएस 2.0 के जरिए पुलिस अपने काम में तकनीकी मदद के दायरे को आगे बढ़ाएगी।
- इस सिस्टम के जरिए ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने के साथ ही चरित्र प्रमाण पत्र बनवाने और गुमशुदा लोगों की रिपोर्ट करने की ऑनलाइन सुविधा मिलेगी।

3200 करोड़ फ्रॉड के सरगना को दुबई से लाने की तैयारी

रेड नोटिस के बाद केंद्र सरकार भी हुई एक्टिव, इंटरपोल और यूएई सरकार को सौंपे दस्तावेज

मुख्य संवाददाता, भोपाल। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) 3200 करोड़ रुपये से ज्यादा के साइबर फ्रॉड के मास्टरमाइंड लविश चौधरी उर्फ नवाब को अगले चार माह में वापस ला सकती है। इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद अब इस मामले में केंद्र सरकार ने भी एक्शन लेना शुरू कर दिया है। पीएचक्यू के एक वरिष्ठ अफसर के मुताबिक, रेड नोटिस के बाद उसे दुबई से भारत लाने के लिए केंद्र सरकार के स्तर पर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। प्रत्यर्पण के नियमों के अनुसार लविश को लाने से पहले भारत सरकार की तरफ से अपराधों की डिटेल के साथ उसे कस्टडी में रखने की जगह तक की जानकारी भेजी जाएगी। यूएई के नियमों के अनुसार इस सारी कार्रवाई में लगभग तीन से चार माह का समय लग सकता है। यह मप्र एसटीएफ के लिए पहला ऐसा मामला होगा जब विदेश में छिपे किसी अपराधी को वापस लाया जाएगा।

रेड नोटिस के बाद केंद्र सरकार ने किए ये प्रयास: दो माह पहले ही रेड नोटिस जारी होने के बाद एसटीएफ ने इंदौर की स्पेशल कोर्ट में प्रत्यर्पण की अर्जी दाखिल की थी। कोर्ट से मंजूरी मिलने के बाद अब उसे लाने की प्रक्रिया के लिए केंद्र सरकार की मदद ली जा रही है। एसटीएफ ने इसके लिए एफआईआर, केस डायरी, सबूत जैसे लगभग 200 दस्तावेजों का हिंदी से अरबी और अंग्रेजी में अनुवाद कराया है और इन्हें सीआईडी के जरिए केंद्रीय गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को भेजा है। यहां से इन्हें यूएई सरकार को सौंपा जाएगा। विदेश और गृह मंत्रालय भी अपने-अपने स्तर पर यूएई के साथ डिप्लोमैटिक चैनलों और इंटरपोल के जरिए लगातार फॉलो-अप ले रहे हैं। पीएचक्यू को उम्मीद है कि अगर सब सुचारू रहा तो 3 से 4 महीने में यूएई की अदालत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे देगी, जिसके बाद एसटीएफ टीम दुबई जाएगी।

कई कंपनियों के जरिए की ठगी, कार्रवाई के डर से विदेश में छिपा

लविश मूल रूप से यूपी के मुजफ्फरनगर का रहने वाला है और बतौर बास्केटबॉल कोच

उसने अपना करियर शुरू किया था। इंदौर के ईशान सलूजा की शिकायत पर जब एसटीएफ ने जांच शुरू की तो उजागर हुआ कि वह 3200 करोड़ की साइबर ठगी का मास्टरमाइंड है। इस मामले में उसके 10 साथियों को एसटीएफ पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। लविश ने बोटब्रो, क्यूएफएक्स ट्रेड, यॉर्कर एफएक्स, टीएलसी कॉइन जैसी फर्जी कंपनियों में निवेश एक से दो साल में ही दोगुना होने का झांसा देकर लोगों से रकम म्यूल खातों में जमा कराई। इस फंड को क्रिप्टो और हवाला के जरिए दुबई ट्रांसफर किया गया, जिससे लविश ने लग्जरी प्रॉपर्टी खरीदी। अपने एजेंटों को लविश विदेश में महंगी पार्टी देता था। एसटीएफ ने फिलहाल उसके खातों में जमा 260 करोड़ रुपये को फ्रीज करा रखा है। इसके अलावा ईडी ने भी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में उसके कई बैंक अकाउंट्स और प्रॉपर्टी फ्रीज कर रखी है। जानकारी के मुताबिक लविश दुबई में ही छिपा हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

भोपाल से चलने वालीं 10 ट्रेनों में कोच परिवर्तन

नगर संवाददाता, भोपाल। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेल प्रशासन ने भोपाल व आरकेएमपी से शुरू व खत्म होने वाली दस ट्रेनों में स्थाई तौर पर कोच परिवर्तन किया है। रेलवे का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को अधिक किफायती एसी यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना एवं मांग के अनुरूप बेहतर सेवा प्रदान करना है। स्थाई कोच संयोजन से यात्रियों को बेहतर सुविधा एवं संतुलित यात्री भीड़ प्रबंधन में सहायता मिलेगी। रेलवे द्वारा अधिसूचित ट्रेनों में स्थाई आधार पर 1 एसी-3 टियर कोच की जगह 1 एसी-3 इकॉनॉमी कोच जोड़ा जाएगा।

इन ट्रेनों में कोच परिवर्तन: गाड़ी संख्या 12185 रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन में 15 जून से। गाड़ी संख्या 12186 रीवा-रानी कमलापति एक्सप्रेस ट्रेन में 16 जून से। गाड़ी संख्या 12155 रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस ट्रेन में 17 जून से। गाड़ी संख्या 12156 हजरत निजामुद्दीन-रानी कमलापति एक्सप्रेस ट्रेन में 20 जून से। गाड़ी संख्या 22165 भोपाल-सिंगरौली एक्सप्रेस में 20 जून से। गाड़ी संख्या 22166 सिंगरौली-भोपाल एक्सप्रेस में 23 जून से। गाड़ी संख्या 11633 भोपाल-चोपन एक्सप्रेस में 21 जून से। गाड़ी संख्या 11634 चोपन-भोपाल एक्सप्रेस में 22 जून से। गाड़ी संख्या 11631 भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस ट्रेन में 22 जून से।

ट्रेन में चढ़ने पर फिसला पैर, टुकड़ों में बंटा युवक

जागरण, रतलाम। प्रदेश के रतलाम रेलवे स्टेशन पर रूह कंपा देने वाला हादसा हुआ। दरअसल प्लेटफार्म क्रमांक-04 पर चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई और मृतक का शव के दो टूकड़े हो गए। मृतक की पहचान दाऊद अयाज बेग उम्र 40 वर्ष, बरेली, उत्तर प्रदेश के रूप में की गई है। घटना शुक्रवार दोपहर 2.35 बजे की है। घटना प्लेटफार्म पर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 12904 गोल्डन टेंपल मेल के रवाना होते समय एक व्यक्ति चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह संतुलन खो बैठा और ट्रेन की चपेट में आ गया। सूचना मिलने पर आरपीएफ के एसआई गवेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे, जहां स्टेशन मास्टर रविंद्र सिंह राठौड़ एवं प्लेटफार्म ड्यूटी स्टाफ मौजूद मिले।मौके पर निरीक्षण के दौरान उक्त व्यक्ति ट्रेन से कटकर मृत अवस्था में पाया गया।

मृत्युभोज के बाद 100 से ज्यादा लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार, मची अफरा-तफरी

डिंडौरी और मंडला जिला अस्पताल में कराया भर्ती, स्वास्थ्य विभाग ने गांव में डाला डेरा

जागरण, डिंडौरी। जिले के मेहदवानी जनपद से फूड पॉइजनिंग का गंभीर मामला सामने आया है। दरअसल झाम झोला गांव में एक दशगात्र कार्यक्रम के दौरान भोजन करने से 100 से ज्यादा लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। इससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। शुक्रवार रात को हुए इस भोज के बाद आधी रात से ही लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी और शनिवार सुबह मरीज अस्पताल पहुंचने शुरू हो गए।

घटना में 103 लोग बीमार हुए हैं। मरीजों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। मेहदवानी स्वास्थ्य केंद्र में 29 और मंडला जिले के मोहगांव केंद्र में 63 मरीजों

का इलाज चल रहा है। इसके अलावा कुछ मरीजों को इलाज के लिए डिंडौरी और मंडला जिला अस्पताल भी भेजा गया है। राहत की बात यह है कि फिलहाल सभी मरीजों की हालत खतरे से बाहर है। डॉक्टरों ने ग्रामीणों को सलाह दी है कि वे फिलहाल तेज धूप में बाहर न निकलें और ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं। उन्हें हल्का भोजन करने को कहा गया है। गांव में स्वच्छता बनाए रखने और साफ पानी का उपयोग करने के निर्देश भी दिए।

केवल पूड़ी खाने वाले पड़े बीमार

स्वास्थ्य विभाग की शुरुआती जांच में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज पांडेय के अनुसार, जिन लोगों ने आटे से बनी पूड़ी खाई थी, केवल वही बीमार पड़े। जिन्होंने पूड़ी नहीं खाई, वे सुरक्षित हैं। इस भोज में पूड़ी के साथ सब्जी, दाल और चावल परोसे गए थे। प्रशासन ने खाने और पानी के सैंपल ले लिए हैं ताकि सही कारणों का पता चल सके।

कार्य स्थल पर महिला सहकर्मी के शरीर को घूरना अपराध नहीं: बॉम्बे हाई कोर्ट

मुंबई, जेएनएन। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और कानूनी सीमाओं को लेकर एक अत्यंत महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी महिला सहकर्मी को गलत तरीके से घूरना निश्चित रूप से अनैतिक और अनुचित व्यवहार है, लेकिन इसे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354सी के तहत ताक-झांक का अपराध नहीं माना जा सकता।

जस्टिस अमित बोरकर की सिंगल बेंच ने एक बीमा कंपनी के एग्जीक्यूटिव के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करते हुए कहा

कि कानून की व्याख्या को उसकी मूल परिभाषा से बाहर जाकर नहीं खींचा जा सकता। दरअसल एक प्रसिद्ध बीमा कंपनी में कार्यरत एक महिला कर्मचारी ने अपने वरिष्ठ सहकर्मी (आरोपी निगुडकर) पर गंभीर आरोप लगाए थे। महिला का आरोप था कि ऑफिस की मीटिंग्स के दौरान आरोपी उनसे नजरें मिलाने के बजाय जानबूझकर उनके सीने की तरफ टकटकी लगाकर देखता था। शिकायतकर्ता ने यह भी कहा कि आरोपी अक्सर अनुचित टिप्पणियां करता था, जिससे काम का माहौल बेहद असहज और अपमानजनक हो जाता था। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 354सी (ताक-झांक) के तहत मामला दर्ज किया था। जस्टिस अमित बोरकर ने सुनवाई करते हुए कहा कि आरोपी का व्यवहार, यदि सच भी मान लिया जाए, तो वह नैतिक रूप से गलत और काम के माहौल के खिलाफ है।

राजा-महाराजा की छतरियों पर कोई दीया नहीं लगाता, गुण की होती है पूजा: तोमर

जागरण, सागर। भारतरत्न कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा का अनावरण शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सागर के अटल पार्क में किया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहाकि हमारी भारतीय संस्कृति में संपन्नता कभी भी पूजा का आधार नहीं रही। हाड़-मांस के शरीर की जगह हमेशा से ही श्रेष्ठ गुणों और नैतिकता की पूजा होती रही है। राजा-महाराजा हों, सुल्तान या बादशाह, इनकी छतरियां व मूर्तियां तो जगह-जगह बनी मिल जाएंगी, मगर उन पर कोई दीया जलाने भी नहीं जाता। दूसरी ओर किसी फकीर की बात लोग मानने लगते हैं। फिर यह नहीं देखा जाता कि वह कहां का है, किस बिरादरी या मजहब का है। योग्य गुणों के कारण उसकी पूजा होने लगती है। कर्पूरी ठाकुर का व्यक्तित्व ऐसा था कि भारतरत्न भी उनके पास चलकर आया। उनके पास न गाड़ी थी न बैंक बैलेंस। केवल गुणों के कारण वे आज भी पूज्य हैं। तोमर ने सागर जिले के जनप्रतिनिधियों से कहा कि प्रतिमा तो लग गई, लेकिन प्रतिमा स्थल पर 6 माह एक साल में एक कार्यक्रम भी होना चाहिए। कार्यक्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र दिल्ली के रामबहादुर राय, जलशक्ति मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, विधायक भूपेंद्र सिंह, शैलेंद्र जैन, प्रदीप लारिया, महापौर संगीता तिवारी, समाजवादी चिंतक व नेता रघु ठाकुर विशेष रूप से मौजूद थे।

सागर में भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा का अनावरण

अब सिर्फ रिसीवर ही पढ़ पाएगा आपका जीमेल

नई दिल्ली, जेएनएन। गूगल ने एक बड़ा ऐलान किया है, जिसमें जीमेल यूजर्स को एंड टू एंड एनक्रिप्शन का सपोर्ट मिलेगा। यह सपोर्ट एंड्रॉयड और आईओएस दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम पर मिलेगा। एंड टू एंड एनक्रिप्शन की सुविधा इंस्टेंट मैसेजिंग एप वॉट्सएप पर भी मिलता है। एक बार अपडेट मिलने के बाद यूजर्स को सेंसटिव ईमेल भेजने के लिए सिक्योरिटी लेयर के लिए अलग से सॉफ्टवेयर या एक्सटेंशन की जरूरत नहीं होगी। ईमेल सुरक्षित तरीके से रिसीवर तक पहुंच जाएगा। एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन, असल में एक तरह का डिजिटल सिक्योरिटी लॉक सिस्टम है। इस टेक्नोलॉजी का यूज करने पर डेटा भेजने वाले और रिसीव करने वाले के अलावा अन्य कोई शख्स ईमेल या मैसेज को बीच में डिकोड नहीं कर पाएगा।

जंगल

कूनो नेशनल पार्क में गूंजी किलकारी, केंद्रीय मंत्री यादव ने दी खुशखबरी

मादा चीता गामिनी ने 4 शावकों को दिया जन्म

जागरण, श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क में शनिवार को फिर किलकारी गूंजी हैं। यहां दक्षिण अफ्रीकी मूल की मादा चीता गामिनी (उम्र करीब 25 माह) ने जंगल में चार शावकों को जन्म दिया है। यह भारत में जन्मी किसी मादा चीता ने खुले जंगल में शावकों को जन्म देने का पहला मामला है, जो चीता पुनर्वास परियोजना को खास सफलता है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इंटरनेट प्लेटफॉर्म एक्स पर खुशखबरी को साझा किया।

उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए गर्व का क्षण है और चीता प्रोजेक्ट के लिए बड़ा मील का पत्थर है। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि कूनो में भारतीय परिस्थितियों में चीतों का सफल अनुकूलन और प्रजनन इस परियोजना की सफलता को दर्शाता है। साथ ही उन्होंने पार्क प्रबंधन, डॉक्टरों और फील्ड स्टाफ की मेहनत की सराहना की। दरअसल यह उपलब्धि इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि साल 2022 में शुरू हुए चीता पुनर्वास कार्यक्रम के बाद

यह जंगल में दर्ज जन्म की पहली सफल घटना है। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि कूनो का वातावरण अब चीतों के लिए अनुकूल बन रहा है और वे यहां स्वाभाविक रूप से खुद को ढाल रहे हैं। मादा चीता गामिनी के 4 शावकों के जन्म के साथ ही कूनो में चीतों की संख्या बढ़कर 57 हो गई है।

एक साल से अधिक समय से जंगल में थी गामिनी

फील्ड डायरेक्टर चीता प्रोजेक्ट उत्तम कुमार शर्मा ने बताया कि मादा चीता गामिनी पिछले एक साल से अधिक समय से खुले जंगल में रह रही थी। इस दौरान उसने शिकार करना, क्षेत्र तय करना और प्राकृतिक परिस्थितियों में खुद को बनाए रखना सीख लिया। अब शावकों का जन्म इस बात का प्रमाण है कि चीतों का जीवनचक्र कूनो में सामान्य रूप से आगे बढ़ रहा है।

बाघ के डर से ग्रामीणों ने जंगल में महुआ बीनने जाना किया बंद

जागरण, सिवनी। जिले के वन विकास निगम के बहरई परिक्षेत्र में बाघ और तेंदुए ने महुआ बीन रहे लोगों पर हमला कर दिया, बढ़ते हमलों से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। गांगपुर गांव में तेंदुए ने घर के बाहर सो रहे नाबालिग पर हमला कर दिया, परिजनों की सतर्कता से उसको बचा लिया गया। क्षेत्र में महुआ बीनने के दौरान बाघ में हमलों में अबतक दो लोग अपनी जान से हाथ धो बैठे हैं। बाघ के हमलों में डोरली निवासी विनोद उड़के सहित दो ग्रामीणों की मौत के बाद लोगों ने जंगल जाना ही बंद कर दिया है। वर्तमान समय महुआ बीनने का सीजन है, बावजूद इसके ग्रामीण ने जान के खतरे और मवेशियों पर हमले की आशंका के कारण खेतों और जंगलों की में जाना बंद कर दिया है। वन विभाग के कर्मचारियों ने बाघ की लोकेशन ट्रेस करने के लिए जंगल के अलग-अलग हिस्सों में 20 कैमरा ट्रैप लगाए हैं। वन अमला नियमित गश्ती और सर्चिंग अभियान चला रहा है। एक सप्ताह बीतने के बाद भी बाघ कैमरों में कैद नहीं हो सका है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।